कातिल
हीरे
जेम्स
हेडली
चेइज़

कातिल
हीरे
जेम्स
हेडली
चेइज़

कातिल हीरे

eISBN: 978-93-5261-559-9

प्रकाशक डायमंड पॉकेट बुक्स (प्रा.) लि.
X-30 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली- 110020
फोन : 011-40712100
ई-मेल : ebooks@dpb.in
वेबसाइट : www.diamondbook.in
संस्करण : 2016

Katil Heere

By - James Hadley Chase

कातिल हीरे

1

जैक्सनविले नगर में सैंट जोन्स नदी के किनारे एक बढ़िया मधुशाला में दो व्यक्ति आमने सामने बैठे बातें करने में व्यस्त थे। शराबखाने में प्रकाश बस नाममात्र का था। इन ग्राहकों के अतिरिक्त पूरी मधुशाला में बस एक व्यक्ति और था और वह था मधुशाला का बूढ़ा बैरा वरना सारी मधुशाला सुनसान पड़ी थी।

बाईं ओर बैठा व्यक्ति था 'एड हडन' जो संसार की बहुमूल्य चित्रकलाओं व मूर्तियों के चोरों का सम्राट था और जाहिर है कि सम्राट वह अपनी निपुणता और योग्यताओं के आधार पर बन सका था। पर लोग उसे एक ऐसे धनी व्यापारी के रूप में जानते थे जिसने उकताहट के चलते व्यापार से संन्यास ले लिया था और जो अब अपने कमाए हुए असीम धन से वैभव का जीवन व्यतीत कर रहा था। पैरिस, लंदन और इसके अतिरिक्त दक्षिणी फ्रांस में उसके कई एक निजी मकान थे और वह समय-समय पर उन सभी स्थानों पर बदल-बदलकर रहता था। निपुण चोरों के गिरोह में बड़ी से बड़ी चोरी की योजना बनाकर उसे पूरी कर देना उसके बाएं हाथ का खेल था। लम्बे, चौड़े और भूरे बालों वाले इस सुन्दर व्यक्ति को अक्सर लोग कोई बड़ा नेता या कोई बड़ा सरकारी अधिकारी समझ बैठते थे, पर किसे मालूम था कि इस आकर्षक चेहरे व शरीर का मालिक संसार का माना हुआ चित्रकलाओं व अन्य प्राचीन बहुमूल्य वस्तुओं का चोर है।

दाईं ओर बैठे हुए व्यक्ति का नाम 'लू ब्राडी' था और हडन के समान चित्राकलाओं के चोरों के संसार में उसकी भी बहुत इज्जत थी। लम्बा, पतला दुबला, लगभग पैंतीस वर्षीय भूरे बालों व भूरी आंखों वाला यह व्यक्ति संसार के किसी बड़े से बड़े और टेढ़े-से-टेढ़े ताले को क्षणों में खोल सकता था। प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला यह सुन्दर व्यक्ति हुलिया बदलने में माहिर था। उसके चेहरे का चमड़ा रबर समान था, मुंह के अन्दर रुई इत्यादि का कपड़ा ठूंसकर वह अपने पतले चेहरे को इस प्रकार मोटा बना लेता था कि बड़े से बड़ा जासूस भी उसे पहचाने में धोखा खा जाता। उसके पचासों नकली बाल, मूंछे व दाढ़ियां थीं। अपने पतले शरीर को भी मोटा बना लेने में उसे कमाल हासिल था। उसके पास मोटे कपड़ों के सिले कई एक चुस्त बनियान व पायजामें थे जिन्हें अंदर पहनकर वह ऊपर से सूट आदि पहन लेता था और अच्छा खासा मोटा लगने लगता था। यही कारण था कि फ्रांस और इंग्लैंड क्या, कई अन्य देशों की पुलिस और इण्टरपोल कड़ी तलाश के बावजूद उसे पकड़ पाने में असमर्थ थी।

ये दोनों महानुभाव वर्षों से एक दूसरे के साथ मिलकर काम करते चले आ रहे थे। इस समय इस उजाड़खण्ड मधुशाला में बैठे अपने पिछले कारनामें की चर्चा कर रहे थे। दोनों इस बात से सहमत थे कि पिछली चोरी की योजना जबरदस्त थी। किस सुन्दरता से उन्होंने वाशिंगटन संग्रहालय में से

'कैथरीन दे ग्रेट' की मूर्ति उड़ाई थी। पर इस कारनामे से आर्थिक तौर पर वे बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं थे।

'एक प्रकार से समझ लो कुछ भी हाथ नहीं लगा। मैं समझता था करोड़ों के वारे-न्यारे हों जाएंगे पर...।' इडन सिगार सुलगाता हुआ लू ब्राडी को तिरछी आंखों से तौलता हुआ बोला।

'इसमें इतने उदास होने की क्या बात है। कोई अन्य योजना बनाओ। हिसाब बराबर कर लेंगे।' ब्राडी जोश भरे स्वर में बोला।

'भई, सच पूछो तो मैं केवल इसी बारे में बात करने के लिए यहां बैठ हूं वरना इस सड़े मधुशाला में भला बैठने लायक जगह हैं।' इडन मुंह बनाता हुआ बोला।

लू ब्राडी की शांत, भूरी आंखों में एकदम चमक आ गई। उसने अपना चेहरा इडन के और पास कर दिया।

'पर.....सफल योजना और मेहनत की आवश्यकता है। मेरे आदमियों की सूची में तुम्हारा नाम सबसे ऊपर है। अ....अ...क्या तुम आने वाले तीन हफ्तो में खाली हो? दे सकोगे मेरा साथ?' इडन, ब्राडी को अपने सिगार से संकेत करता हुआ बोला।

प्रतिउत्तर में ब्राडी के चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई, कटु मुस्कान।

'क्या बात करते हो, एड। कभी ऐसा हुआ है कि तुम्हें मेरी आवश्यकता पड़ी हो और मैं पीछे हट गया हूं।' लू ब्राडी के चेहरे पर हडन का मजाक उड़ाती मुस्कान अब भी नाच रही थी।

'वाह.....।' हडन उत्साहित हो सीधा बैठ गया, बोला, 'मैं जानता था तुम्हारा उत्तर यही होगा। पिछली बार मूर्ति चुराने की योजना बनाने के दौरान मैं पैराडाइज सिटी के 'स्पैनिश बे होटल' में ठहरा था। वहां मैं 'फैग क्लाड केन्डरीक' के साथ निरंतर तीन दिनों तक ठहरा हुआ था। अपने कारनामों में फैग का जितना योगदान होता है वह तो तुम जानते ही हो। पैसा काफी खर्च हुआ क्योंकि डीलक्स होटल है, इसलिए काफी महंगा है। मैं इस होटल को संसार के चन्द बढ़िया होटलों में से एक मानता हूं। इसमें एक एक कमरे नहीं बल्कि सारे के सारे सुईट्स हैं। जाहिर है कि इसमें धनी लोग ही ठहरते हैं, पर सबसे अजीब बात यह है कि होटल का एक भी सुईट कभी खाली नहीं मिलता। पहले से बुकिंग करानी पड़ती है।'

ब्राडी की आंखें आश्चर्य से फट-सी गईं।

'तुम उसमें ठहरे थे?' वह अविश्वास में पूछा बैठा।

'हां, भई...पैसा तो अवश्य खर्च हुआ पर खला नहीं। क्योंकि उन्हीं जैसे स्थानों से तो पैसा कमाने के तरीके सूझते हैं। इस होटल में ठहरने में एक बहुत बड़ा फायदा हुआ।' इडन ने सिगार का एक कश खींचा और राख जमीन पर झाड़ते हुए वह बोला, होटल का मालिक जीन डूलक नाम का फ्रांसीसी है, जो अपने व्यापार में काफी चतुर है। देखने में काफी आकर्षक है, वह और अपने होटल में उसने बड़े चुने हुए कर्मचारी रख रखे हैं.... क्या बताऊं होटल का नजारा बयान करते नहीं बनता। धनी पुरुष स्त्रियों की एक भीड़ सी इकट्ठा रहती है।

ब्राडी हडन की बातों को ऐसे सुन रहा था जैसे कोई तेजस्वी छात्र क्लास में लेक्चर सुनता है। 'अब

तुम्हें क्या बताऊं कि जब पति लोग धनी हो जाते हैं, तो उनकी पत्नियों के बीच एक होड़-सी चलने लगती है। यानी उनकी पत्नियां अपने पति के धन की नुमाइश में एक दूसरे से बढ़-चढ़कर रहना चाहती हैं। मानव प्रकृति है यह। कपड़ा तो खैर छोटी बात हुई, वे महंगे से महंगा हीरे-जवाहरात के जेवर पहनती हैं। यदि श्रीमती स्नूक के पास हीरे का एक हार है, तो श्रीमती पूक उस जैसा हार अपने पति से लिए बिना मानेंगी नहीं। तब श्रीमती स्नूक कोई और हीरे की चीजें पहन लेंगी जैसे बुन्दा, झुमका आदि फिर श्रीमती पूक अपने पति से वह सब ला देने की जिद करेंगी। इस प्रकार एक दूसरे से बढ़ चढकर प्रदर्शन की होड़ लगी ही रहती है। रात के समय होटल देखने योग्य होता है। प्रत्येक स्त्री हीरों से जैसे लदी होती है। मैंने वहां के रेस्टोरेंट में तीन बार डिनर लिया मानों अपने जीवन में इतने हीरे-जवाहरात एक स्थान पर इकट्ठे मैंने कभी नहीं देखे थे।' हडन बोलता चला गया।

सुनकर ब्राडी ने एक ठंडी आह भरी।

'बहुत अच्छे।.... फिर?' वह उत्सुकता से पूछ बैठा।

'....विचार आया क्यों न इन होटल पर धावा बोला जाए? हडन मुस्कराया फिर ब्राडी की आंखों में बढ़ती उत्सुकता को शांत करने के लिए बोला, 'होटल के उस डिनर वाले रेस्टोरेंट में उपस्थित कुल स्त्रियों के यदि हीरे-जवाहरात हाथ लग जाए तो, समझो छः करोड़ रुपया हाथ लग गए।'

'छः करोड़?' ब्राडी के आश्चर्य की कोई सीमा नहीं थी।

'इससे भी अधिक। मैंने तो कम से कम बताया है।' इडन उसके आश्चर्य को और बढ़ाता हुआ बोला।

'क्या बात है।' ब्राडी ने अपना सिर खुजाया, 'एड, यह सब कैसे संभव है, यानि, म....म.....म.....मेरा मतलब है, तुम्हारी योजना क्या है?' वह अति उत्सुकता से बोला।

'यह हुई ना बात। पर एक बात मैं पहले स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उस छः करोड़ में से तुम्हारा हिस्सा दो करोड़ होगा। चार मेरा क्योंकि इस काम में जितना पैसा खर्च होगा वह मैं करूंगा। इसके अतिरिक्त योजना भी तो हमेशा की तरह मेरी ही है। यानी कि योजना मेरी और तुम्हारा काम इसे सफल बनाना।' इडन बोला।

'कोई आपत्ति नहीं। मुझे तुम पर पूरा विश्वास है। मेरे बिना तुम कुछ नहीं, तुम्हारे बिना मैं कुछ नहीं।' कहकर ब्राडी ने जोश में अपना हाथ आगे बढ़ाया। दोनों ने कसकर हाथ मिलाया।

'इतने बड़े कांड के चलते जाहिर है कि पैराडाइज सिटी में काफी हंगामा बरपा हो जाएगा। और तुम तो जानते ही हो कि मैं पैराडाइज सिटी पुलिस और मियामी पुलिस दोनों ही कितनी तेज है। इसलिए मामला जब तक ठण्डा न पड़ जाएगा माल को शहर से बाहर ले जाना असंभव होगा।' हडन ने समझाया।

'तो?' ब्राडी की भवें तन गयीं।

'इसलिए कुछ दिनों के लिए यह माल फैग हेंडस्थि के पास रख देंगे। मैं उससे बात कर लूंगा। खैर वह तो अपना विश्वसनीय आदमी है।' हडन ने अपनी बात पूरी की।

ब्राडी की भवें और तन गयीं, वह बोला, 'किस बदमाश का नाम ले लिया तुमने?'

‘नहीं लू, तुम उसे नजदीक से नहीं जानते। बहुत तेज और भरोसे का आदमी है वह।’ हडन ने समझाने की चेष्टा की।

‘खैर, यह तो बाद की बात है। तुम अपनी योजना बताने वाले थे।’ ब्राडी शांत होता हुआ बोला।

हडन ने मोटे बैरे को अपने पास आने का संकेत किया। जब वह आ गया तो उसने दो गिलास व्हिस्की लाने को कहा। जब तक व्हिस्की नहीं आ गई और दोनों ने एक एक चुस्की नहीं मार ली दोनों ही चुपचाप बैठे रहे।

‘उस दौरान जब मैं होटल में था, लू।’ हडन चियर्स कर चुस्की लगाते हुए बोला- ‘तो मेरी भेंट अकस्मात ही एक धनी बुढ़िया से हो गई जो नीचे से ऊपर हीरों से लदी थी। मुझे अपनी ओर आकर्षित देखकर स्पष्ट है कि वह बहुत प्रसन्न थी। उसने मुझे बताया कि उसके पति की पांच वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी और वह प्रत्येक वर्ष एक महीना अवश्य ही इस होटल में बिताती थी। लगभग एक सवा घंटे तक वह बुढ़िया अपने पति, पुत्र-पुत्रियों, पोते-नातियों और परिवार के किस्से सुना-सुनाकर मेरा भेजा चाटती रही। उसका स्वर्गवासी करोड़पति पति पेट्रोल का व्यापार करता था। उसने जबरदस्ती मुझे अपना पारिवारिक एलबम भी दिखाया। तुम तो जानते ही हो कि ऐसी स्त्रियों से मैं एक बार बात कर लूं तो वह मेरी दीवानी हो जाती हैं। खैर, मैंने उसके कपड़े, हीरों, जवाहरात आदि की जी खोलकर प्रशंसा की। मैंने उससे पूछा कि इस खराब युग में यानी चोरी, डकैती और हत्या के इस जमाने में वह बिल्कुल भी नहीं डरती कि कोई भी उसे पिस्तौल दिखाकर या हत्या कर उसके ये कीमती जेवरात छीन सकता है। उसने मुझे बताया कि वह इन बहुमूल्य जेवरों को होटल के बाहर पहनने का साहस भी नहीं कर सकती। उसने कहा कि होटल की सुरक्षा का इतना बढ़िया प्रबन्ध है कि वह सपने में भी नहीं सोच सकती कि उसे लूटा जा सकता है। मैं उस बुढ़िया से जैसा कि बता चुका हूं काफी देर बात करता रहा और उसी से पता चला कि प्रत्येक ग्राहक के होटल में पहुंचने पर उसे एक बक्सा दिया जाता है और नम्बरों वाला एक ताला। सोते समय ग्राहक अपने हीरे-जवाहरात और अन्य जेवरात उस बक्से में बंद कर वह ताला लगा देता है, जिसका नम्बर केवल उसे ही मालूम रहता है। फिर होटल के दो सुरक्षाधिकारी उस बक्से को ले जाकर होटल की मुख्य तिजोरी में बन्द कर देते हैं। समझे?’

आश्चर्यचकित ब्राडी ने ‘हां’ में सर हिलाया फिर बोला, ‘नम्बरों वाला ताला? उसे खोलना तो मेरे बायें हाथ का खेल हैं।’

‘मुझे मालूम था तुम यही कहोगे।’ हडन बोला।

ब्राडी बैठा कुछ सोचता रहा फिर बोला, ‘होटल की तिजोरी किस प्रकार की है?‘

‘यह पता लगाना तो तुम्हारा काम है। मैं तो यह भी नहीं जानता कि होटल में वह तिजोरी है भी कहां।’ हडन कंधा उचकाता हुआ बोला।

‘खैर, कोई कठिन काम नहीं। हां, वहां की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताओ। जानते हो तो।’ ब्राडी बोला।

‘तिजोरी पर दो क्लर्कों की ड्यूटी रहती है जो देखने में क्लर्क क्या अच्छे खासे फौजी जवान लगते है। इसके अतिरिक्त लगभग नौ बजे रात्रि को वहां दो हथियारबन्द सुरक्षाधिकारियों अर्थात संतरियो के

ड्यूटी लगती है, जो भोर में लगभग दो बजे तक वहां रहते है। जवान और तगड़े सन्तरी। लगभग तीन बजे भोर तक होटल सामान्यत: सुनसान पड़ जाता है। पर होटल में ठहरे लोग लगभग चार बजे तक आते-जाते रहते हैं। मेरे विचार में तिजोरी में से माल हड़पने का सबसे बढ़िया समय 'तीन' ही बजे का होगा। अब इससे अधिक मैं तुमको क्या बताऊं, शेष तुमको स्वयं ही पता लगाना है।' इडन बोला।

'तुम्हारा मतलब है, मैं होटल में जाकर ठहरूं?' ब्राडी आंखें चमकाता हुआ बोला।

'इसके अतिरिक्त चारा भी क्या है? मैंने एक ट्रैवल एजेन्ट के द्वारा होटल में एक सुईट बुक करवा रखा है। इस प्रकार यह पता लगाना असंभव हो जाएगा कि बुकिंग किसने करवाई।' हडन ने बताया।

ब्राडी ने प्रशंसा में अपना सिर हिलाया।

'पैसा भी मैंने एडवांस जमा करवा दिया हैं तुम अगले सोमवार तक वहीं चल दो। हां, यह रहे वहां तुम्हारा नाम कार्नेलिस बान्स होगा।' हडन ने स्पष्टीकरण किया।

'काफी रईसाना नाम लगता है।' ब्राडी मुस्कराया।

'वहां तुम्हारे पास एक रोल्स गाड़ी भी होगी। मैंने उसका प्रबन्ध कर दिया। याद रहे कि वहां धनी बनकर रहना है वरना वहां ठहरना संभव नहीं हो पायेगा। होटल वाले तुरन्त संदिग्ध हो उठेंगे। तुम वहां एक बूढ़े अपाहिज के भेष में होगे। धनी अपाहिज और पहियों वाली कुर्सी का प्रयोग करोगे। तुम्हारे साथ तुम्हारी सहायता के लिए एक व्यक्ति नौकर भी होगा। दूसरे यात्रियों, पर्यटकों के संग मित्रता मत करना। होटल वालों पर जतला देना कि तुम अकेले रहना पसंद करते हो। इस पर कोई लाख का खर्च आयेगा, लू। क्योंकि वहां एक दिन का खाने पीने के अतिरिक्त केवल कमरे का किराया आठ हजार रुपया है। वहां पीना पाना मत। सादा खाना वरना बिल आकाश से बातें करने लगेगा। शराब बाहर से ले जाना। लंच बाहर ही कर लेना पर रात का भोजन अंदर करना क्योंकि तुम्हें डिनर वाले उस रेस्टोरेंट को भांपना बहुत जरूरी है। समझे?' हडन बोला।

ब्रांडी ने 'हां' में सिर हिलाया।

'तुम्हारा काम तिजोरी का पता लगाना और उसे खोलना है। हमें एक ऐसे ड्राइवर की आवश्यकता है जो स्मार्ट हो यानी गाड़ी तेज चला सके और वहां होटल के कर्मचारियों में घुला-मिला भी रह सके। और हीरों से भरे उन बक्सों को कार तक पहुंचाने में तुम्हारी सहायता भी कर सकें। यह रही योजना की मोटी मोटी बातें।' हडन ने अपनी बात समाप्त की।

'तिजोरी के पास दो क्लर्क रात भर रहते हैं?' ब्राडी ने प्रश्न किया।

'नहीं, दोनों क्लर्कों की पारी बंधी होती है। उनमें से एक रात भर रहता है।' हडन ने समझाया।

'दो हथियारबंद संतरी भी तिजोरी के कहीं आस ही पास होते हैं?' ब्राडी ने पूछा।

'हां, पर उनकी अधिक चिन्ता मत करो तुम। मैंने उनका प्रबंध कर रखा है।' कहकर हडन मुस्कराया।

'एक बात है, एड। वैसे मुझे पहियों वाली कुर्सी वाली बात बहुत पसन्द आई और बक्सों को कार तक ले जाने में मेरे पास ड्राइवर के रूप में एक पुरुष तो होगा ही तो क्यों न मेरी पहियों वाली कुर्सी

को ढकेलने के लिए किसी पुरुष के बजाय कोई सुन्दर परी हो। म-म मेरा मतलब है नर्स के लिबास में। जो लोगों से आसानी से घुल मिल भी सकती है और जहां-जहां की फोटो चाहिए वहां-वहां की फोटो भी ले सकती है।' ब्रांडी बोला।

'पहियों की कुर्सी का विचार तो मैंने इसलिए सोच रखा है ताकि किसी को सपने में भी यह संदेह न हो कि उस अपाहिज का हाथ रहा होगा। और, नर्स? ...मेरा ख्याल है तुम्हारा संकेत अपनी प्रेमिका की ओर है।' हडन मुस्कराया।

'अ-अ-अ, हां। काफी सेक्सी है वह और फिर तुम जानते हो कि वह यह कार्य कितनी निपुणता से कर सकती हैं।' ब्राडी ने सिफारिश की।

'ख्याल बुरा नहीं।' हडन फिर मुस्कराया।

'पर खर्चा कुछ बढ़ जाएगा, एड।' ब्राडी बोला।

'चलो, एक डेढ़ के बजाय डेढ़ दो लाख रुपये, पर एक बात मैं स्पष्ट कर दूं कि दो लाख से अधिक रुपये मैं किसी कीमत पर नहीं खर्च कर सकता इस होटल वाले काम में।' हडन स्पष्ट बोल पड़ा।

'ठीक है, ठीक है। इतने में हो जाएगा। हां....तुम सन्तरियों के विषय में कुछ कह रहे थे।' ब्राडी ने उत्सुकता से पूछा।

प्रतिउत्तर में हडन कुर्सी से नीचे झुकता हुआ बोला, 'अभी बताता हूं।' नीचे रखी छोटी अटैची उसने उठाकर मेज पर रखी फिर पलटकर बैरे को देखा जो काउंटर पर बैठा कुछ पढ़ने में व्यस्त था। बैरे से संतुष्ट हो हडन ने अटैची खोली और उसमें से एक पिस्तौल बाहर निकालकर उसे कोने में छुपाकर ब्राडी को दिखाता हुआ बोला, 'जानते हो, बहुत मंहगी पिस्तौल है पर .....।' अभी हडन आगे कुछ कहता कि भयभीत और आश्चर्यचकित ब्राडी बोल पड़ा, 'एक बात मैं बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं, और तुम जानते भी हो कि मैंने अपने जीवन में कभी कोई हत्या नहीं की। सो इस कार्य में भी नहीं करूंगा। पिस्तौल चलाना तो दूर रहा है मैं इसे ठीक से पकड़ भी नहीं पाता।'

'अरे उफ्! तुमने मेरी पूरी बात तो सुनी नहीं और लगे भाषण देने। भई, यह गोली वाली पिस्तौल नहीं है। इसके चलाने से आदमी मरता नहीं केवल सो जाता है और लगभग छ: घंटे बाद उसकी आंख खुलती है।' हडन ने बताया।

ब्राडी की आंखें आश्चर्य से फटी की फटी रह गईं। वह आश्चर्यचकित होता हुआ अविश्वास से बोला 'नहीं, नहीं।'

हडन प्रतिउत्तर में केवल मुस्कराया।

'तुम्हारा मतलब है कि इसकी गोली से आदमी मरेगा नहीं बस सो जाएगा और छ: घण्टे बाद भला चंगा उठ जाएगा।' ब्राडी अब भी आश्चर्यचकित था।

'हां, खैर, तुम्हारा निशाना अच्छा नहीं है तो इसे चलाने का काम में ड्राइवर को ही सौंपूंगा।' हडन बोला।

'क्या वास्तव में यह पिस्तौल...?'

‘हां भई, कहा तो ....अच्छा तो अब स्वयं को मानसिक रूप से बिल्कुल तैयार कर लो। हम लोग शनिवार की रात्रि को सी बीच होटल मियामी में लंच पर मिलते हैं। मैं वहीं ठहरा रहूंगा और तुम सोमवार की शाम को होटल स्पैनिश पैराडाइज सिटी चल देना, समझे।’ हडन बोला।

‘बिल्कुल, बिल्कुल’ ब्राडी सर हिलाते हुए बोला।

हडन ने बैरे को बुलाकर उसे पैसा दिया। जब वह चला गया तो हडन अटैची हाथ में पकड़कर उठाता हुआ बोला, ‘चलो चलते-चलते तुम्हें इस पिस्तौल का कमाल दिखा ही दें।’ कहकर उसने चारों ओर देखा और अपनी पीठ किए खड़े बैर पर पिस्तौल तानकर घोड़ा दबा दिया। मधुशाला के शांत वातावरण में ‘पिट’ का एक स्वर गूंजा और बैरे के दोनों पैर लडखड़ाए। चाहकर भी वह मुड़कर हडन से आंखें न मिला पाया था क्योंकि उसे मुड़ने का अवसर तक ही न मिला पाया था और वह जमीन पर चारो खाने चित्त हो चुका था।

हडन बैरे के पास पहुंचा। बैरे की गर्दन पर चुभी पिन निकाली और उसे ब्राडी के हाथ में थमाते हुआ बोला, ‘घबराने की कोई बात नहीं, छः घण्टे बाद आराम से उठ जाएगा जैसे कुछ हुआ ही न हो, भला चंगा।’

‘मान गए उस्ताद।’ ब्राडी के स्वर में आश्चर्य और प्रशंसा का मिश्रित भाव था।

‘चलो जल्दी निकल चलते है वरना कोई आ जाएगा।’ बोलकर हडन बाहर की ओर चल दिया।

* * *

चौदह वर्ष की आयु से ही मैगी शुट्ज अपने हुस्न व नजाकत से पुरुषों पर बिजलियां गिराती चली आ रही थी। अब तेईस वर्ष की आयु में तो कुछ पूछना ही नहीं-मर्दों के लिए वह किसी न्यूट्रान बम से कम नहीं थी। वह हर तरह सुन्दर, सुडौल और आकर्षक थी और सबसे बड़ी बात तो वह यह कि वह अत्यंत सैक्सी लगती थी। नंगे चित्रों के धंधे से लेकर वेश्यावृत्ति तक करने में जरा भी नहीं झिझकती। लू ब्राडी को वह पहली ही नजर में हृदय दे बैठी थी। उसके जीवन में यह पहल अवसर था जब उसने किसी को वास्तव में दिल दे दिया था। ब्राडी को आश्चर्य भी था कि ऐसी सुन्दर व प्रसिद्ध युवती ऐसे क्यों उस पर मिटी पर स्वाभाविक था कि उसे इस बात पर गर्व भी था। ब्राडी ने मैगी को बताया था कि वह फर्नीचर का व्यापार करता है और इस सिलसिले में उसे अधिकतर यात्रा करनी पड़ती है इसलिए वह उसके न्यूयार्क वाले पश्चिमी फ्लैट में आराम से रहे। उसने यह भी स्पष्ट कह दिया कि उसे बिल्कुल भी आपत्ति नहीं यदि वह अपना धंधा करती रहे। मैगी राजी हो गई थी। वाशिंगटन संग्रहालय से मूर्ति की पिछली चोरी में उसने भी सहायता की थी। ब्राडी ने यह निर्णय कर लिया था कि किसी प्रकार समझा बुझाकर मैगी को अपने गिरोह में शामिल कर लेगा। यह कोई विशेष कठिन काम न था, विशेषकर यह सोचते हुए कि मैगी को पैसा कमाने की काफी होड़ थी और वह पैसे के लिए कोई भी गलत सही काम कर सकती थी। पर ब्राडी को थोड़ी हिचकिचाहट भी थी कि हो सकता है मैगी चोरी के धंधे में आना पसन्द न करे।

जैक्सनविले से न्यूयार्क तक की उड़ान के दौरान यह इस समस्या पर गौर-विचार करता रहा। उसे विश्वास था कि मैगी के अतिरिक्त और कोई युवती सेक्सी नर्स का अभिनय निपुणतापूर्वक नहीं कर

सकती। और फिर मैगी उसकी प्रेमिका थी इसलिए वह उसे समझा बुझा सकता था। दूसरी किसी युवती को लाने में तो काफी समय और परिश्रम की आवश्यकता है। न्यूयार्क हवाई अड्डे पर उतरकर वह सीधे फूलों को एक बड़ी दुकान में गया और वहां से उसने फूलों का एक बहुत बड़ा और कीमती गुच्छा खरीदा। वह जानता था कि हीरों के अलावा मैगी को फूलों से भी दीवानगी की सीमा तक प्यार था। हवाई अड्डे पर उतरकर उसने मैगी को फोन पर बता दिया था कि वह आ गया। मैगी की चहचहाहट से उसे अनुमान लगाने में देर न लगी कि मैगी उसके आने से काफी प्रसन्न है।

वह जैसे ही फ्लैट पर पहुंचा, नंगी-धड़ंगी मैगी ने उसे बड़ी गर्मजोशी से चिपका लिया था पर खिलौना और फूल देखकर वह अलग हट गई और दोनों बच्चों के समान हाथों से लेकर चूमने लगी।

'तुमने तो घर को बिल्कुल नंगो का क्लब बना लिया है।' ब्राडी मजाक में हंसता हुआ बोला। वह खिलौने को सीने से लगाती हुई चहचहाकर बोली, डार्लिंग, तुम वाकई बहुत अच्छे हो। बहुत सुन्दर है यह खिलौना।'

ब्राडी अटैची जमीन पर रखता हुआ प्रतिउत्तर में बोला, 'तुमसे तो सुन्दर नहीं है, मेरी जान। आओ, कुछ गर्मी हो जाए।' और वह दोनों शयनकक्ष की ओर चल दिए।

आधे घंटे पश्चात् मैगी अपनी गोद में खिलौना रखे उसे सहला रही थी। ब्राडी उसकी पीठ पर अपना सिर टिकाए थका लेटा था। मैगी से उसे जितनी संतुष्टि मिलती उतनी संसार में किसी लड़की से नहीं। मैगी की बात ही कुछ और थी। इतनी गर्मी थी उसके अंदर कि बस....।

'बेबी! थोड़ा शबाब तो हो गया अब थोड़ा शराब हो जाए।' वह बोला

'क्यों नहीं-क्यों नहीं।' कहकर वह उसका सिर बिस्तर पर रखते हुए उठ खड़ी हुई। खिलौना अभी भी उसके सीने से लगा था। ब्राडी होठों को चाटते हुए उसके आकर्षक कूल्हों और नंगी टांगो को घूरता रहा।

एक महंगे रेस्टोरेंट में भोजन कर आने के बाद ब्राडी ने सोचा अच्छा मौका है अब काम की बात की जाए।

'डार्लिंग! पैराडाइज सिटी में मेरे साथ एकआध सप्ताह बिताना चाहोगी?'

मैगी की नीली आंखों में प्रसन्नता नाच उठी।

'तुम्हारा मतलब है करोड़पतियों का वह स्वप्न नगर? .....पैराडाइज सिटी?' वह अविश्वास से बोली।

'हां, वहीं।'

मैगी ने प्रसन्नता में बच्चों की तरह गोल मुंह करते हुए एक लम्बी सीटी बजाई और ब्राडी पर खुशी से कूद सी पड़ी।

'यह क्या कर रही हो, मैगी। बताओ, चलोगी मेरे साथ?'

'अब तो भगवान भी मुझे तुम्हारे साथ वहां जाने को मना करें तो भी नहीं मानूंगी। वाह....पैराडाइज सिटी वास्तव में स्वर्ग है। बड़े-बड़े होटल, खजूर के पेड़, समुद्र तट, करोड़पतियों

का जमघट।' वह खुशी से लगभग चीखी।

'धीरज रखो, मैगी। मैं वहां एक बहुत आवश्यक काम से जा रहा हूं। यदि तुम मेरे साथ चलोगी तो तुम्हें मेरी सहायता करनी पड़ेगी।'

'नि:संदेह, मैं तुम्हारी सहायता करूंगी, डार्लिंग। मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकती हूं। तुम तो जानते ही हो मैं तुमसे कितना प्यार करती हूं।' वह इतराते हुए बोली।

'मैगी ! सुनो, मैं कोई फर्नीचर-वर्नीचर का व्यापार नहीं करता हूं।' वह गंभीर होता हुआ बोला।

ब्राडी को आश्चर्य हुआ कि उसके इस रहस्योद्घाटन से मैगी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वह शांत स्वर में बोली, 'मैं जानती हूं। फर्नीचर के व्यापारियों के साथ मैंने काफी रातें बिताई हैं डार्लिंग। वे लोग अपने व्यापार के बारे में इतनी बातें कहते थे कि मेरा दिमाग खराब हो जाता था। और ....तुम...।'

अभी अपनी बात पूरी भी न कर पाई थी कि ब्राडी ने शाबाशी में उसकी पीठ थपथपाई और बोला, 'स्मार्ट लड़की हो तुम।'

दोनों कुछ देर चुप रहे। ब्राडी ने फिर खामोशी तोड़ी, 'मैं एक पेशेवर चोर हूं, मैगी।' कहकर वह मैगी की प्रतिक्रिया भांपने लगा।

मैगी ने आंखें फाड़ी 'हां' में सिर हिलाया बोली, 'तुम्हारा मतलब है तुम धनी लोगों को माल चुराते हो और गरीबों में बांट देते हो। राबिनहुड की तरह?'

ब्राडी ने एक लम्बी सांस ली।

'नहीं, मैं अमीरों का माल हड़पकर अपनी जेब में रखता हूं।' ब्राडी बोला।

मैगी प्रभावित होती हुई बोली, 'राबिनहुड तो मूर्ख था। डार्लिंग! एक प्रकार से मैं भी चोर हूं। जानते हो कई बार ऐसा हुआ कि किसी मोटे रईस के साथ मैंने रात गुजारी और सुबह होते-होते आंख बचाकर उसके पर्स में से हजारों रुपये मार दिए। तो, मैं भी तो चोर ही हुई, है ना?'

ब्राडी ने संतुष्टि की सांस ली। उसकी इतनी बड़ी समस्या सुलझ चुकी थी। अब बस उसे कुछ आवश्यक निर्देश देना शेष था।

फिर ब्राडी ने उसे स्पैनिश बे होटल लूटने की हडन की पूरी योजना समझा दी। मैगी बड़े धीरज व ध्यान से सब कुछ सुनती रही। ब्राडी को खुशी थी कि वह उसकी बात समझ रही है, 'हम लोगों के हाथ कम से कम दो करोड़ रुपये लगने की आशा है, बेबी। पैसा पाने के बाद हम दोनों शादी कर लेंगे।'

मैगी ने एक आह भरी।

'यह तो तुमने पिछली बार भी कहा था पर तुम्हें पैसा नहीं मिला और हम लोगों का विवाह ठप्प पड़ गया। बस तुमने मुझे घूमने के लिए स्विटजरलैंड भेज दिया और एक हीरे की घड़ी भेंट कर दी। खैर, मैं कोई शिकायत नहीं कर रही हूं। सच पूछो तो...।' कहकर उसने ब्राडी के होंठों पर एक गरमागरम चुम्बन जड़ दिया फिर बोली- 'मुझे तुमसे असीम प्यार है इसलिए तुम्हारी दी हुई छोटी से छोटी भेंट भी

मुझे अपने प्राणों से भी, अधिक प्यारी होती है।'

'उस काम में कुछ भी नहीं हाथ लग पाया था।' ब्राडी बोलकर उसे घूरने लगा फिर बोला, 'पर इस बार पूरी आशा है कि...।'

'तो मुझे क्या करना है?' उसने बड़ी उत्सुकता से पूछा।

'मैं स्पैनिश बे होटल में एक अपाहिज बूढ़ा बनकर ठहरूंगा और पहियों वाली कुर्सी पर चलूंगा-फिरूंगा। तुम नर्स बनकर मेरे साथ रहोगी। नर्स के लिबास में क्या जानदार लगोगी तुम।' वह प्रशंसात्मक ढंग से बोला।

मैगी का चेहरा खिल उठा, 'वाह, क्या बात है, क्या योजना है, बड़ा मजा आएगा।'

ब्राडी अपनी प्रसन्नता पर नियंत्रण रखता हुआ चुपचाप पड़ा रहा।

'तुम्हारे जिम्मे यह काम होगा कि तुम वहां की तिजोरी का पता लगाओ। यानि तिजोरी कहां रखी है इसके लिए तुम्हें होटल के कर्मचारियों को चाहे जिस प्रकार भी हो खुश रखना होगा।' ब्राडी ने समझाया।

मैगी ने खुशी में ताली बजाई और चहकी, 'यह कौन सी बड़ी बात है।'

* * *

अमेरिका की अनेक जेलों में बीस वर्ष रह चुकने के बाद, पचास वर्ष की आयु में आर्ट बैनियोन को एक तरकीब सूझी। आखिर को वह इतने लम्बे अरसे बड़े-बड़े अपराधियों की संगत में रहा था और इसका कोई न कोई लाभ तो उठाना ही था उसे। अपनी पत्नी की सहायता से उसने एक एंजेसी की स्थापना की जो बड़े अपराधियों को उनकी लूटमार, डकैती, चोरी, हत्या आदि की योजनाओं में काम आने वाले छोटे अपराधियों को सप्लाई करती थी। यानि कि जैसा फिल्मों में होता है कि दिग्दर्शक निर्देशक अपनी फिल्म एक्स्ट्राओं के लिए घर-घर तो मारे नहीं फिरते बल्कि वे एक ऐसे ऐजेन्ट से सम्पर्क करते हैं जो उनको फिल्म के लिए एक्स्ट्रा (स्त्रियों-पुरुषों) को सप्लाई करता है। निरंतर पांच वर्षों तक उसने अपनी इस एजेंसी को स्थापित करने और चलाने के लिए अपना खून-पसीना एक कर दिया। उसने पहले उन अपराधियों की सूची तैयार की और उनको टेलीफोन नम्बर, पता आदि लिखा जिनके साथ वह विभिन्न कारगारों में रहा था। फिर उन लोगों से पूछ पूछकर उसने सैकड़ों अन्य अपराधियों की सूची तैयार कर ली। सारे अपराधियों के नाम के आगे उसने उनका 'विशेषीकरण' भी लिख रखा था। यानि कौन अपराधी किस अपराध में निपुण है। उसका सारा व्यापार टेलीफोन पर ही होता था।

न्यूयार्क के मुहल्ले ब्राडवे में अपने एक छोटे से दफ्तर में प्रात: नौ से सात छ: तक बैठा-बैठा वह नॉवल आदि पढ़ा करता और टेलीफोन आने की प्रतीक्षा किया करता। उसकी पत्नी बेथ भी वहीं आफिस में बैठी स्वेटर आदि बुना करती थी जो आर्ट को बहुत बुरा लगता पर वह कर भी क्या सकता था। जब कोई फोन आता तो दोनों एक साथ झपट पड़ते। फिर वे अपनी फाइल में से ग्राहक को आवश्यक अपराधी का नाम व पता बता देते।

आवश्यक अपराधी को जितना पैसा 'ग्राहक' देना तय करता आर्ट उसका दस प्रतिशत लेता। इससे ग्राहक और अपराधी किसी को भी कोई आपत्ति नहीं होती। इस प्रकार आर्ट ने काफी धन कमा रखा था। सरकार की नजरों से बचा बचाकर। उसने अपने ऑफिस के ऊपर एक बोर्ड लगा रखा था जिस पर लिखा था- 'बाइबिल धर्म समाज' इसलिए उसे पुलिस से भय खाने की कोई आवश्यकता नहीं थी।

आज प्रात: वह अपने छोटे से कार्यालय में नित्य नॉवल पढ़ने के बजाय गंभीरता से कुछ सोचने में लगा था यद्यपि रह रहकर उसकी दृष्टि खामोश पड़े टेलीफोन पर भी उठ जाती। वह अपने जीवन में की गई गलतियों, जेल में बिताए दिन और अपने माता पिता के विषय में सोच रहा था।

उसके माता पिता छोटे मोटे किसान मजदूर थे और मेहनत मजदूरी कर मुश्किल से खाने भर पैसा कमा लेते थे। उसका छोटा भाई माइक जो आर्ट से दस वर्ष छोटा था उसके समान न होकर सीधा सादा व्यक्ति था। आर्ट ने सत्रह वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया और पैसा कमाने की लालसा में निकल पड़ा। वर्षों तक खाक छानने के बाद उसने दो अपराधियों के संग मिलकर एक बैंक की तिजोरी तोड़नी चाही। अपने दोनों साथियों सहित वह गिरफ्तार हो गया और दस वर्ष की सजा हो गई। उसके बाद अपराध जैसे उसका प्रिय पेशा बन गया और साथ-साथ वह जेल भी जाता रहा। माता पिता की मृत्यु के बाद उसका छोटा भाई फौज में भर्ती हो गया। आर्ट फौजी जीवन के पशु जीवन से कम न समझता था। फिर भी उसे अपने भाई से विशेष लगाव था क्योंकि उसकी जेल यात्राओं के दौरान वह उससे मिलने और उसकी कुशलता पूछने आता रहता था और उसके निजी मामलों में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करता था।

फिर, चोरी उठाईगिरी जैसे अपराधों को मूर्खता समझकर उसने अपने अपराधी जीवन का परित्याग कर दिया और अपना विवाह रचा लिया चालीस वर्षीय मोटी नाटी और आलसी 'बेथ के संग जिसका पिता हत्या के आरोप में आजीवन करावास काट रहा था और जिसकी मां न्यू आरलेन्स नगर में एक छोटा सा वेश्यालय चला रही थी। आर्ट के साथ वह प्रसन्नचित्त थी क्योंकि बहरहाल जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति भली प्रकार हो रही थी। अच्छा मकान, बढ़िया भोजन और क्या चाहिए था उसे।

सोचते-सोचते आर्ट के विचार अपने भाई की ओर घूम गए और उसका मन उदास हो गया। सर्जेंट के पद पर पदोन्नति होने के बाद माइक ने विवाह कर लिया। आर्ट बस उसकी पत्नी से केवल एक बार मिला था। वह वास्तव में आकर्षक और घरेलू लड़की थी और माइक उसके साथ बहुत खुश था। माइक ने आर्ट को अपने विवाह का समाचार कोई छ: वर्ष पहले सुनाया था जब वह उससे मिलने जेल में गया था। फिर माइक का कैलीफोर्निया स्थानान्तरण हो गया और दोनों भाइयों में सम्पर्क टूट सा गया। माइक पत्र-वत्र भी नहीं लिखता था वैसे स्वभाव से ही वह पत्र लिखने वाला व्यक्ति नहीं था। आर्ट अपने भाई और उसके परिवार के बारे में चिन्तित रहता पर उसकी यह चिन्ता अपनी व्यापारिक व्यस्तताओं में लुप्त सी होकर रह जाती।

अभी कोई दो सप्ताह पूर्व माइक का टेलीफोन आया था और वह उससे मिलना चाहता था। माइक के स्वर में इतनी उदासी थी कि माइक संदिग्ध हुए बिना न रह सका। पर फोन पर कुछ बताते से उसने इंकार कर दिया। खैर, उसने माइक से कहा कि वह उसके घर आ जाए। माइक ने उससे कहा

कि वह उससे बिल्कुल अकेले में मिलना चाहता है।

'कोई बात नहीं, तुम आ जाओ। बेथ को मैं फिल्म देखने भेज दूंगा या किसी सहेली के यहां।' आर्ट ने कहा था।

'मैं कुछ खास बात करना चाहता हूं।' माइक ने कहा था।

'तो ठीक है, सात बजे तक आ जाओ।' कहकर आर्ट ने फोन बंद कर दिया था।

उस शाम जब माइक उसके घर आया था तो आर्ट को बहुत दु:ख पहुंचा था। हंसमुख, स्वस्थ माइक बिल्कुल बदल चुका था। दुबला पतला हो गया था वह, आंखों में गड्ढे हो गए थे और उसका रंग भी दब गया था।

अपने शयनकक्ष में उसके साथ बैठकर वह उसकी बातें सुनता रहा था। माइक ने गत छ: वर्षों तक का हाल कह सुनाया।

अपने विवाह के एक वर्ष पश्चात उन्हें एक बच्ची हुई थी। बच्ची का अच्छी प्रकार पालने पोषण करने के लिए मैरी ने अपनी नौकरी छोड़ दी थी। बच्ची का नाम उन्होंने क्रिस्सी रखा था। दोनों ही उसे बहुत प्यार करते थे। मैरी के नौकरी छूटने के कारण और घर में एक बच्ची के आ जाने के कारण उन पर आर्थिक बोझ कुछ बढ़ गया था। फौज की तनख्वाह से काम चलना कठिन हो रहा था।

बच्ची को मानसिक रोग था। माइक ने बताया था, वह लिख पढ़ नहीं सकेगी बस बड़ी कठिनाई से बातचीत कर सकती थी। कहकर माइक ऊपर छत की ओर खाली खाली नजरों से देखने लगा।

'तो?' दुखी आर्ट बोला था।

'मैरी की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई।' वह दु:ख भरे स्वर में बोला था।

'हे भगवान।' आर्ट सहसा दुख से चिल्ला उठा था, 'तुमने हमें क्यों नहीं समाचार भेजा, माइक।'

'कौन क्या कर सकता था...अब मैरी की अनुपस्थिति में क्रिस्सी को संभालना मेरी जिम्मेदारी है। मैंने उसे एक जगह रख रखा है और वह जगह मेरे बैरक से नजदीक है....प्रत्येक शनिवार को जाकर मिल लेता हूं। मेरा घर बर्बाद हो गया, आर्ट। बैरकों में रहा हूं मैं....क्रिस्सी जहां है वहां मुझे काफी पैसा भरना पड़ता है। अभी तक तो किसी तरह खींच खांचकर काम चला रहा था...।'

माइक की बात को आर्ट बीच में काटता हुआ बोला था कुछ पैसे चाहिए? संकोच मत करो। मैं तुम्हें कुछ पैसे दे सकता हूं। बताओ कितने पैसे चाहिए?'

माइक चुप रहा।

'बताओ, बताओ। चुप क्यों हो?' आर्ट चिल्लाया।

'मुझे जितने पैसे चाहिए शायद तुम न दे सको।'

'अरे कितने, बोलो तो?

'...पांच लाख रुपये।'

आर्ट की आंखें जैसे बाहर आने लगी। वह आश्चर्य से आंखें फाड़ता हुआ बोला, 'इतना पैसा।

इतने पैसों का क्या काम है?'

'क्रिस्स के इलाज के लिए चाहिए। मैंने डाक्टरों से बात कर रखी है। डाक्टरों का कहना है कि वह पन्द्रह वर्ष से अधिक नहीं जिएगी। मैं उसकी इतनी छोटी सी जिन्दगी सुख से भर देना चाहता हूं।'

'पर माइक इतना पैसा तो एक समय में मिलना असंभव सी बात है। तुम डाक्टर से यह क्यों नहीं कहते कि वह महीने महीने थोड़ा-थोड़ा करके पैसा ले ले।'

'वह ठीक है पर मैं भी इस संसार में चार छः महीने को मेहमान हूं।'

'क्या? यह क्या कह रहे हो तुम?' आर्ट अपने भाई की धंसी आंखों में आंखें डालकर घूरने लगा। आन्तरिक पीड़ा से सिहर उठा वह।

'मुझे कैंसर है।' कहकर माइक एक सांस में समाने रखा व्हिस्की भरा गिलास गड़क-गड़क उड़ा गया। आर्ट ने असह्य दुख के चलते अपनी आंखें भींच ली। उसे लगा उसके हृदय की गति रुक जाएगी।

दोनों के मध्य कुछ देर खामोशी छाई रही फिर माइक बोला था, 'पिछली दो वर्षों से मुझे पीड़ा उठा करती है। मैंने मैरी से उसके बारे में कुछ नहीं बताया। मैंने सोचा था कोई खतरनाक बात नहीं है। साधारण पीड़ा होगी। पर मैरी के देहांत के बाद पीड़ा और बढ़ती गई। मैंने डाक्टर को दिखाया उसने बताया कि मुझे कैंसर है और मैं छः महीने से अधिक जीवित नहीं रहूंगा एक दो महीनों में अस्पताल में भर्ती हो जाऊंगा कभी न वापस आने के लिए।'

'हे भगवान। क्या कह रहे हो तुम?' आर्ट असीम दुख से कराहा।

'खैर, ये सब छोड़ो। आओ अब व्यापार की बात करें।' कहकर माइक ने अपने भाई को घूरा। दुखी आर्ट आश्चर्यचकित हो उठा था।

माइक बोला, 'तुमने अपने व्यापार के विषय में मुझे बताया था। क्या तुम मुझे कोई ऐसा (काम) बता सकते हो जिसमें एक बार में पांच लाख रुपये हाथ लग जाएं। इसके अतिरिक्त इतना सारा पैसा कमाने का और कोई रास्ता भी नहीं। क्रिस्सी के लिए मैं कुछ भी कर सकता हूं। यहां तक कि हत्या भी। क्या तुम कर सकते हो मेरी सहायता?'

आर्ट ने जेब से रूमाल निकालकर अपने चेहरे का पसीना पोछा था।

'मेरे किसी काम में एक बार मैं इतना पैसा मिलना तो बहुत मुश्किल है। यदि कोई काम मिल भी गया तो कोई भी अपराधी तुम्हें इतना पैसा देने को तैयार नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास कोई अनुभव नहीं, तुम्हारा कोई पुलिस रिकार्ड नहीं।'

'यह सब छोड़ो। मेरे लिए कुछ करो। कोई भी काम हो मैं करने को तैयार हूं...तुम अपने ग्राहक अपराधियों से झूठ बोल देना मेरे बारे में जब तक तुम इस विषय में कुछ कर लो, मैं यहीं रहूंगा, तुम्हारे इसी शहर में। मैं मिरडोर होटल में ठहरा हुआ हूं।' कहकर माइक खड़ा हो गया था, 'अच्छा तो मैं चलता हूं। एक बार फिर याद दिलाए देता हूं। पांच लाख, समझे।'

'ठीक है। देखो, भरसक कोशिश करूंगा।'

माइक ने उसे घूरा, मैं तुम पर भरोसा कर रहा हूं, मेरे भाई।' कहकर वह चला गया था।

आर्ट ने बहुत चेष्टा की थी पर कोई भी ग्राहक इतने अनाड़ी की कोई काम सौंपना को तैयार न हुआ था।... और आज वह दृढ़ निश्चय कर बैठा था कि वह आज अपने दुखी भाई के लिए कुछ न कुछ अवश्य करेगा। वह अपना घर मकान बेचकर भी माइक को पैसा दे सकता था पर बेथ। उसने अकेले में बेथ को समझाया भी था पर किसी पशु के समान उस पर कोई प्रभाव न पड़ा था।

एक सप्ताह बीत चुका था और आर्ट अपने भाई के लिए अब तक कुछ न कर पाया था और इस बात को लेकर वह बुरी तरह चिन्तित था।

बेथ ने उसके कार्यालय में प्रवेश किया और आर्ट के विचारों का ताना बाना टूट गया। इतने में मेज पर रखे टेलीफोन की घंटी घनघना उठी। दोनों एक साथ फोन पर झपट पड़े, 'हैलो, हैलो।' आर्ट उत्सुकता से बोला।

'हैलो, मैं एड हडन बोल रहा हूं।'

नाम सुनकर आर्ट सीधे हुए बिना न रह सका। हडन उसका बहुत प्रतिष्ठित और सबसे माननीय ग्राहक था जो उसे लाखों रुपये कमवा चुका था।

'क्या आज्ञा है, श्रीमान।' वह उत्सुकता पर नियंत्रण करता हुआ बोला।

'मुझे ....एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है जिसका निशाना अच्छा हो और वह रोल्स रायस गाड़ी चलाना जानता हो, और हां, देखने-दिखाने में जवान और हृष्ट-पुष्ट हो।'

आर्ट की उत्सुकता असीम प्रसन्नता में बदल गई, वह बोला, 'कोई बात नहीं, मिस्टर हडन। मेरे पास ऐसा आदमी है। काम क्या है?'

'बड़ा काम है छः लाख रुपये तक दे दूंगा।' हडन ने अपनी बात पूरी की।

'बिल्कुल ठीक, मिस्टर हडन।' वह चिल्लाया।

'कौन है तुम्हारा आदमी?'

'मेरा भाई। पक्का निशाना है, उसका। उसको पैसों की सख्त आवश्यकता है...आप उस पर भरोसा कर सकते हैं।'

'पुलिस रिकार्ड क्या है उसका?'

'कुछ भी नहीं, मिस्टर हडन। वह फौज में सार्जेंट है। पक्का निशाना है उसका। देखने में सुन्दर भी है वो और हृष्ट-पुष्ट भी। मैं उसकी जमानत लेने को तैयार हूं।'

'ठीक है, ठीक है। उससे कहो मियामी के सी व्यू होटल में श्री कोर्नेलियस वान्स से मिल ले रविवार तेईस तारीख को दस बजे।

'बन्दूक या पिस्तौल वगैरह का प्रबन्ध?'

'वान्स उसे दे देगा और हां बैनियोन, किसी की हत्या नहीं करनी है पर आदमी का निशाना पक्का होना चाहिए।'

‘पैसा कब मिलेगा मिस्टर हडन।’

‘जब काम पूरा हो जाएगा। इसमें कई महीने लग जाएंगे, बड़ा काम है। सोच लो, मुझे और आदमी मिल सकता है।’ कहकर हडन ने फोन बंद कर दिया।

‘तुम्हारा दिमाग तो नहीं चल गया। पचासों निशानेबाज तुम्हारे पास है। इस मूर्ख सिपाही को तुमने क्यों ठूंस दिया बीच में?’ उसकी पत्नी फोन बंद होने के बाद भड़क उठी।

आर्ट ने उसे घूरा।

‘चुप रह। तुमसे क्या मतलब। वह मेरा भाई है मैं उसके काम नहीं आऊंगा तो क्या तू आएगी।’ आर्ट क्रोधित स्वर में चिल्लाया।

बेथ को बुदबुदाता छोड़कर सुनी-अनसुनी करता हुआ वह मिरोडर होटल का नम्बर लगाने लगा। फोन मिल जाने पर उसने कहा कि वह मिस्टर माइक बैनियोन से बात करतना चाहता है। थोड़ी ही देर में फोन पर उसके भाई का स्वर उभरा।

आर्ट ने उसे सारी बात कह समझाई तो माइक बोला, ‘मैं जानता था कि तुम मेरी सहायता अवश्य करोगे। विश्वास रखो, मैं तुम्हारे नाम पर धब्बा नहीं लगने दूंगा। पर पर इस समय मुझे कुछ पैसो की आवश्यकता है।’

‘ठीक है, मैं तुम्हारे होटल तीस हजार रुपये भिजवाए देता हूं....पर हां ‘काम’ जरा ठीक से करना।’ आर्ट बोला।

फोन पर क्षण भर खामोशी छाई रही। फिर आर्ट ही बोला, ‘हां, उस काम में सबसे अच्छी बात यह है कि हत्या वत्या नहीं होनी है।’

‘तुम्हारे ग्राहक ने ऐसा कहा था क्या?’

‘हां।’

‘ठीक है। हां, बहुत बहुत धन्यवाद। मुझ पर भरोसा रखो।’

आर्ट बहुत प्रसन्न था।

2

अनिता सर्टिस स्पैनिश बे होटल के इस भव्य, सुन्दर और सबसे महंगे सुईट के दूसरे शौचालय में घुसी।

इस भव्य और सबसे महंगे सुईट में बिल्वर वारेन्टर ठहरा हुआ था जो पेट्रोल के खरबपति व्यापारी सिलास वारेन्टन का पुत्र था और टैक्सास का रहने वाला था। उसका विवाह मारिया गोमी से हुआ था जिसके पिता दक्षिणी अमरीकी थे और चांदी की पचासों खानों के मालिक थे। विल्बर ने हनीमून मनाने के लिए पैराडाइज सिटी का चयन किया था और मारिया भी इस पर राजी हो गई थी।

उन्तीस वर्ष की आयु पर पहुंचकर भी उसने अपने पिता की तेल कम्पनी का काम अभी तक नहीं संभाला था। उसने कुछ वर्ष पहले हारवर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में एम.ए. किया था और एक वर्ष तक फौज में मेजर भी रहा था। अपने बाप के पानी के जहाजों पर दुनिया भर का भ्रमण कर चुका था। मारिया से प्रेम हुआ और विवाह कर डाला। इस हनीमून के बाद उसे अपने पिता की कम्पनी टेक्सास आयल कम्पनी का उपाध्यक्ष बनना था।

उसके पिता सिलाल वारेन्टन एक शुष्क और सिद्धांतों के पक्के व्यक्ति थे पर अपने पुत्र को टूटकर चाहते थे। विल्बर के जन्म के कुछ ही वर्षों पश्चात उनकी पत्नी का देहांत हो गया था। इसलिए सिलास ने उसे मां और बाप दोनों का प्यार दिया था। जब विल्बर ने उन्हें मारिया से मिलवाया और बताया कि वह उससे विवाह करना चाहता है तो वह चिन्तित हो उठे थे। पहले तो लड़की का सांवला रंग, उसका सेक्सी शरीर और उसका कठोर चेहरा देखकर वह संदिग्ध हुए पर उसके पिता के खरबों रुपये की सोचकर उन्होंने ये सारी बातें अपने मस्तिष्क से निकाल दीं और विवाह के लिए उन्होंने अपनी रजामंदी दे दी। लड़की सेक्सी थी और उन्होंने सोचा कि कोई विशेष समस्या होगी तो विल्बर को उससे तलाक दिलवा दिया जाएगा। उन्होंने उसकी पीठ ठोककर कहा था, 'सदा सुखी रहो बेटी, मुझे तुमसे बस एक ही चीज चाहिए, निराश मत करना।'

मारिया ने प्रश्नसूचक दृष्टि से उन्हें घूरा था।

'पोते और पोतियां।' कहकर वह हंसे थे और वह लजा गई थी। सर झुका लिया था उसने। पर बाद में उसने विल्बर से कहा था कि उसे बच्चा-वच्चा पैदा करना पसंद नहीं। वह जवानी का भरपूर आनन्द उठाना चाहती है न कि पारिवारिक बोझ। उसके हृदय में विल्बर वारेन्टन के लिए कोई विशेष श्रद्धा न थी क्योंकि वह जानती थी कि वह कोई अच्छा व्यक्ति नहीं।

* * *

अनिता सर्टिस स्पैनिश बे होटल में आई थी। वह क्यूबा की रहने वाली काले रंग की बड़े बड़े बालों वाली तेईस वर्षीय लड़की थी। वह होटल में पिछले बारह महीनों से कार्यरत थी और उसका काम शौचालयों को साफ रखना, बिस्तर की चादरों को नित्य बदलना और कमरों की सफाई करना था।

विल्बर का बाथरूम साफ करने के बाद वह मारिया के बाथरूम में पहुंची थी और वहां का दृश्य

देखकर उसे बहुत क्रोध आया था। इस गंदे शौचालय को देखकर उसने मन ही मन मारिया को कोसा अमीर फूहड़ कहीं की।

जमीन पर कई एक भीगे तौलिये पड़े थे। दर्पण को पास पाउडर, साबुन, शैम्पो आदि इधर-उधर बिखरा पड़ा था। अन्य भी गंदगियां थीं।

यदि वह इस फूहड़ औरत से भी अधिक धनी होती तब भी वह शौचालय को ऐसा न छोड़ती। उसने मन ही मन सोचा।

झाड़ पोंछ करते करते अकस्मात ही अपने पति पेड्रो की याद आ गई। उनका विवाह दो वर्ष पूर्व हुआ था। हवाना में उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी न थी इसलिए पेड्रो के कहने पर वह फ्लोरिडा आ गई थी और उसका भाग्य अच्छा था कि इतने बड़े होटल में उसे यह नौकरी मिल गई थी पर पेड्रो अभी तक बेरोजगार था। हां, कभी-कभार सड़क साफ करने का कोई काम मिल जाता और वह कर लेता।

पर उसके लिए पेड्रो संसार का सबसे आकर्षक और सुन्दर युवक था। वह उससे हद से ज्यादा प्यार करती थी और इस काले, पतले दुबले और शुष्क स्वभाव के आदमी पर जो कुछ कमाती थी सब लुटा देती थी। समुद्र तट पर स्थित पैराडाइज सिटी के सीथाम्ब मुहल्ले में वे दोनों एक कमरे की खोली में रह रहे थे। पेड्रो आलसी था और अस्थाई प्रकृति का व्यक्ति था। वह अब अपने पिता के गन्ने के खेत को संभालने के लिए घर लौट जाना चाहता था....यद्यपि एक वर्ष पूर्व उसने सख्ती से निर्णय लिया था कि वह वापस घर कभी नहीं जाएगा। उसकी इन बातों को सुनकर अनिता उसे चूम लेती और धीरज रखने को कहती और समझाती कि बस अच्छे दिन आने ही वाले हैं, 'आखिर खेत खलिहान का काम भी कोई काम है। मैं परिश्रम करके तुम्हें खिलाऊंगी।' वह कहती और प्रतिउत्तर में पेड्रो मुस्करा देता और मन ही मन स्वयं को समझाता, 'अच्छा तो, अच्दे दिन की प्रतीक्ष करेंगे।'

वह यहां काम में जूझी थी और उधर पेड्रो सीकाम्ब के गंदे क्षेत्र के घिनौने शराबखाने में बैठा मस्ती मार रहा था। उसके साथ रोबर्टो फुन्टेस भी था। दोनों बीयर के मजे उड़ा रहे थे।

फुन्टेस भी क्यूबा का रहने वाला था और सीथाम्ब मुहल्ले में तीन वर्षों तक रह चुका था पर अब वह वाटरफ्रंट क्षेत्र में चला गया था। वह पानी के जहाजों की सफाई आदि का काम करता था।

उसे पेड्रो से बड़ा लगाव था और वह घण्टों बैठा पेड्रो की विपदाएं सुनता रहता। इस शाम फुन्टेस उसे बता रहा था कि वह उसे एक काम दिलवा देगा जिसमें उसे कुछ रुपये तक मिल जाएंगे। फुन्टेस ने बताया था कि काम थोड़ा मुश्किल है। यदि वह पैसा कमाना चाहता है तो वह यह काम दिलवाकर तीस हजार रुपया हाथ लगने की आशा थी। वह बोला, 'पेड्रो, कोई दस हजार रुपये मिल जाएंगे तुम्हें ?'

'दस हजार ?' पेड्रो चौंककर अपना गिलास मेज पर रखता हुआ बोला था।

यदि तुम तैयार हो तो मैं काम दिलवा सकता हूं।'

'क्या काम है ?' वह खुशी से बोला।

'तुम तो जानते ही हो...मेरा मकान कोरल स्ट्रीट पर है।'

'हां-हां, जानता हूं। आगे कहो।'

‘उस ब्लाक में सत्तर किरायेदार हैं। प्रत्येक किरायेदार छः सौ हफ्ता किराया देता है। कुल मिलाकर बयालीस हजार रुपये हुए, है ना?’

‘हां, तो?’

‘हम और तुम मिलकर यह पैसा हथिया सकते हैं। तुम्हारे लिए यह इतना आसान काम है जितना अपनी पत्नी के साथ रात गुजारना।’

‘कैसे?’ पेड्रो की उत्सुकता बढ़ रह थी।

‘उसी ब्लाक में ऐब लेबी नाम आदमी रहता है, जो सारे घरों का काम करता है। किराये के सारे रुपये घर-घर जाकर वह ही इकट्ठा करता है प्रत्येक शुक्रवार को और दूसरे दिन सुबह अर्थात् शनिवार को ले जाकर यह पैसा दफ्तर में जमा कर देता है। वर्षो से वह यह काम कर रहा है। मैं उसे बहुत अच्छी तरह से जानता हूं बहुत डरपोक व्यक्ति है। यदि उसे केवल एक चाकू या पिस्तौल दिखा दो तो उसकी हवा खराब हो जाएगी और बस तुम्हें यह करना है कि अपने घर जाकर जब वह बूढ़ा हिसाब मिला रहा हो तभी उसे पिस्तौल दिखा दो। वह बेहोश होकर गिर पड़ेगा और बयालीस हजार रुपये हमारे। विश्वास करो बहुत आसान काम है यह।’

‘गुड, मैं तैयार हूं। तो कल?’

‘हां।’ कहकर फुन्टेस मुस्काराया बोला, ‘पर तुम्हें अकेले ही उस बूढ़े से निपटना होगा, यदि मैं बीच में आया तो मुझे पहचान लेगा। तुम्हें तो पहचानता नहीं वह इसलिए समझे?’

‘तो क्या इस काम में तुम बिल्कुल अलग-अलग रहोगे?’ पेड्रो की आंखों की चमक अचानक गुम हो गई।

‘नहीं पेड्रो, समझने की कोशिश करो। मैं तुम्हारे साथ ही रहूंगा पर उस बूढ़े के सामने मेरा जाना तो मूर्खता होगी न।’

‘ठीक है...पर इसमें मेरा हिस्सा बीस हजार का होगा।’

फुन्टेस बुझ सा गया।

‘चूंकि हम दोनों मित्र हैं इसलिए मैंने सोचा तुम्हीं से यह काम क्यों न करवा लूं। तुम्हारा भी फायदा हो जाएगा। जानते हो इस काम के लिए यदि मैं कोई किराये का आदमी लाऊं तो तीन चार हजार ही में काम हो जाएगा।’

‘चलो ठीक है- पन्द्रह हजार, नहीं, तो तुम किसी और से बात कर लो।’

‘अच्छा चलो पन्द्रह हजार तय रहा।’ फुन्टेस बोला। जब अनिता काम से वापस अपने कमरे में पहुंची तो उसने पेड्रो को होंठों के बीच सिगरेट दबाए बिस्तर पर लेटे मुस्कराते पाया।

अनिता की अब आठ बजे तक छुट्टी थी जब उसे फिर होटल ड्यूटी करने वापस जाना था। इस समय शाम के कोई पाचं बजे का समय था और वह स्वयं को बहुत थका हुआ महसूस कर रही थी पर पेड्रो को खुश देखकर उसकी सारी थकान रफूचक्कर हो गई।

‘कोई काम-वाम मिल गया क्या?’

‘हम लोग शनिवार को हवाना वापस जा रहे हैं।’ पेड्रो बोला, ’मेरे पास किराए के लिए पैसे हैं और घर पहुंचकर पिताजी को देने के लिए भी।’

अनिता उसे अपलक घूर रही थी।

‘पर, यह कैसे संभव है।’ वह बोली।

‘है।’ कहकर पेड्रो ने तकिए के नीचे रखा पिस्तौल निकाला और उसे दिखाने लगा जो उसे फुन्टेस ने दी थी। ‘इसकी सहायता से सब कुछ संभव है।’ वह चहका।

अनिता घबराहट में बिस्तर पर बैठ गई। घबराहट के मारे उसे चक्कर आने लगा। उसे समझने में देर न लगी किसी ने पेड्रो को चढ़ाया है और वह इससे अवश्य ही कोई अपराध करवा कर अपना उल्लू सीधा करना चाहता है।

‘नहीं पेड्रो, मेरे पेड्रो, यह सब ठीक नहीं। वह विवशता से गिड़गिड़ाई।

‘बहुत हो चुका।’ उसके पतले दुबले चेहरे पर क्रूरता खेलने लगी, वह गुर्राया, ‘मुझे घर लौटने के लिए किसी भी तरह पैसा चाहिए। फुन्टेस और मेरे बीच बात हो चुकी है। जरा सा भी खतरा नहीं हैं। शनिवार को चल रहे हैं हम लोग। यदि तुम यहां पड़ी सड़ना चाहती हो तो पड़ो। मैं पन्द्रह हजार रुपये लेकर घर चला जाऊंगा। समझी ?’

‘ऐसे कामों में सदैव खतरा होता है, अवश्य होता है।’ अनिता का स्वर कांप रहा था।

‘मैं कुछ नहीं सुनना चाहता। एक बार कह दिया ना शनिवार, बस।’ वह बोला।

स्पैनिश होटल में मुख्य रसोइये से अनिता की काफी पटती थी। वह उसे अपनी सुडौल जांघों पर हाथ-वात फिरा लेने देती और बदले में रसोई उसे खाने पीने की स्वादिष्ट चीजें दे देता। इस समय भी वह अपने साथ भुना मुर्गा और कुछ सैंडविच लेकर आई थी। लिफाफा खोलकर उसने बड़े प्यार से पेड्रो की ओर बढ़ाया। पेड्रो लिफाफे पर झपटकर खाने में ऐसे जुट गया मानों वर्षों से भूखा हो।

‘तो क्या कोई डकैती डालने का इरादा है ?’ उसने आंखें नचाते हुए पूछा।

‘बस बहुत हो गया, अब चुपकर, चल यहां से खाना वाना बना। वह मुंह में कौर ठूंसते हुए बोला।

* * *

जासूस प्रथम श्रेणी टाम लेप्सकी को शुक्रवार को दिन बहुत भाता था। यदि कोई आपातकालीन स्थिति हो तो और बात है, वैसे सामान्यत: पैराडाइज सिटी में आपातकाल कम ही आता था, वरना वह प्रत्येक शुक्रवार को अधिकतर छुट्टी चला आया करता था। यह और बात थी कि छुट्टी के उस दिन भी कैरोल, उसकी पत्नी, उसे पकड़ लिया करती थी और वह उसके संग घरेलू कामों में उसकी सहायता किया करता पर पुलिस के दफ्तर में तो शुक्रवार को जैसे उसका मन ही न लगता। अपराधी और अपराध में सर खपाने से बढ़िया तो कैरल के संग घर में ही पड़ा रहना है, वह सोचता।

उसने घड़ी पर दृष्टि डाली। और दस मिनट और उसके बाद वह चल देगा। कैरोल ने उसे बताया था कि आज डिनर का बढ़िया बंदोबस्त है- मुर्गा वगैरह। और, मुर्गा तो जैसे लेप्सकी की कमजोरी थी।

जासूस निरीक्षक द्वितीय श्रेणी मैक्स जैकोबी किसी कार की चोरी की रिपोर्ट टाइप कर रहा था। लेप्सकी और उसकी काफी छनती थी।

'बेटे....आज मुर्गा उड़ाना है, और हैमापई, अहा।' लेप्सकी जोर से बोला और चटखाने लेने लगा।

जैकोबी की टाइप पर फिसलती उंगलियां थम गयी। कमरे में टाइप की 'पट-पट' का शोर एकाएक ही लुप्त हो गया।

'उड़ा लो मौज, कैरोल जैसी पत्नी मिली है। एक मैं हूं साला बदकिस्मत, होटल के सड़े खाने पर दिन काट रहा हूं।' जैकोबी उसकी ओर सिर घुमाता हुआ बोला।

लेप्सकी मजाक के मूड में होते हुए भी यह बात सुनकर थोड़ा गंभीर हो गया, जैकोबी पर उसे दया आ रही थी।

'तुम शादी क्यूं नहीं कर लेते मैक्स? ऐसा कब तक चलेगा?'

'ठीक कहते हो, दोस्त।' जैकोबी एक लम्बी सांस छोड़ता हुआ बोला और टाइप करने में लग गया।

लेप्सकी की मेज पर रखा टेलीफोन बज उठा, 'हैलो।' वह चौंगा उठाता हुआ बोला।

'जासूस लेप्सकी साहब। आखिर क्या चाहते है आप?'

'ओह, तुम हो, हनी।' अपनी पत्नी का स्वर पहचानकर वह चैन की सांस लेता हुआ बोला।

'कब आ रहे हो?'

'लगभग बीस मिनट में और हां, भोजन पानी का इंतजाम कैसा चल रहा है?'

कैरोल उसकी बात को अनसुनी करते हुए बोली, 'सुनो, अभी थोड़ी देर पहले यहां मैविस आई थी। अपने पति के बारे में बता रही थी। वाकई मैं तो चुपचाप केवल उसकी बातें सुन रही थी।'

'चलो, घर आने पर बातें होंगी। हां, भोजन पानी का हिसाब किताब कैसा चल रहा है?' वह फोन पर चटखारे लेता हुआ बोला।

कुछ देर खमोश रही।

'थोड़ी परेशानी हो गई है ...यानि मैं मैविस का किस्सा सुनने में लगी थी और उधर मुर्गा थोड़ा जल गया।...वाह रे संसार, कैसे-कैसे लोग हैं। वह बेचारी...।' कैरोल अपनी बात अभी पूरी भी नहीं कर पाई थी कि लेप्सकी बीच ही में झपट पड़ा, 'और तुम भूल गयी कि रसोई में मुर्गा चढ़ाकर आई हो।'

'कैसे बातें करते हो, जी। मैं क्या कह रही हूं और तुम हो कि मुर्गा मुर्गी चिल्लाये जा रहे हो।

लेप्सकी ने अपनी मेज पर पड़ी पेंसिल को गुस्से में दो टुकड़ों में बांट दिया। पेंसिल टूटने का स्वर सुनकर जैकोबी टाइपिंग बंद कर मुड़कर लेप्सकी की ओर देखने लगा।

'सारा मूड चौपट कर दिया तुमने।' यह फोन पर गरजा।

'सुनिए रईसजादे साहब, वापसी पर होटल से खाना पैक करवाकर लेते आइएगा। यहां खाने को कुछ भी नहीं है वरना फिर रात भर दोनों की भूखे मरेंगे।' कहकर कैरोल ने फोन बंद कर दिया।

लेप्सकी ने क्रोध में चौंगा फोन पर पटक दिया और जैकोबी को खा जाने वाली दृष्टि से घूरा। जैकोबी झट पलटकर फिर से टाइपिंग करने लगा। लेप्सकी कुर्सी धकेलते हुआ उठा और पैर पटकता हुआ कमरे से बाहर निकल गया।

अभी वह हस्ताक्षर करने के लिए चार्ज रूम में घुसने ही वाला था कि सार्जेन्ट जो बिगलर ने उसे बाहर ही टोक दिया।

मोटा गोलगप्पे जैसा बिगलर पुलिस चीफ फ्रेड टेरेल की अनुपस्थिति में पुलिस मुख्यालय का इंचार्ज होता था।

'तुम्हारे लिए एक काम है, टॉम।' वह बोला।

लेप्सकी ने उसे कड़ी नजरों से घूरा, 'मेरी ड्यूटी पूरी हो गई है चल रहा हूं।'

'मैंने पहले सोचा था कि यह काम मैक्स से सुपुर्द कर दूं पर, टॉम....समझने की कोशिश करो।'

'हां, मैक्स को दे दीजिए। मुझे भोजन खरीदकर घर पहुंचना है। कैरोल ने मुर्गा जला दिया है और साथ में हैमपाई भी।'

'यदि यह काम मैंने मैक्स को दे दिया तो बाद में तुम्हीं मुझ पर गुस्सा खाओगे।'

'ऐसे भी कौन-सा काम है।' लेप्सकी दिलचस्पी लेता हुआ बोला।

'जी-स्ट्रिंग क्लब से एक शिकायत आई है। कोई श्रीमती अब्राह्मस गत रात अपने पति के संग वहां गई थी। उनका कहना है कि वहां की कर्मचारी युवतियां कल एकदम नंगी फिर रही थीं।' बिगलर बोला।

लेप्सकी ने आंखें फाड़ी।

'क्या।'

'हां, बेहतर हो कि तुम हैरी से बात कर लो। अगर मेयर को पता चल गया तो वह क्षण भर में क्लब पर ताला डलवा देगा।'

'जो आप नहीं चाहते।'

'हां, बस चेतावनी देकर छोड़ दो।'

'तो, आप जरा मेरे घर फोन करके मेरी पत्नी से कह दीजिए कि उनका नौकर यानि की लेप्सकी एमरजेंसी पर भेज दिया गया है।'

'वह सब मैं संभाल लूंगा, तुम जाओ। शुभकामनाएं।' बिगलर प्रसन्न होता हुआ बोला।

जी स्ट्रिंग क्लब का मालिक, हैरी एटकिन पुलिस वालों का अच्छा दोस्त था। उसका क्लब सीकाम्ब वाली मुख्य सड़क पर आगे चलकर अन्दर की ओर एक शाखा सड़क पर स्थित था। क्लब में काफी भीड़-भाड़ रहती थी। अमीरों को जब मस्ती सूझती तो वे समुद्री खाना खाने वहां पहुंच जाते। वहां की कर्मचारी नव-युवतियां अपने शरीर पर केवल गुप्तांगों के पास एक पट्टी बांधें रहती और पुरा शरीर एकदम नंगा रहता। कभी-कभी खाली समय में नजारेबाजी करने लेप्सकी भी वहां पहुंच

जाता, हैरी के संग थोड़ी गपशप लड़ाता, क्लब की थोड़ी प्रशंसा करता, नंगी कर्मचारी युवतियों के शरीर घूरता और मुफ्त की शराब पीकर वहां से एक दो तीन हो लेता और इन सबके बारे में कैरोल से कभी कुछ नहीं कहता।

लगभग पौने आठ बजे वह क्लब पहुंच गया। अन्दर मुख्य हाल में सफाई चल रही थी यानि क्लब के शुरू होने में अभी समय था।

हैरी एटकिन नाटा, मोटे कद का लाल बालों वाला व्यक्ति मुख्य काउंटर के पास खड़ा सायं का समाचारपत्र पढ़ रहा था। उसने नजरें उठाई और लेप्सकी को देखकर उसके होंठों पर मुस्कान नाच गई।

'काफी दिनों बाद दर्शन हो रहे हैं, भई।'

'बस इधर काम ही कुछ इतना था।' कहकर लेप्सकी ने उससे हाथ मिलाया।

'आज यहां काफी रौनक होने वाली है।' कहकर हैरी लकड़ी की खुली अलमारियों में सजी एक बोतल निकालने लगा। वह जानता था लेप्सकी को पसन्द की कौन-सी शराब है। गिलास में व्हिस्की उड़ेलकर उसने बर्फ मिलायी और गिलास लेप्सकी की ओर बढ़ा दिया।

'हैरी।' लेप्सकी गिलास पकड़ता हुआ बोला, 'वही श्रीमती अब्राह्म वाली, है ना?'

'हां, सुना गया है कि आपकी ये बन्दरिया कल नंगी घूम रही थीं।'

'नहीं, ऐसी कोई बात नहीं, वह झूठ बोल रही है। मैं बताता हूं कि क्या हुआ। कल कुछ धनी लोग बहुत पीकर यहां आ गए और मिस्टर और मिसेज अब्राहम के बगल वाली मेज पर बैठ गए। लू-लू फिश सूप सर्व कर रही थी।'

लेप्सकी को याद आया कि क्लब की सारी हसीनाओं में से लू-लू सबसे अधिक कातिल थी।

'उन पियक्कड़ों में से एक ने लू-लू की एलास्टिक वाली पट्टी खींच दी जो दुर्भाग्यवश उस मोटी के सूप में जा गिर पड़ी।' कहकर हैरी ने कहकहा छोड़ा फिर बोला, 'लू-लू अपने गुप्तांग पर हाथ रखकर वहां से भागी। बूढ़ी चिढ़ गई। बाकी जो लोग भी बैठे थे सभी इस दृश्य का आनन्द लेते रहे थे।'

लेप्सकी भी हंस रहा था।

'कोई बात नहीं, हैरी। मैं रिपोर्ट ठीक कर दूंगा।'

'हां, टॉम। मेरी लड़कियां कोई वेश्या नहीं हैं। तुम केस को संभाल लेना वरना काफी बदनामी होगी।....डिनर करोगे?' हैरी बोला।

लेप्सकी ने उसने अपने मुर्गे के जलने का पूरा किस्सा कह सुनाया। सुनकर हैरी बोला, 'अरे, यह भी कोई इतनी चिन्ता की बात हैं। मैं मुर्गा और शराब वगैरह पैक कराए देता हूं। बस पन्द्रह मिनट प्रतीक्षा करनी होगी।'

कहकर हैरी चला गया। लेप्सकी हाथ बढ़ाकर 'कटी सार्क' शराब की बोतल उठाने लगा कि एक हसीन हाथ उसकी सहायता के लिए बढ़ आया।

’हैलो, मारियान हूं।’ लेप्सकी की घूरती आंखों को देखकर मुस्कराती हुई बोली वह। लेप्सकी ने कुछ कहने के लिए मुंह खोला पर कुछ कह न पाया।

‘मैं आपको जानती हूं। शहर के सबसे सुन्दर पुलिस अधिकारी हैं आप।’ वह बड़ी अदा से बोली।

* * *

जी स्ट्रिंग क्लब वाली पतली सड़क पर क्लब के ठीक सामने दो-दो कमरों के कई फ्लैट थे जिनमें श्रमिक लोग रहते थे। ऐब लेवी को शुक्रवारों से बड़ी उकताहट होती थी। यह घर जाकर पैसा इकट्ठा करने वाले बोरिंग काम से बुरी तरह उकता चुका था। यद्यपि स्वभाव से वह काफी ढीला-ढीला व्यक्ति था पर किराया इकट्ठा करने में उसे कड़ाई से काम लेने पड़ता था और यह बात उसे बिल्कुल भी नहीं भाती थी। मकान मालिक की ओर से सख्त निर्देश थे कि ‘उधार’ न लगाया जाए। मकान मालिक कितना बदमाश व्यक्ति था वह खूब जानता था और न जमा करने की सूरत में वह अपना परिणाम भली भांति जानता था।

घर-घर घण्टों में घूमकर वह किराया इकट्ठा कर चुका था। इस समय आठ बज रहे थे और वह काफी थक चुका था इसलिए वह जल्दी घर पहुंचना चाह रहा था।

भूरे बालों वाले इस मोटे यहूदी लेवी ने जीवन में खड़ा संघर्ष किया था। जब वह छोटा था तो अपने पिता के साथ फुटपाथों पर फल बेचा करता था। बाद में उसने एक लड़की से विवाह कर लिया था जो कपड़े की एक मिल में काम करती थी। अपने माता-पिता की मृत्यु के बाद लेवी ने फल बेचना छोड़ किराया इकट्ठा करने का यह काम शुरू कर दिया था। यह काम दिलाने में उसके एक मित्र ने उसकी बहुत सहायता की थी। फल बेचने से तो अधिक ही प्रतिष्ठित और लाभप्रद काम था यह। दो वर्ष पहले उसकी पत्नी का देहांत हो गया था। बच्चा भी कोई नहीं था उसका। रात गए काफी देर तक वह टेलीविजन देखकर अपना मन बहलाता रहता और सप्ताह में एक बार वह यहूदी क्लब जाता जहां उसका खूब स्वागत होता।

लिफ्ट में घुसते समय अकस्मात् ही उसे अपनी पत्नी हनाह की याद आ गई। वह जब भी रात में थका-हारा घर पहुंचता, हनाह उसके लिए गरमा-गरम भोजन बनाए बैठी रहती।

पैसों से भरा थैला लिए वह लिफ्ट से उतरकर अंधेरे गलियों से होता हुआ फ्लैट के दरवाजे की ओर बढ़ने लगा। गलियारे के दो बल्ब फ्यूज हो गए थे। उसने सोचा खाना खाने से पहले क्यों न नए बल्ब ला दिए जाएं।

दरवाजे पर पहुंचकर उसने जेब में टटोलकर चाबी निकाली, ताला खोला और बैठक में प्रवेश कर गया। अनुमान से स्विच पर हाथ रखकर उसने स्विच ऑन किया पर कमरा वैसे का वैसा ही अंधेरा रहा। उसने मन ही मन स्वयं और बिजली को कोसा। शायद फ्यूज उड़ गया था, उसने सोचा और उसका मन कोफ्त से भर गया कि अब उसे नीचे तक फिर जाना पड़ेगा।

लेकिन वह काफी होशियार व्यक्ति था ऐसी आपातकाल स्थितियों के लिए उसने गैस लालटेन रख रखा था जो इसी कमरे में मेज पर रखी थी। उसने गैस उठाने के लिए जैसे ही हाथ बढ़ाया उसे किसी ने जोरदार धक्का दिया। वह स्वयं पर नियंत्रण न रख पाया और जाकर धम्म से टी.वी. के पास गिर

गया पर गिरने के बावजूद भी वह पैसों का थैला कसकर पकड़े हुए था।

धड़कते हुए हृदय और तेज-तेज चल रही सांसों पर नियंत्रण रखते हुए पेड्रो साइटरस इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहा था। उसने बड़ी चालाकी से फ्लैट और गलियारे का फ्यूज उड़ा दिया था।

कुछ भी हो पेड्रो को विश्वास था कि सब कुछ ठीक ठीक हो जाएगा क्योंकि फुन्टेस ने उससे बताया था कि वह बूढ़ा एकदम बुजदिल है। पेड्रो अपने संग फुन्टेस वाली पिस्तौल ही नहीं लाया था बल्कि एक बड़ी टार्च भी लाया था।

'चुपचाप वहीं पड़ा रह बुड्ढे।' वह गुर्राया और टार्च जला दिया उसने ताकि उसके हाथ में चमकती पिस्तौल लेवी को दिखाई दे जाए जो जमीन से उठने की कोशिश कर रहा था- 'थैला मेरी ओर फेंक दो, जल्दी करो।' वह फिर गुर्राया।

यद्यपि पेड्रो वर्षों से किराया इकट्ठा करने को कार्य कर रहा था पर उसके जीवन में यह पहला अवसर था जब कोई लुटेरा उसे पिस्तौल दिखाकर पैसा छीनना चाह रहा था। एक सिपाही ने उससे एक बार कहा भी था कि कभी ऐसी दुर्घटना हो सकती है इसलिए वह मकान मालिक से कहकर एक पिस्तौल ले ले। सिपाही ने यह भी आश्वासन दिया था कि वह उसे लाइसेंस दिलाने में उसकी सहायता कर देगा। एबे जानता था कि पैसा छिन जाने की स्थिति में वह केवल इस नौकरी से हाथ धो बैठेगा। बल्कि इस मकान से भी हाथ में धो बैठेगा। मकान मालिक ने उसे कड़ी चेतावनी दे रखी थी। इसलिए उसने चुपके से मकान मालिक से अनुरोध कर पिस्तौल खरीद ली थी और उसे सदैव ही भरी रखता था हालांकि उसने उसमें से अभी तक एक गोली ही नहीं चलाई थी। दरअसल इसकी आवश्यकता ही कभी नहीं पड़ी थी। सिपाही ने उस पिस्तौल को चलाना भी उसे सिखा दिया था।

'जल्दी कर....सुना नहीं तूने।' पेड्रो फिर चिल्लाया अब वह टार्च बुझा चुका था। लेवी उठकर बैठता हुआ बोला, 'यह लो' और उसने थैला पेड्रो की ओर फेंक दिया। पेड्रो ने फिर से टार्च चला दी।

पेड्रो की खुशी का ठिकाना न रहा। वह स्वयं को हवाना जाने वाले हवाई जहाज पर बैठे होने का स्वप्न देखने लगा। उसे देखकर उसका पिता कितना प्रसन्न होगा। फुन्टेस और उसके बीच यह तय हुआ था कि जैसे ही थैली हाथ लग जाएगा वह भागकर नीचे फुन्टेस के कमरे में आ जायेगा। पैसों का थैला देखकर उसकी नीयत बदलने लगी। वह सोचने लगा कि उसके भागने के बाद बुड्ढा शोर मचायेगा, पुलिस उसे गली गली ढूंढेगी और बुड्ढा उसे पहचान भी गया है इसलिए बेहतर हो कि वह बुड्ढे को सदैव के लिए खत्म कर दे और पैसा लेकर फुन्टेस के पास जाने के बजाय स्वयं सारा पैसा हड़प कर जाये, आखिर फुन्टेस उसका कर भी क्या सकता है।

अभी पेड्रो इन्हीं विचारों में गुम खड़ा वह थैला उठाने के लिए झुका जिसके कारण लेवी पर से उसकी दृष्टि हट गई और इतनी देर में लेवी ने जेब से पिस्तौल निकाल लिया। बिजली की सी तेजी से उसने पिस्तौल का सेफ्टी कैच पीछे किया और कांपते हाथों से घोड़ा दबा दिया। कमरे में एक धमाका गूंजा, पेड्रो चौंके बिना न रह सका। उसका गाल रक्त से लथपथ हो गया। आक्रोश में अपने कांपते हाथों से उसने भी पिस्तौल का घोड़ा दबा दिया। 'धमाका' और गोली बूढ़े लेवी के माथे में छेद करती हुई अंदर चली गई और उसका मोटा शरीर लुढ़ककर शिथिल पड़ गया।

पेड्रो अपनी सांस रोके वहां सहमा सहमा सा खड़ा रहा।

अपने हाथों हत्या हो जाने के विचारमात्र से ही वह बर्फ के समान ठंडा पड़ गया। जेल की कोठरी और सलाखें आजीवन कारवास इस विचार से ही, वह कांप गया अनिता, उसके माता पिता, दोस्त, संबंधी कोई नहीं होगा उसके आसपास केवल पुलिस वाले होंगे, लम्बी ऊंची दीवारें होंगी और अपराधी होंगे।

बाहर से आते आवाजें उसे साफ सुनाई पड़ रही थीं। दरवाजे खुलने आरंभ हो गए। फिर लेवी के कमरे का दरवाजा भड़ाक से खुला और एक स्त्री की चीख सुनाई पड़ी। 'उसे फौरन फुन्टेस से पास पहुंच जाना चाहिए।' सोचकर उसने बाएं हाथ से थैले को कसकर पकड़ा, दाएं हाथ में पिस्तौल पकड़े रहा और भयभीत कदमों से कमरे के बाहर निकल गया।

फुन्टेस जिसने अपने कमरे से गोलियों के धमाके सुने थे अपना दरवाजा आधा खोले खड़ा था। उसने लोगों को इधर-उधर भागते देखा, लोगों की चीखें और फुसफुसाहट स्पष्ट सुन रहा था वह। उसके दिल में भी भय और संदेह जन्म लेने लगे। हे भगवान, कही उस मूर्ख ने बूढ़े को मार न दिया हो। वह मन ही मन भयभीत होता जा रहा था। फिर वह बाहर निकलकर उन लोगों के पास आकर खड़ा हो गया जो सीढ़ी के पास इकट्ठे टिप्पणियां कर रहे थे। उसने पेड्रो को देखा उसके चेहरे से रक्त प्रवाहित था। भयभीत पेड्रो सीढ़ियां उतरने के बजाय पहली मंजिल पर आकर वहां से सीधे सड़क पर कूद गया क्योंकि लोगों की भीड़ पहली मंजिल पर इकट्ठा थी।

* * *

लेप्सकी ने हैरी का दिया हुआ पैकेट हाथ में ले लिया।

'इसमें मुर्गा है। थोड़े नूडल्स भी रखवा दिए हैं।' हैरी पैकेट थमाता हुआ बोला।

अभी उसने धन्यवाद कहने के लिए मुंह खोला ही था कि पिस्तौल चलने का धमाका उसे सुनाई पड़ा...फिर दूसरा।

उसके कान खड़े हो गए और कारें एक एक कर खिसकना शुरू हो गई थीं। लोग चीख चिल्ला रहे थे और कुछ लोग सामने की बिल्डिंग के प्रवेश द्वारा के पास इकट्ठा थे।

इसी समय पेड्रो पहली मंजिल के नीचे सड़क पर कूदा। बाहर खड़ी भीड़ उसके चेहरे से बहते रक्त को देखकर सहमे बगैर न रह सकी। स्त्रियां चीखने चिल्लाने लगी और दूसरी ओर भागने लगी।

लेप्सकी ने सड़क ने चारों ओर देखा। पेड्रो उसे कोई पन्द्रह सत्रह गज की दूर पर दायीं ओर भागता नजर आ रहा था। लेप्सकी कारों के बीच होता हुआ शार्ट कट से उसके पीछे भाग। पेड्रो ने पीछा करने वाले भागते आते पैरों का शोर सुना। वह भयभीत हुए बिना न रह सका। पलटकर देखा उसने और उसे लेप्सकी दिखाई पड़ा। उसे यह समझने में देर न लगी कि पीछा करने वाला व्यक्ति किसी पुलिस वाले के अतिरिक्त और कोई नहीं हो सकता। पेड्रो पलटकर रुका और उसने पिस्तौल का घोड़ा दबा दिया। जो लेप्सकी के बाएं से कोई एक फीट से निकली हुई गोली जाकर उसके सात-आठ गज पीछे खड़ी एक नीग्रो स्त्री के माथे पर लगी। वह वहीं ढेर हो गई।

लेप्सकी भी हाथ में नंगी पिस्तौल लिए दौड़ रहा था, 'रुक जाओ वरना गोली मार दूंगा।' वह चिल्लाया। पर पेड्रो उसकी चेतावनी की चिन्ता किए बिना दौड़ता रहा।

लेप्सकी ने घोड़ा दबा दिया और दौड़ रहा पेड्रो आगे की ओर ढह पड़ा। उसके दोनों हाथों से थैला और पिस्तौल दूर जा गिरी थी। उसके गिरते ही वहां पुलिस की एक कार आकर चरमराकर रुकी। उसमें से दो पुलिस वाले बाहर निकले और पेड्रो की ओर बढ़ने लगे। उनमें से एक बोला, 'अभी तक जीवित है।'

फुन्टेस अपने कमरे में आ गया था दरवाजा बंद कर वह खिड़की के पास आकर खड़ा हो गया। सड़क का दूर तक का दृश्य उसकी खिड़की से दिखता था। उसने लेप्सकी को पिस्तौल चलाते पेड्रो को गिरते देखा फिर उसके हाथ से नोटों से भरा थैला और उसके द्वारा दी हुई, पिस्तौल को भी गिरते हुए देखा।

पिस्तौल।

पेड्रो और पैसे की चिन्ता छोड़ अब उसके मस्तिष्क में केवल पिस्तौल नाच रही थी।

यह क्या पागलपन किया उसने। दिमाग चल गया था क्या उसका कि उसने उस मूर्ख को अपनी पिस्तौल दे दी। वह सोचने लगा। 'पुलिस पिस्तौल अपने साथ ले जाएगी फिर उन्हें पता लगाने में देर न लगेगी कि पिस्तौल किसकी है।' सोचकर वह चिन्तित हो उठा। उसने कुछ दिनों पानी के एक जहाज पर चौकीदारी का काम किया था और वहां उसे सुरक्षा के लिए यह पिस्तौल दी गई थी जिसका विवरण पुलिस के पास था।

जहाज के खुलते समय फुन्टेस ने उसके मालिक से कहा कि पिस्तौल वह जहाज के अंदर अपनी केबिन में भूल गया है। प्रतिउत्तर में मालिक ने उससे यह कहा कि कोई बात नहीं, पिस्तौल तो मिल ही जाएगी पर वह जाकर 'पैराडाइज सिटी पुलिस' को वह सूचित कर देगा कि पिस्तौल खो गई है। जाहिर है कि फुन्टेस ने ऐसा नहीं किया क्योंकि अभी पिस्तौल के लाइसेंस की अंतिम तिथि समाप्त होने में लगभग आठ महीने शेष थे और यह सोचकर कि तब तो वह लेवी वाल पैसा हथियाकर हवाना में होगा इसलिए उसने सोचा कि पुलिस की ऐसी तैसी।

पर अब?... अब क्या होगा?

पुलिस वालों को पता चलाने में एक-डेढ़ घंटे से अधिक न लगेगा कि पिस्तौल किसकी है...और फिर वे उसे पकड़े लेंगे।

खिड़की के पास खड़ा वह पसीने पसीने हो रहा था। नीचे पुलिस की अन्य गाड़ियां आ चुकी थी। एम्बुलेंस भी आ गई थी।

भयभीत फुन्टेस खिड़की के पास से हट गया। कुछ भी हो बचने का एक ही उपाय है कि वह जितनी जल्दी हो सके यहां से भाग जाये-सोचकर वह अपनी अटैची में कपड़े आदि ठूंसने लगा। पर जाएगा कहां वह? उसे अकस्मात ही अपने मित्र मनुअल टारेंस की याद आ गई।

दोनों हवाना के एक ही गांव में रहने वाले थे। बचपन में एक साथ स्कूल में पढ़ते थे और बड़े होकर एक ही स्थान में काम करते थे गन्ने के एक बड़े फार्म में। फुन्टेस को विश्वास था कि उसका मित्र उसे बुरे दिन में अवश्य काम आएगा।

किवाड़ खोलकर उसने गलियों में झांका। सीढ़ी के पास अभी भी भीड़ इकट्ठा थी पर उसकी ओर

कोई भी नहीं देख रहा था।

अटैची लिए हुए वह दबे पांव बाहर निकला और जिधर लोग खड़े थे उसकी उल्टी दिशा की ओर चल दिया। उसे बिल्डिंग के पिछले दरवाजे का रास्ता याद आ गया था जो आपातकाल में प्रयोग में लाये जाने के लिए था पर उसके इतने वर्षों के यहां निवास में तो कभी कोई ऐसा आपातकाल ने पड़ा था कि वह खुले। फिर भी वह चल दिया।

* * *

एबे लेवी की हत्या के लगभग दो घंटे बाद सार्जेन्ट हेस ने पुलिस चीफ टेरेल के दफ्तर में प्रवेश किया।

'अभी तक हत्यारे की शिनाख्त नहीं हो सकी। लूट का मामला था। आसपास के लोग मुंह खोलने को तैयार ही नहीं है। पर इतना अवश्य मालूम है कि वह क्यूबा का रहने वाला है।' हेस बोला।

मोटा, खिचड़ी बालों वाला सख्त प्रकृति का चीफ टेरेल अपनी कुर्सी में कसमसाया। हेस के उत्तर में उसने केवल अपना सिर हिलाया।

'गोली उसके फेफड़े में लगी है और आशा है कि बच जाएगा।' हेस ने बताया।

'पिस्तौल का कुछ पता चला?' टेरेल का भारी स्वर, गूंजा।

'कुछ ही देर में चल जाएगा। बेम्वले स्कट पिस्तौल के जितने भी लाइसेंस है वे चेक किए जा रहे हैं।'

'उसकी उंगलियों के चिन्ह ले लो और उसे वाशिंगटन भिजवा दो।' टेरेल बोला।

'ओ. के.।'

अभी टेरेल और हेस में बातचीत चल ही रही थी कि दरवाजा खुला और बिगलर अंदर आता हुआ दिखाई दिया।

'पिस्तौल का पता चल गया है। क्यूबा के निवासी किसी रोबर्टो नामक व्यक्ति की है। उसका लाइसेंस है। वह लेवी के घर के आसपास ही रहता है। पर वह हत्यारा नहीं, लाइसेंस पर जो फोटो लगी है वह हत्यारे से नहीं मिलती। मैक्स अपने साथ कई सिपाही लेकर उसे पकड़ने गया हुआ है।' बिगलर आते ही बोल पड़ा।

'हो सकता है कि फुन्टेस ने अपनी पिस्तौल हत्यारे को बेच दी हो या फिर उसकी भी इस हत्या में कुछ हाथ हो।' टोरेल बोला।

'मेरा भी यही विचार है, चीफ।' बिगलर बोला। टेरेल ने कुछ देर बात की फिर बोला, 'होल्ड ऑन।' और चौंगे पर हाथ रखता हुआ बिगलर से बोला, 'फुन्टेस मकान छोड़कर भाग गया है.... अपना सामान भी ले गया है। उसे किसी भी प्रकार भागने नहीं देना, समझे जाओ।'

'ओ. के. चीफ।'

* * *

जब अनिता सर्टिंस सैम्युअल टेरेल के मछली पकड़ने वाले स्टीमर के पास पहुंची उस समय रात्रि के लगभग दो बज रहे थे। एक दो चौकीदारों के अतिरिक्त तट का पूरा क्षेत्र सुनसान पड़ा था। चौकीदार जाती हुई अनिता को घूर रहे थे क्योंकि उनके ख्याल में वह उन वेश्याओं में से एक थी जो अक्सर रातों को यहां मंडराती दिखाई देती थीं।

स्टीमर पहचानकर वह रुक गई। स्टीमर के ऊपर केबिन से प्रकाश छनकर बाहर आ रहा था। उसे विश्वास था कि फुन्टेस उसे केबिन में अवश्य होगा।

ड्यूटी से वापस आकर उसने ट्रांजिस्टर पर यह दुखद समाचार सुना था।

जब वह सुबह ड्यूटी पर जा रही थी उसे पेड्रो ने सख्त आदेश दिए थे कि वह सामान वामान बांध ले। रात दस बजे यहां से हवाना के लिए रवाना होंगे। वह बोला था।

उसने बड़े प्यार से उसके गले में अपनी बाहें पिरो दी थी और बोली थी, 'डार्लिंग! मन तो नहीं कर रहा पर तुम कहते हो तो चलने को तैयार हूं।'

शाम को ड्यूटी से वापस आई तो पेड्रो घर पर नहीं था। वह चिन्तित हो उठी थी। रह-रहकर बार-बार उसके मस्तिष्क में वह पिस्तौल घूम रही थी जो फुन्टेस ने पेड्रो को दी थी। पर फिर उसने यह सोचकर कि पिस्तौल केवल धमकाने के लिए है किसी की हत्या करने के लिए नहीं। उसने यह चिन्ता झटका दी थी। पर कुछ भी हो भयभीत और संदिग्ध तो थी ही वह।

राम में साढ़े दस बजे ड्यूटी से वापस आकर पेड्रो को घर न पाकर उसका हृदय भी से बुरी तरह से ग्रस्त हो गया था। पेड्रो के कहने के अनुसार उसने सारा सामान वगैरह बांध लिया था।

पेड्रो की प्रतीक्षा करते-करते वह उकता गई थी और उसने मन बहलाने के विचार से ट्रांजिस्टर चला दया। ट्रांजिस्टर पर एवे लैरी की हत्या का समाचार प्रसारित किया जा रहा था। समाचारों में यह भी बताया गया कि एक नीग्रो स्त्री कैरी स्मिथ को भी हत्यारे ने गोली मारी जो उसे समय दम तोड़ गई। समाचार में फिर यह भी बताया गया कि पुलिस अधिकारी टाम लेप्सकी ने हत्यारे पर गोली चलाई और उसे कब्जे में ले लिया। हत्यारा, क्यूबा का निवासी है, रंग काला, पतला दुबला और जवान है जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। सुनकर अनिता की चीख निकल गई थी।

'पेड्रो....।' वह चिल्लाई थी।

'पुलिस का विचार है कि एक अन्य क्यूबन राबर्टो फुन्टेस का भी उसमें हाथ है और वह घर से फरार है। हत्यारे ने जिस पिस्तौल से हत्या की वह इसी व्यक्ति की है। उस व्यक्ति के विषय में किसी को भी कुछ मालूम पड़े तो वह कृपा कर पुलिस को इस नम्बर पर सूचित करें।'

दुखी अनिता ने ट्रांजिस्टर बंद कर दिया।

जीवन ने निरंतर संघर्ष करते रहने के कारण अनिता कड़े हृदय की हो गई थी इसलिए कड़ी से कड़ी और विषम से विषम स्थिति में भी वह नर्वस नहीं होती थी। उसने पूरी समस्या पर ठीक से गौर विचार किया। पुलिस को जल्दी ही पता चल जाएगा कि पेड्रो कौन है और कहां रहता है। वह यहां आकर उसे पकड़ ले जाएंगे। बदनामी होगी और उसकी नौकरी छूट जाएगी। इसलिए उसे कुछ करना चाहिए। वह जानती थी कि अवश्य ही फुन्टेस भी पुलिस के डर से भाग गया होगा। सीकाम्ब इलाके

में बहुत दिनों से रहते आने के कारण और क्यूबन समुदाय का सदस्य होने के कारण वह फुन्टेस और उसके मित्रों को भली प्रकार जानती थी इसलिए उसे मालूम था कि वह कहां छुपा होगा।

मैन्युअल टेरेल के विषय में वह बहुत कुछ सुन चुकी थी कि वह धनी आदमी है, काफी प्रभावशाली है, उसके पास निजी स्टीमर है। इसलिए क्यूबन समुदाय के लोग उसे अपना दाता मानते थे क्योंकि वह सत्यप्रिय व्यक्ति था और एक बार कोई वादा कर देता तो उसे पूरा कर देता।

बहुत सोच विचार के पश्चात् उसने एक योचना तैयार की और उसने निश्चय किया है कि वह जाकर सैम्युअल और फुन्टेस को यह योजना बताएगी। एक बार उन दोनों को विश्वास हो जाएगा कि इस योजना में उन्हें काफी पैसा मिलेगा तो वे पेड्रो को छुड़ाने में मदद करेंगे।

स्टीमर में उतरकर वह सीढ़ियां चढ़ती हुई केबिन तक पहुंच गई, दरवाजा खटखटाया। अंदर से स्वर गूंजा, 'कौन?'

'मैं......मैं हूं.........अनिता सर्टिस।' वह बहुत धीमें स्वर में बोली।

3

मियामी एयरपोर्ट पहुचकर माइक बैनियान सीधा टैक्सी से सी-बी होटल चल पड़ा। होटल की इमारत काफी पुरानी थी और देखने से औरत दर्जे का होटल लग रहा था। टैक्सी वाले को पैसा देकर वह सीधा होटल के अंदर रिसेप्शन पर पहुंच गया।

'मिस्टर वान्स से मिलना चाहता हूं मैं।'

'आप लूकास साहब है?' रिसेप्शनस्टि ने पूछा।

'जी हां।' माइक ने उत्तर दिया। आर्ट ने उससे क्योंकि हडन का उसने यही नाम बताया था।

'एक मिनट प्लीज।' कहकर रिसेप्शनिस्ट ने फोन मिलाया, कुछ बात की फिर माइक से बोला, 'आप जा सकते है वह आपकी प्रतीक्षा कर रहे है। पहली मंजिल, कमरा नम्बर दो। आपका कमरा चौथी मंजिल पर है नम्बर बारह। आप अपना समान यही छोड़ जाइये, आपके कमरे में पहुंचवा दिया जाएगा।'

पहली मंजिल तक भी वह लिफ्ट से गया क्योंकि आज उसे बहुत दर्द हो रहा था। शायद यात्रा की थकान के कारण। कमरा नम्बर दो के सामने रुककर उसने दरवाजा खटखटाय। प्रतिउत्तर में अंदर से आवाज आई, 'आ जाओ।'

दरवाजा खोलकर वह कमरे में प्रवेश कर गया। कमरे में काफी सादगी थी पर लगभग आरामदेह था।

अन्दर पहियों वाली कुर्सी पर लगभग सत्तर अस्सी वर्ष का पके बालों वाला एक अपाहिज बूढ़ा बैठा था। बूढ़ा माइक को बड़े गौर से घूर रहा था। लू ब्राडी भेष बदलने में माहिर था। वह इस कमाल से अपना हुलिया बदल लेता था जैसे वह असली ही है। उसे इस रूप में देखकर मैगी भी मूर्ख बन गई थी। वह भी होटल में स्टोला जैकस के नाम से अलग कमरे में ठहरी हुई थी।

कल दोपहर जब मैगी ने उसे देखा था तो वह उसे पहचान नहीं पाई थी और बोली थी, 'क्षमा कीजिएगा, शायद मैं गलत कमरे में आ गई।' और बाहर जाने के लिए मुड़ी थी।

'नहीं मेरी जान। आओ और अपने कपड़े उतारकर मेरी बाहों में समा जाओ।' ब्राडी बोला था।

मैगी की आंखें आश्चर्य से फटी की फटी रह गई थी। फिर ब्राडी ने उसे कल आने वाले उस व्यक्ति के विषय में बताया जिसको इस डकैत में ड्राईवर कर रोल अदा करना था। मैगी ने उसने कहा कि जब वह आयेगा तो वह उसके सामने न आये और शयन कक्ष में छुपी रहे। तुम वहां से हम दोनों की बातें सुनना और फिर अनुमान लगाकर बताना कि वह व्यक्ति काम के लायक है कि नहीं। हडन कह रहा था कि वह बिल्कुल अनाड़ी है और उसने अभी तक कोई अपराध नहीं किया है। स्पष्ट है कि उसका कोई पुलिस रिकार्ड भी नहीं है। ऐसे अनाड़ियों पर मैं भरोसा नहीं करता क्योंकि ये लोग डरकर कभी भी भाग सकते हैं और दूसरों को फंसवा सकते हैं। कभी-कभी पकड़े जाने पर ये पुलिस

को सब कुछ बताकर सरकारी गवाह बन जाते हैं। तुम उसकी बातें सुनना, उसे गौर से देखना फिर अपनी राय मुझे देना।' ब्राडी ने उसे समझाया था।

उसके बाद मैगी उसे देखकर हंसती हुई बोली डार्लिंग! मैंने आज तक किसी अस्सी वर्ष के बुड्ढे के संग सहवास नहीं किया है, आओ जरा हो जाए।'

'नहीं बेबी मैंने बड़ी मेहनत से यह मेकअप किया है इसलिए नहीं कि तुम मिनट भर में मेरी दाड़ी मूछ चांट-चूसकर रख दो, धीरज रखो, उसके लिए बहुत समय पड़ा है।' ब्राडी उसके पीछे उभारों पर चुटकी काटता हुआ बोला था।

माइक उसे देखकर यह सोच रहा था कि हे भगवान! क्या इस लूले लंगड़े बुड्ढ़े के साथ काम करना पड़ेगा।

माइक खड़ा कड़ी नजरों से घूर रहा था और ब्राडी की आंखों भी सामने खड़े इस अक्खड़ व्यक्ति का एक्सरे कर रही थी। उसने अपनी आंखें आगन्तुक पर से हटा ली। वह इस व्यक्ति से संतुष्ट हो गया था। दरअसल उसे अपने काम के लिए ऐसे ही शुष्क और आज्ञाकारी व्यक्ति की तलाश थी। हडन ने उसे बताया भी था कि वह फौजी है और जल्दी नर्वस होने वाला नहीं। पर इस व्यक्ति की गड्ढे में धंसी गहरी आंखों में एक विशेष चमक थी और ब्राडी उससे अधिक देर आंखें न मिला सका था।

'मेरा नाम माइक बैनियान उर्फ टेड लूकस है, मिस्टर वान्स।'

'आओ..... आओ, बैठो।'

माइक दरवाजा बंद कर उसके सामने वाली कुर्सी पर आकर बैठ गया था।

'तो तुम माइक बैनियान हो।' ब्राडी बूढ़े आदमी की आवाज बनाता हुआ बोला, 'अपने बारे में कुछ बताओ।'

माइक ने बूढ़े को घूरा। उसकी अंतरात्मा कह रही थी, दाल में कुछ काला अवश्य है।

'न मैं अपने विषय में कुछ बताना चाहता हूं और न ही आपके विषय में सुनना चाहता हूं। काम क्या करना है, बताइये।' माइक शुष्कता से बोला था। ब्राडी को फौजी को यह शुष्कता पसन्द आई थी पर वह स्वयं को और संतुष्ट करना चाहता था।

'मुझे बताया गया है कि तुम पक्के निशानेबाज हो, कितने पक्के हो?'

'देखिए, इन सब बातों से कोई लाभ नहीं। काम की बात करें। अपने साथी को भी अंदर से बुला लीजिए।' माइक बोला और मैगी बैडरूम से उसे घूरती हुई बाहर आ गई।

'वाह! क्या बांका मर्द है।' वह सीटी बजाती हुई बोली। माइक उसे घूर रहा था। और ब्राडी उसे घूरता हुआ देख कहकहा लगा रहा था।

'कुछ जाम-वाम हो जाए।' कहकर ब्राडी पहियों वाली कुर्सी से उठकर मेज की ओर बढ़ गया जिस पर शराब की कई बोतलें सजी हुई थीं। 'तुम क्या पियोगे माइक?' उसने बड़े अपनत्व से पूछा।

'स्कॉच।'

'अब मैं संतुष्ट हूं कि तुम हमारे काम के लिए बिल्कुल फिट आदमी हो।' ब्राडी मैगी को घूरते हुए

बोला, 'हां, मैं इनसे तुम्हारा परिचय कराना भूल गया। यह मैगी, हमारे साथ यह भी काम कर रही हैं।'

माइक पर जैसे उसकी बातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। वह चुपचाप बैठा मैगी को घूर रहा था। वह एकाएक ही मैगी पर से दृष्टि हटाता हुआ फौजी अंदाज में बोल पड़ा, 'मिस्टर वान्स! मैंने आपसे पूछा था कि काम क्या है?' वह अब पूरी तरह समझ चुका था कि ब्राडी जवान है, पर अपना भेष बदले हुए है।

'तुम देख ही रहे हो। मैं, बूढ़ा अपाहिज रहूंगा। मैगी मेरी नर्स होगी और तुम मेरे ड्राइवर। यूनिफार्म है तुम्हारे पास शोफर का?' कहकर ब्राडी ने उसे स्कॉच का आधा भरा गिलास लाकर दिया।

'हां, है।'

'गुड।' और ब्राडी ने उसे पूरी बात समझा दी।.... 'तुम्हारा काम यह है कि यदि होटल के संतरी हमारे रास्ते में रोड़ा अटकाये तो तुम उन्हें शांत कर दो एक पिस्तौल से जिसमें गोली के बजाए डाट होगा जिसके लगने से संतरी छ: घंटों के लिए केवल गहरी नींद सो जाएगा और फिर छ: घंटों बाद उठकर चलने फिरने लगेगा।' कहकर ब्राडी ने मैगी की ओर हाथ से संकेत किया और वह बैडरूम में जाकर पिस्तौल ले आई।

ब्राडी ने फिर कहना आरंभ किया, 'फिर तुम्हें होटल की तिजोरी में से बक्से निकालने में और उन्हें कार तक रखवाने में मेरी सहायता करनी होगी।'

माइक ने 'हां' में सिर हिलाया और बोला, 'आपने मुझसे पूछा था कि मेरा निशाना कैसा है। आपके लिए यह जानना आवश्यक भी है क्योंकि बहरहाल आप मुझे पांच लाख रुपये देंगे तो देखिए।' कहकर उसने कमरे में चारों ओर दृष्टि दौड़ाई। फिर बोला, 'वह चित्र देख रहे हो।' उसने सामने की आरे कोई बीस फूट दूर दीवार पर टंगे पेंसिल स्कैच चित्र जो किसी व्यक्ति का चेहरा था की ओर संकेत किया, 'उसकी दायीं आंख की पुतली में गोली मारता हूं समझे?'

ब्राडी और मैगी दोनों ने उस चित्र की ओर अपना चेहरा घुमाया। दरअसल उन्हें पहली बार अहसास हुआ था कि कमरे में कोई चित्र-वित्र भी टंगा है।

माइक ने पिस्तौल उठाई, जल्दी से निशाना लगाया और किसी मंझे शिकारी के समान घोड़ा दबा दिया और बोला, 'जाइये देखिए।'

मैगी और ब्राडी दोनों हड़बड़ाकर चित्र के पास पहुंचे। चित्र में ठीक दायीं आंख की पुतली पर धातु का छोटा सा डाट चिपका था।

* * *

लगभग ग्यारह बजकर चालीस मिनट के आसपास का समय हो रहा था। स्पैनिश-बे होटल के बैरे होटल के बड़े स्विमिंग पूल के चारों और हाथों में ट्रे लिए मंडरा रहे थे। रईस लोग सूर्य के प्रकाश और खुले में स्नान का आनन्द लेने के लिए पूल के चारों ओर आरामकुर्सियों पर लेटे पड़े थे और रह-रहकर बैरों को कुछ न कुछ लाने का संकेत कर रहे थे। कोई शराब पीने में मस्त था तो कोई

बीयर पीने में तो कोई जूस ही में।

विल्बर वारेन्टर खूब तैरकर थक चुका था और अब आरामकुर्सी पर लेटा पड़ा था। उसके बगल वाली आरामकुर्सी पर उसकी पत्नी लेटी नॉवल पढ़ने में मग्न थी। वह केवल चड्ढी और ब्रा में थी। उसे सुबह में तैरना बिल्कुल पसन्द न था उसका एक विशेष कारण यह भी था कि तैराकी से उसका मेकअप बिगड़ जाता और बाल की स्टाइल भी ठीक नहीं उतरती। इसलिए वह केवल शाम में तैराकी करती थी और उसके बाद डिनर उसे बनते संवरने के लिए घंटों का समय मिल जाता।

विल्बर मार्टिनी शराब के दो बड़े पैग लगा चुका था और अब वह निश्चिंत पड़ा आराम कर रहा था। अब तक उसका हनीमून बिल्कुल सफल रहा था। होटल में आराम व मौज मस्ती के लिए वह सभी चीजें उपलब्ध थी जो उन्हें चाहिए थी। होटल की सर्विस भी बहुत जबरदस्त थी। बस एक बात की परेशानी थी कि मारिया अब पहले से कुछ अधिक चिड़चिड़ी होती जा रही थी। वह उन स्त्रियों में से एक थी जिन्हें अच्छी से अच्छी चीज में भी कोई न कोई बुराई अवश्य दिखाई देती है। इस समय उसकी शिकायत यह थी कि होटल में बूढ़े बुढ़िया आवश्यकता से कुछ अधिक ही ठहरे हुए हैं। विल्बर ने उसे समझाने की चेष्टा की थी कि चूंकि स्पैनिश बे होटल दुनिया का सबसे महंगा होटल है, इसलिए जाहिर है कि यहां बूढ़े लोग अधिक ठहरेंगे।

'हम लोग सौभाग्यशाली है मारिया, कि मेरे पिता हम लोगों के यहां ठहरने का पूरा खर्चा वहन कर रहे हैं। वरना हम लोग भी यहां न होते।'

मारिया मुंह बनाती हुई बोली, 'लग रहा है किसी कब्रिस्तान में हूं, होटल में नहीं।'

'तो इसमें क्या, चलो चलकर दूसरे होटल में ठहरे। रीवेज कैसा रहेगा?'

'रीवेज? पागल हो गए हो क्या? वह तो धर्मशाला से भी बदतर है।'

विल्बर घड़ी पर दृष्टि डालकर खड़ा होता हुआ बोला, 'मैं डैड से बात करके आया।'

'ये क्या तुम दूध पीते बच्चों के समान रोज-रोज डैड को फोन करते रहते हो।' वह चिड़चिड़ाकर बोली थी।

विल्बर मारिया की बात का जवाब दिए बिना वहां से चल दिया था और मारिया 'हुंह' कहकर अपने नॉवल में फिर से लग गई थी।

विल्बर जानता था कि उसके पिता बड़ा अकेलापन महसूस करते हैं और अपने व्यापार की बातें उसे सुनाने के लिए उत्सुक रहते हैं। वह चाहते थे कि विल्बर शीघ्रातिशीघ्र डलास वापस आ जाए और वहां अपने पारिवारिक जीवन का शुभारंभ करे। थोड़ा संकोच करते हुए विल्बर ने मारिया को बताया था कि उसके पिता ने उसे दोनों के लिए डलास में एक बहुत बढ़िया मकान खरीद रखा है जिसमें स्विमिंग पूल है, पार्क है और संसार की वे सारी चीजें है जो पैसे से खरीदी जा सकती हैं।

'हुंह, डलास जैसी सड़ी सड़ी जगह पर कौन रहेगा? मैं तो हनीमून के बाद पेरिस और वेनिस जाना चाहती हूं।'

'तुम जानती हो मारिया कि मुझे डलास ही में रहना है और काम करना है। मैंने पिताजी द्वारा खरीदा हुआ वह घर देखा है, वास्तव में ही बहुत सुन्दर है।' विल्बर धीरज रखता हुआ बोला था।

थोड़ी देर बाद ही उसके पिता का फोन आ गया था।

'कैसे हो बेटे?' फोन पर उसका पिता चहका।

'बिल्कुल ठीक हूं, डैड। और आप?'

'काम ही काम है। कुछ अरबों से व्यापार की बातें चल रही है, अगर मामला बन गया तो अरबों का फायद होगा।'

'गुड, डैड।'

'तुम्हारी पत्नी कैसी है?' वारेन्टन शायद ही कभी मारिया को उसके नाम से पुकारता।

'ठीक है।'

'बच्चे-बच्चे के कुछ आसरा है या अभी नहीं?'

सुनकर विल्बर की हंसी न रुक सकी।

'कुछ तो समय दीजिए डैडी, आप तो हथेली पर सरसों जमाने चाहते है...और फिर मारिया इन पारिवारिक झंझटों में फंसने से पहले सारी दुनिया देखना चाहती है।'

'अधिक विलम्ब ठीक नहीं, बेटे। अब मैं बूढ़ा हो चला हूं, क्या पता....।'

'कैसी बातें करते है, डैड। भगवान न करे....।

'अच्छा-अच्छा, वापस कब आ रहे हो?'

'यही, दो-चार हफ्तों में।'

'मैंने तुम्हारे लिए यहां आराम की सभी चीजें बटोर रखी हैं, बेटे। मैं चाहता हूं तुम यहां आकर मेरा भी कुछ बोझ हल्का करो। अपनी पत्नी को घर के बारे में बताया?'

'बताया डैड।' विल्बर स्वाभाविक उदासी पर नियंत्रण रखता हुआ चहकता हुआ बोला, 'बहुत प्रसन्न है वह।'

'अरे भाई क्यों नहीं होगा। आखिर तीस लाख रुपये लगे हैं।

कुछ क्षण खामोशी रही फिर उसके पिता का स्वर सुनाई पड़ा, 'अच्छा बेटे, बोर्ड की मीटिंग का समय हो रहा है, फिर मिलेंगे। हां, जल्दी आने की कोशिश करना।'

जब विल्बर अपने कमरे (सुईट) में पिताजी से फोन पर बातें करने आया था तो अनिता सर्टिस मारिया वाला बाथरूम साफ कर रही थी। उसने विल्बर की फोन पर हुई सारी बात सुनी थी। पर एकतरफा बात होने के कारण वह बहुत समझ नहीं पाई थी। इतना अवश्य समझ पाई थी कि विल्बर अपने पिता सिलास वारेन्टन को बहुत चाहता है। दोनों बाप बेटों के प्यार की चर्चा तो होटले के पूरे कर्मचारियों की जुबान पर भी थी। इसलिए अनिता ने पहले से सुन रखा था। आखिर मिलास वारेन्टन कोई साधारण व्यक्ति तो था नहीं। एक क्यूबन बैरे के मुंह से उसने यह भी सुन रखा था कि सिलास की हार्दिक इच्छा है कि उसका पुत्र विल्बर जल्द से जल्द बाप बन जाए। बैरे ने उससे यह भी बताया कि उसने छुपकर मियां-बीवी की बातें सुनी है। वह चुड़ैल बच्चा पैदा करने पर बिल्कुल भी राजी नहीं

हैं और बस गुलछर्रे उड़ाना चाहती है।

अनिता बिल्कुल भी नहीं सोई थी। वह रात भर मैन्युअल के जहाज की केबिन में बैठी बातें करती रही थी। अपनी योजना समझाती रही थी।

पहले वह फुन्टेस से गिड़गिड़ाई थी कि वह पेड्रो को बचा ले।

'मैं क्या कर सकता हूं। पुलिस तो मुझे भी ढूंढ रही है।' उसने शुष्क स्वर में उत्तर दिया था, 'यदि मेरे पास पैसा होता तो मैं हवाना चला जाता।'

'घबरओ मत। तुम यहां बिल्कुल सुरक्षित हो।' मैन्युअल ने कहा था।

'उसका मित्र है मेरा मित्र नहीं है?' अनिता बोली थी।

'उसका मित्र है मेरा नहीं।' मैन्युअल ने फुन्टेस की ओर इशारा किया।

'मैं कुछ नहीं कर सकता। समझती क्यों नहीं? पुलिस ने उसे पकड़ रखा है। वह जख्मी है। क्या कर सकता हूं मैं?'

फिर उसने दोनों से अपनी बात कह डाली थी। दोनों गौर से उसकी बात को सुनते रहे थे। फिर फुन्टेस बोला था, 'ये सब पागलपन की बातें हैं। तुम्हारा दिमाग चल गया है। भाग जाओ यहां से। यहां फिर कभी मत आना, समझी?'

मैन्युअल ने फुन्टेस के कंधे पर अपना हाथ रखकर कहा था, 'अरे, पहले पूरी बात तो सुन ले'।

'पागलपन की बात कहते हो।'

अनिता ने दोनों को घूरा। उसे मालूम था उसकी बात का फुन्टेस घोर विरोध करेगा पर मैन्युअल उसकी बात अवश्य सुनेगा। मैन्युअल के साहस, बुद्धि और कारनामों से परिचित थी वह। काले रंग और नाटे कद के इस चंडाल व्यक्ति की आंखें बड़ी क्रूर थी। वह जानती थी यदि मैन्युअल को उसकी बात में कुछ जान लगेगी हो मामला बन सकता है। मैन्युअल से उसे घूरा, बोला, 'हां, तो क्या कह रही थीं तुम? ....तुम्हारा मतलब है कि मैं होटल में वारेन्टन और उसकी पत्नी को अपने कब्जे में लेकर उसके पिता सिलास वारेन्टन से उन्हें छोड़ने के लिए पांच करोड़ रुपये मांगू।'

'हां, मेरी यही योजना है।' अनिता धीरे से बोली, 'वारेन्टन अरबों में खेलता है और अपने पुत्र से बहुत प्रेम करता है। पांच करता है। पांच करोड़ रुपया उसके लिए कुछ भी नहीं है।'

'और होटल में उसके कमरे तक कैसे पहुंचा जाएगा?' मैन्युअल रुचि लेता हुआ बोला।

'ये सब पागलपन की बातें है।' फुन्टेस चिल्लाया, 'मैं होटल को जानता हूं वहां बहुत सख्त सुरक्षा व्यवस्था है.....पागलपन है ये सब।'

मैन्युअल ने उसके कंधे पर फिर हाथ रखा, बोला, 'दोस्त, तुमसे कहा ना कि चुप रहो। कम से कम सुन तो लिया जाए.... पांच करोड़ रुपये.....सोचो तो कितनी बड़ी रकम होती है पांच करोड़।' और फिर अनिता की ओर देखता हुआ बोला, 'हां तो उनके होटल के कमरे तक कैसे पहुंचा जाएगा?'

'मेरे जरिए।' अनिता बोली, 'मैं होटल में काम करती हूं। होटल के कमरे में कैसे पहुंचा

जाए...सुरक्षा दल वालों से कैसे बचा जाए...ये सब बताना मेरी जिम्मेदारी है।' कहकर वह थोड़ी देर फुन्टेस को देखती रही फिर उससे बोली, 'पुलिस तुम्हें ढूंढ रही है। इस जहाज के केबिन में तुम पुलिस से बचे-बचाए तब तक पड़े रहोगे, आखिर कब तक? सोचो तो यदि तुम वारेन्टन के कमरे में होगे तो तुम जो खाना-पानी चाहोगे होटल वाले वो भिजवाएंगे और पुलिस से भी बचे रहोगे फिर पांच करोड़ रुपया लेकर हम हवाना चल देंगे, बस।'

फुन्टेस ने उसे घूरा फिर विवशता से मैन्युअल की ओर देखने लगा और बोला, 'तुम्हें विश्वास है कि तुम हमें उसके कमरे तक पहुंचवा दोगी?'

अनिता ने निश्चिन्तता की सांस ली, बोली 'हां, मैं पहुंचा सकती हूं। मेरे पास उस कमरे की डुप्लीकेट चाबी है और स्टाफ रूम की भी।'

'ऐसा?' मैन्युअल बोल पड़ा, कैसे मिली चाबी तुम्हें?'

उसे अकस्मात ही पेड्रो की याद आ गई जिसने उससे एक बार कहा था कि वह सबसे महंगे वाले सुईट और स्टाफ कक्ष के ताले की कुंजी को साबुन पर धंसाकर उनका नाप ले जाए ताकि उनकी डुप्लीकेट चाबियां बनाई जा सकें। कभी कोई काम आ सकती है।

'इससे तुम लोगों से क्या मतलब?' वह शुष्क स्वर में बोली।

फुन्टेस ने मैन्युअल की ओर देखा।

'क्या विचार है?'

'बढ़िया योजना है पर हमें एक तीसरे व्यक्ति की आवश्यकता पड़ेगी। पता नहीं उस कमरे में कब तक रहना पड़े....वहां हम लोगों को सोना भी होगा। खैर, बारी-बारी सो लेंगे पर तीसरा व्यक्ति होगा तो जोखिम कम हो जाएगी।'

'मैं तो हूं ही।' अनिता बोली।

मैन्युअल ने हां में सिर हिलाया।

'अच्छा होगा कि तुम इसमें न पड़ो।' फुन्टेस बोला।

'नहीं।' अनिता विश्वास से बोली, 'जब पुलिस वालों को पता चलेगा कि पेड्रो मेरा पति है तो वे मुझे पूछताछ के लिए पकड़ लेंगे और मैं नौकरी से हाथ धो बैठूंगी।'

मैन्युअल कुछ देर सोचता रहा फिर बोला, 'ठीक है। पर हम लोगों को सोचने-विचारने का थोड़ा अवसर दो। कल यहां रात को आ जाना मैं बता दूंगा कि हम लोग यह काम करने को तैयार है या नहीं।'

'ठीक है पर कल रात तक का ही समय दे सकती हूं मैं।' अनिता बोली।

'नहीं-नहीं, बस कल रात हां या नहीं।' मैन्युअल बोला।

वह अंदर-अंदर प्रसन्न होती हुई मैन्युअल से बोली, 'पर...पर मैं बिल्बर के कमरे में तुम्हें एक शर्त पर ले जाऊंगी।'

दोनों उसे संदिग्ध निगाहें से घूरने लगे।

'कौन-सी शर्त?' मैन्युअल ने घबराकर पूछा।

'मैं उस पैसे में भागीदार नहीं बनूंगी बस जो पैसा पेड्रो को छुड़ाने और हम दोनों के हवाना तक के किराए का लगेगा वह तुम लोगों को देना होगा।'

फुन्टेस फिर चिल्लाया, 'देखो, मैं कह रहा था ना कि ये पागल है, देख लिया तुमने? पेड्रो जख्मी है, पुलिस की हिरासत में है, वे पुलिस वाले उसे भला छोड़ेंगे?'

'शटअप।' आखिर मैन्युअल के धीरज का पैमाना टूट गया और वह बिफर पड़ा फिर अनिता की ओर देखता हुआ बोला, 'देखो, यह बहुत कठिन शर्त है पर असंभव नहीं। खैर, एक बार हम लोग होटल के उस कमरे में पहुंच जाएंगे तो पुलिस से भी सौदेबाजी कर सकने की स्थिति में होंगे। मैं वादा करता हूं कि पेड्रो को छुड़ाकर अपने साथ ले जाने की मैं पूरी चेष्टा करूंगा। मैं जबान देता हूं फिर भी यह मुश्किल काम है।'

'देखो, मिस्टर मैन्युअल टेरेस! मेरे सामने अपने पति की जिन्दगी और मृत्यु का प्रश्न है। यदि मुझे विश्वास हो गया कि पुलिस पेड्रो को नहीं छोड़ेगी तो मैं विल्बर और मारिया दोनों को गोली मार दूंगी। इसलिए तुमको उन लोगों के समक्ष पैसे के साथ-साथ यह शर्त भी रखनी होगी।' अनिता दृढ़ता से बोली।

मैन्युअल उसे आश्चर्य से घूरता रहा फिर उसकी दृढ़ता से प्रभवित होता हुआ बोला, 'हां, ऐसा ही होगा। कल रात आना। कल तक मैं तुम्हारे पति के बारे में भी पता लगा लूंगा। इसलिए इस विषय पर कल बात होगी तुमसे।'

अनिता चलने के लिए खड़ी हो गई और मैन्युअल ने उसकी ओर अपना हाथ बढ़ा दिया, 'तुम वाकई बहुत अच्छी हो। हम लोग साथ मिलकर अच्छी प्रकार काम कर सकेंगे।' वह बोला।

वह जब बाहर निकलकर चली गई तो फुन्टेस फिर चिल्ला उठा, 'पागल है वह मैन्युअल।'

मैन्युअल ने उसे घूरा फिर बोला, 'नहीं, वह अपने पति से दीवानगी की सीमा तक प्यार करती है और ऐसी स्त्रियां पुरुषों से अधिक शक्तिशाली होती है।'

* * *

क्लाड प्रेविन की रिसेप्शन ने दिन की ड्यूटी होती थी। स्पैनिश बे होटल का रिसेप्शनिस्ट होने के नाते उसका काम यह था कि वह ग्राहकों का स्वागत करे, रजिस्टर आदि पर उनसे हस्ताक्षर करवाए और उन्हें उनके कमरों तक पहुंचवाए। थोड़े दबते रंग का पतला-दुबला पर आकर्षक दिखने वाला पैंतीस वर्षीय व्यक्ति था वह। वह पैरिस के जार्च वी होटल में भी काम कर चुका था जहां वह जूनियर रिसेप्शन क्लर्क था। अपने पिता की राय पर जिनका एक दो स्टार होटल था उसने स्पैनिश बे में वरिष्ठ रिसेप्शनिष्ट पद के लिए आवेदन किया और उसका चयन हो गया। स्पैनिश बे होटल का मालिक जान डूलक उससे प्रसन्न था और आशा थी कि उसे तरक्की मिल जाएगी।

आज सुबह काफी गर्मी पड़ रही थी। क्लाड प्रेविन नित्य की तरह आज भी काउंटर पर था। उसकी

नजर सामने लॉन में थी जहां लोग नाश्ते पानी और शराब पीने में लगे थे। वह बैठा धनी लोगों की गपशप सुनता रहा और इस होटल को पैरिस के जार्ज वी होटल से तुलना करने लगा जहां बूढ़ों के बजाए नवयुवकों और नवयुवतियों की अधिक भीड़ भाड़ रहती थी। प्रेविन को भी बूढ़े लोग अच्छे नहीं लगते थे क्योंकि वे आलसी होते थे और आलस से उसे स्वाभाविक चिढ़ थी।

कुछ क्षणों के लिए उसकी आंखें चुंधिया गई क्योंकि अपने सामने वह एक अत्यंत सुन्दर और सैक्सी लड़की को सफेद पोशाक में देख रहा था।

मैगी, यह अनुमान लगाकर कि उसकी सुन्दरता से यह आकर्षक युवक बहुत प्रभावित हुआ है, बोली, 'मिस्टर कोर्नेलियस वान्स का यहां आरक्षण है?'

प्रेविन फिर भी उसे अपलक निहारता रहा। वह मन ही मन सोच रहा था कि यदि सुन्दर स्त्री उसे एक रात के लिए मिल जाए तो कितना सौभाग्यशाली होगा वह यदि उसके बाद वह उससे जान भी मांगे तो हंसते हसंते दे देगा।

'मिस्टर कार्नेलियस....।' मैगी ने फिर अपना प्रश्न बड़ी अदा से दोहराना चाहा कि प्रेविन लजाकर हड़बड़ाता हुआ बोला, 'अ-अ-अ, आई एम सॉरी। ह-ह-हां, हां मिस्टर वान्स का आरक्षण है, अवश्य है।' उसकी आवाज फंस रही थी।

'वह बाहर हैं। बेचारे चलकर नहीं आ सकते ना। उन्होंने मुझसे कहा है कि मैं उनके नाम पर हस्ताक्षर आदि कर दूं। मैं उनकी नर्स स्टेला जैकस हूं।' मैगी सेक्सी मुस्कराहट के साथ बोली।

प्रेविन पर इस मुस्कराहट का जैसे जादू सा प्रभाव पड़ा। उसने हड़बड़ाकर हाथ के संकेत से दो लड़कों को बुलाया और मैगी ने रजिस्टर खोलता हुआ बोला, 'आप यहां हस्ताक्षर कर दीजिए। ये लड़के आपको कमरा दिखा देंगे।'

मैगी ने हस्ताक्षर कर दिए। फिर प्रेविन की ओर देखकर दूसरी बार अदा से मुस्कराती हुई उन लड़कों को लेकर बाहर की ओर चल दी जहां रोल्स रायस खड़ी थी। प्रेविन ने एक ठंडी सांस छोड़ी और उसे जाते देखता सोचता रहा कि काश....कि एक जानी पहचानी मर्दानी आवाज ने उसे चौंका दिया, 'कौन थी यह नर्स, क्या करने आई थी?' वह हड़बड़ाकर पलटा तो सामने श्री क्लाड़ खड़े थे।

'गुड मार्निंग, मिस्टर क्लाड।' कहकर वह श्रद्धा से थोड़ा झुक गया।

जान डूलक, इस होटल का मालिक, लगभग पचास वर्ष के आसपास का रहा होगा, लम्बा आकर्षक दिखने वाला यह फ्रांसीसी व्यक्ति बहुत मित्रभाषी था पर उसकी इस कोमलता के पीछे वेग, फुर्ती और कड़ा परिश्रम भी था जिसने आज उसे और इस होटल को आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया था। उसे आलस्य से सख्त घृणा थी। उसने इस होटल को संसार का सबसे हसीन और सुन्दर होटल बनाने में खून-पसीना एक किया था और वह चाहता था कि निरंतर परिश्रम से यह होटल सदैव ही ऐसा बना रहे। यद्यपि उसने कर्मचारी काफी निपुण व चुस्त लोग थे फिर भी वह नित्य ही आकर होटल का पूरा बंदोबस्त स्वयं देखता था।

प्रत्येक सुबह साढ़े नौ बजे वह अपने कार्यालय से निकलता और पूरे होटल का हंसते मुस्कराते चक्कर लगाता पर उसकी आंखें बिल्ली के समान किसी भी गलती को देखने के लिए, छोटी से छोटी कमी को भी भांपने के लिए सदैव ही खुली रहती। लांड्री से होकर वहां की इंचार्ज स्त्री से हंसकर

बातचीत कर वह बाहर गया था और वहां के फ्रांसीसी वाइन मास्टर से बातचीत करता रहा था फिर वह रेस्टोरेंट्स गया था और वहां उसने मुख्य रसोइए से आज दिन भर के खाने के मीनू के विषय में बातचीत की। वह फिर प्रेविन की ओर रिसेप्शन में आ गया था। वह उसका नित्य का नियम था।

'श्री कार्नेलिसयस वान्स की नर्स थी। श्री वान्स आ गए हैं।'

'ओह हां, श्री वान्स, वह अपाहिज साहब। वाह, खूब चयन किया उन्होंने अपने लिए नर्स का।' कहकर डूलक मुस्कराया।

'जी हां, सर।' प्रेविन गंभीरता से बोला।

डूलक वहां से लॉन की ओर चल दिया जहां वह ग्राहकों से बातचीत करना चाहता था।

पहियों वाली कुर्सी पर बैठे हुए बूढ़े ब्राडी को मैगी ढकेलकर उस कमरे की ओर ले जा रही थी। जिस ओर दोनों लड़के संकेत कर रहे थे। माइक मैगी की सहायता के लिए अपना हाथ कुर्सी के पीछे किए हुआ था। दोनों लड़के बार-बार कह रहे थे कि कुर्सी ढकेलने का काम उन्हें सौंप दिया जाए पर मैगी बार-बार उन्हें मना कर रही थी। उन्हें कमरे तक पहुंचाकर दोनों लड़के जा चुके थे। अन्दर कमरे में उनके स्वागत के लिए शौम्पेन की दो बोतलें रखी थी।

'वाह! ये हुई न बात।' ब्राडी चहका फिर माइक से बोला, 'एक बोतल खोलो तो सही।' वह फूल सूंघता हुआ बोला जिसका गुच्छा होटल वालों ने उसे होटल में प्रवेश करते समय दिया था।

प्रसन्न मैगी सुईट में चारों ओर घूमकर आश्चर्यजनक मुद्रा में सुईट का जायजा ले रही थी। सुईट में तीन बैडरूम थे, तीन बाथरूम थे और एक छोटा सा रसोईघर भी था। इस समय वे सभी बैठक में बैठे थे जो काफी बड़ा था।

वह बैठक में आई तो माइक शैम्पेन की बोतल का कार्क खोलने में जुटा था।

'संसार का सबसे बढ़िया होटल है यह।' ब्राडी चहककर बोला। वह बहुत प्रसन्न था।

सभी बैठकर शैम्पेन पी रहे थे। ब्राडी बोला, 'मैगी, तुम्हें समय नहीं नष्ट करना चाहिए। जाओ तुम होटल में इधर-उधर टहलो घूमो।'

मैगी चहकी हुई बोला, 'पहले मैं उस रिसेप्शनिष्ट के पास जाऊंगी।'

'तो फिर देर किस बात की है, जाओ भी।' ब्राडी बोला।

* * *

मैन्युअल के स्टीमर की केबिन में कल ही की तरह आज भी प्रकाश था। जब वह अंदर पहुंची तो मैन्युअल और फुन्टेस दोनों ही वहां उपस्थित थे।

'पहले मैं तुम्हारे पति का समाचार दूं तुम्हें।' मैन्युअल को बैठने का संकेत करता हुआ बोला, 'वह अभी भी बेहोश है पर उसका उपचार चल रहा है काफी मुस्तैदी से। चिन्ता की कोई बात नहीं है।'

सुनकर अनिता ने दोनों आंखें बंद कर लीं और अपने दु:ख को चेहरे पर लाने का यत्न करने लगी। मैन्युअल ने उसे घूरा। अपने पति के लिए इतने समर्पण से वह प्रभावित हुए बिना न रह सका।

पुलिस को अभी भी उसका नाम, पता आदि मालूम पड़ पाया है पर वे इसके लिए सचेष्ट है और इस मामले के बारे में चुप्पी साधे हुए है।.....अभी पेड्रो को होश आने में काफी समय लगेगा और यदि होश आ भी गया तो वह अपने बारे में इतनी जल्दी कुछ भी नहीं बताएगा। इसलिए हमारे पास अपनी योजना को क्रियान्वित करने के लिए काफी समय है।' अनिता ने उसे आशापूर्ण नजरों से घूरा, 'क्या मेरा पति बच जाएगा।' जैसे वह भगवान से बोली हो।

'हां, उस अस्पताल के एक डाक्टर से मेरी अच्छी जान पहचान है। वह कह रहा था कि यद्यपि चोट काफी गहरी है पर खतरनाक नहीं है और वह बच जाएगा।'

आंखों में भर आए आंसुओं को अनिता हाथ से पोंछती हुई बोली, 'तब?'

'हमें प्रतीक्षा करनी होगी कि पेड्रो चलने फिरने के योग्य हो जाए ताकि हमारे साथ यात्रा कर सके। जल्दबाजी दिखाना मूर्खता होगी। देखो, हमें केवल पैसे का नहीं सोचना है, साथ-साथ तुम्हारे पति का भी ख्याल रखना है।' मैन्युअल बोला।

अनिता ने हां में सिर हिलाया।

'गुड...मैंने इस मामले पर काफी सोच विचार किया है। पेड्रो को पुलिस से हथियाने के लिए हमें तगड़े दबाव का प्रयोग करना होगा।' मैन्युअल बोला।

'दबाव? अनिता आश्चर्यचकित होती हुई बोली।

'देखो, विल्बर के पिता से उसके पुत्र की जान के बदले पांच करोड़ रुपया प्राप्त करना तो आसान है पर पुलिस से प्रड्रो को हासिल करना बहुत मुश्किल है। इसके लिए हमें दबाव डालना होगा।'

'कैसा दबाव। मैं समझी नहीं?' अनिता अब भी आश्चर्य से आंखें फाड़े हुए थी।

'स्पैनिश बे होटल संसार का सबसे सुन्दर और महंगा होटल है। पर्यटक यहां ठहरकर स्वयं को बड़ा प्रतिष्ठित महसूस करते होंगे। मैंने पता लगाया है कि यदि कोई धनी पैराडाइज सिटी आकर इस होटल में नहीं ठहरता या कम से कम होटल के रेस्टोरेंट में डिनर नहीं लेता तो उसके समुदाय में उसकी काफी बेइज्जती होती है। यह भी पता चला है कि यदि स्पैनिश बे होटल बंद हो जाए तो शहर की आधी आमदनी ठप्प पड़ जाएगी। होटल का मालिक डूलक नगर के मेयर का बहुत घनिष्ट मित्र है। तो यदि हम डूलक को धमकी दें कि होटल में एक टाइम बम फिट कर दिया गया है और अगर उसने पेड्रो को पुलिस से नहीं छुड़ाया तो उस बम का विस्फोट कर होटल का विनाश कर दिया जाएगा। यह सुनकर डूलक अवश्य की मेयर से गिड़गिड़ाएगा कि वह पुलिस से कहकर पेड्रो को रिहा करवाएं।'

'पर मान लो होटल का मालिक और मेयर तुम्हारी धमकी को खोखली धमकी समझे?' अनिता ने पूछा।

'यह खोखली धमकी नहीं होगी। हम सब वहां अवश्य छुपाएंगे और वह काम तुम्हारा होगा।' मैन्युअल क्रूर हंसी हंसता हुआ बोला।

अनिता की आंखें फटी की फटी रह गईं।

'तुम्हारे पास है टाइम बम?' अनिता ने पूछा।

मैन्युअल ने हां में सिर हिलाया और बोला 'कल परसों ही में मैं दो टाइम बमों का प्रबंध करने वाला हूं। मैंने बात कर ली है। एक ऐसा व्यक्ति है जो मेरे लिए यह जोखिम उठा सकता है। जानती हो पकड़े जाने पर उस व्यक्ति को कितनी सजा हो सकती है? मैन्युअल ने बड़े गर्व से पूछा। अनिता अचम्भित बैठी उसे घूर रही थी। उसने फिर बोलना आरंभ किया, 'दोनों में से एक बम एकदम कमजोर होगा जिसके फटने से कुछ एक खिड़कियां दरवाजे आदि टूटेंगे पर दूसरा बम सर्वशक्तिशाली बम होगा। उस बम का बटन मेरे पास होगा जो मैं विल्बर के कमरे में अपने पास रखूंगा और जिसके दबाने पर वह फट जाएगा।'

अनिता स्वाभाविक आश्चर्य में प्रशंसा करती हुई बोली, 'तुम्हारी योजना वाकई जबरदस्त है।...हां, मैं उस बम को कहां छुपाऊंगी।'

'हां, अच्छा प्रश्न किया तुमने।' मैन्युअल उत्सुक होता हुआ बोला, 'देखो, छोटा वाला यानि कमजोर वाला बम तो होटल के मुख्य हाल में छुपा देना जहां होटल का रिसेप्शन वगैरह है। उसके फटने से बस धमाका होगा कोई जख्मी नहीं होगा, बस प्लास्टर उखड़ेगा एक आध खिड़की टूटेगी।'

'और बड़ा बाला बम?' अनिता रुचि लेती हुई बोली।

'इसके बारे में मैंने काफी गंभीरता से सोच विचार किया है। अब तुम्हें यह बताना है कि होटल का केन्द्र बिन्दु कहां है? मतलब यह कि होटल में ऐसी कौन सी जगह है जहां से होटल के कार्यों आदि को संचालित किया जाता है?' कहकर मैन्युअल क्षण भर के लिए रुका फिर स्वयं ही बोला, 'रसोईघर, है ना? यदि रसोईघर को नष्ट कर दिया जाए तो होटल महीनों के लिए ठप्प पड़ जाएगा।'

अनिता ने एक लम्बी सांस खींची फिर बोली, 'पर वहां बम रखना कोई आसान काम नहीं है। वहां कर्मचारियों की दिन रात ड्यूटी रहती है और रसोई चौबीसों घंटे चलती रहती है।'

'यदि तुम्हें अपना पति वापस चाहिए तो तुम्हें इस बारे में कुछ तो करना ही होगा।'

उसके जाते ही फुन्टेस बड़बड़ाने लगा, 'पागल हो। ऊंह, ये तुम पेड्रो जैसे मूर्ख को छुड़ाने के चक्कर में क्यों पड़ गए। वे बम-वम का चक्कर क्या है। अरे पैसा लो बस फूट चलो।

'नहीं, यदि मैं पेड्रो को छुड़ा सकने का दम रखता हूं तो मैं उसे अवश्य छुड़ाऊंगा... अपनी जुबान दे दी है मैंने।' वह शुष्कता से बोला।

'पर ये सब मुझे बड़ी मूर्खता की बातें लग रही हैं।' फुन्टेस मुंह बनाता हुआ बोला।

'देखो, तुम हम लोगों के संग काम करने को तैयार हो तो ठीक है वरना यहां से चलो बाहर....वैसे ही पुलिस के कुत्ते तुम्हें सूंघते फिर रहे हैं, नोंचकर खा जाएंगे।'

मैन्युअल की शुष्कता को भांपकर फुन्टेस शांत हो गया। वह भयभीत था कि यदि मैन्युअल ने उसे वाकई अपने यहां से भाग दिया तो वह बेमौत मारा जाएगा इसलिए मैन्युअल की बात मान लेने के अतिरिक्त कोई अन्य चारा न था।

* * *

पैराडाइज पुलिस ने सहायता के लिए मियामी पुलिस से छः निरीक्षक जासूस बुलवा लिए थे और

आठ जासूस पैराडाइज सिटी के थे। सभी एक काम पर लगे हुए थे और वह काम था फुन्टेस को ढूंढ़ निकालना। वे अपने साथ पेड्रो का भी एक फोटो लिए हुए थे जो उन्होंने अपने फोटोग्राफर से अस्पताल में खिंचवाया था। उसे कोई नहीं जानता था। किसी ने उसे नहीं देखा था। फुन्टेस के विषय में भी कोई कुछ बताने को तैयार न था। ये सब कुछ मैन्युअल टेरेस के इशारे पर हुआ था।

क्यूबन समुदाय पर मैन्युअल की इतनी धाक थी कि उसके आदेश पर चुप रहने में वे ऐसा महसूस कर रहे थे जैसे भगवान को खुश कर रहे हों। मैन्युअल ने आदेश देने के साथ उन्हें डरा भी दिया था कि यदि वे पेड्रो फुन्टेस के विषय में पुलिस को कुछ भी बताएंगे तो पुलिस उन्हें रोजाना तंग करेगी।

घर-घर घूमकर पेड्रो का फोटो दिखा दिखाकर सारे ही जासूस थक चुके थे किसी ने कुछ भी न बताया था।

मैक्स जैकोबी, निरीक्षण जासूस द्वितीय श्रेणी की ड्यूटी लेप्सकी, निरीक्षण जासूस प्रथम के साथ वाटरफ्रंट पर लगी हुई थी। फुन्टेस की पिस्तौल के विषय में बस इतना ही पता चल सका था कि फुन्टेस के नाम से लाइसेंस के लिए लू सैल्सिबरी नामक धनी व्यापारी ने आवेदन किया था जिसका जहाज चलता था। फुन्टेस उसके जहाज पर चौकीदारी का काम करता था और इसी के लिए सैल्सिबरी द्वारा उसे पिस्तौल दी गई थी। रिकार्ड में यह सूचना भी दर्ज थी कि सैल्सिबरी बहामसा के लिए रवाना हो गया पर लाइसेंस कैंसिल नहीं करवाया जिसका मतलब था पिस्तौल अब भी फुन्टेस के पास थी। लेप्सकी ने सोचा क्यों न जहाजों के अन्य चौकीदारों से फुन्टेस के विषय में पूछताछ की जाए शायद कोई जानता हो।

लेप्सकी च्युइंगम चबाता हुआ मैक्स के साथ चल रहा था। रात के कोई साढ़े दस बजे थे और लेप्सकी हैरी द्वारा दिए गए उन डिनर पैकेट के बारे में सोच-सोचकर लार टपका रहा था जो वह कल क्लब के काउंटर पर छोड़कर भाग चला था।

'मुर्गे और मशरूम का पैकेट साथ में शराब भी, वह भी व्हाइट शराब, उफ।' वह बुदबुदाया।

'अरे भाई जाकर मांग लो, हैरी ने उसे फ्रिज में रखवा दिया होगा पर मुझे भी साथ ले चलना डिनर के लिए।' जैकोबी बोला।

'खाने के बारे में बहुत सोचते रहते हो, मैक्स। नीयत जले कही के।' लेप्सकी बड़बड़ाया।

उत्तर में मैक्स का ठहाका गूंजा।

दोनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। सामने बैंच पर दो व्यक्ति बैठे बीयर पी रहे थे। दोनों के पास पिस्तौल थी। वे रह रहकर सामने बंधे स्टीमरों की ओर देख लेते।

लेप्सकी उन दोनों के पास पहुंचकर अपना परिचय दिया और उन्हें पेड्रो का फोटो दिखाया। उनमें से एक मोटे ने फोटो देखा और साथ वाले को दे दिया। पतला वाला नवयुवक बोला, 'बिल्कुल बिल्कुल, यह फुन्टेस की फोटो है। सैल्सिबरी का चौकीदार था वह, है ना जैक?' वह मोटे की ओर देखता हुआ बोला।

'अरे वह क्यूबन?' मोटा चिल्लाया, 'क्या हुआ उसे?'

'हम लोग उससे कुछ सूचना लेना चाहते हैं...क्या आप लोग बता सकते हैं वह कहां मिलेगा?'

लेप्सकी ने पूछा।

'अब वह यहां काम नहीं करता। महीनों से उसे नहीं देखा।' फिर पतला वाला युवक लेप्सकी की ओर मुड़ता हुआ बोला, 'आप मैन्युअल टेरेस से बात कर लीजिए। वह फुन्टेस का बहुत अच्छा मित्र है। हां...थोड़ा आगे जाकर नारियल का बड़ा पेड़ मिलेगा...उसके पास उसका स्टीमर बंधा होगा...किसी से पूछ लीजिएगा।'

'मैन्युअल टेरेस?....कौन है यह?' लेप्सकी ने पूछा।

'वह भी क्यूबन ही है और लगभग सारे क्यूबन्स को जानता है वह।'

लेप्सकी ने दोनों चौकीदारों को धन्यवाद कहा फिर मैक्स जैकोबी के संग आगे बढ़ गया।

'चलो, इस टेरेस के यहां का झुरमुट दिखाई पड़ रहा था पर उसमें एक बहुत लम्बा पेड़ दिखाई पड़ रहा था। नीचे पानी में बीसियों स्टीमर बंधे पड़े थे। गर्मी के कारण दोनों उबलते पसीने से बहुत परेशान थे।

एक काले रंग की तगड़ी क्यूबन स्त्री उनके बगल से उन्हें घूरती हुई आगे बढ़ गई। दोनों जासूस क्या जानते थे कि वह पेड्रो की पत्नी थी। उन्होंने सोचा, होगी कोई वेश्या।

पूछते-पाछते आखिर वे मैन्युअल के स्टीमर तक पहुंच ही गए। स्टीमर के दोनों ओर कई अन्य स्टीमर और नावें बंधी पड़ी थी। और अंधेरा था, बस केवल उसी जहाज के केबिन से प्रकाश छन रहा था। अनिता ने नीचे से ही आवाज लगाई, 'मैन्युअल टेरेस...पुलिस।'

अन्दर बैठे मैन्युअल और फुन्टेस हाथों में गिलास थामे बस चियर्स कर व्हिस्की का घूंट मारने ही वाले थे कि उन्हें लेप्सकी का जोरदार स्वर सुनाई दिया।

फुन्टेस का दमकता चेहरा सफेद पड़ गया। हाथ। पैर फूलने लगे उसके।

'प-प-प-पु-पु-पुलिस।' वह हकलाया।

मैन्युअल ने उसे घूरा फिर उसकी पीठ थपथपाते हुए धीरे-से बोला, 'घबराओ मत, मैं संभाल लूंगा।' कहकर वह उठ खड़ा हुआ और मेज हटाकर फुन्टेस से बोला, 'यह लकड़ी उठाओ, घबराओ मत, दरवाजा है यह अन्दर घुस जाओ और चुपचाप पड़े रहो।' फुन्टेस ने जैसे ही दरवाजा उठाया अंदर से सड़ी (मछलियों की) गंध का भभका निकला। दोनों ने नाक दबा ली। नाक दबाए-दबाए फुन्टेस अंदर घुस गया। मैन्युअल ने दरवाजा बंद कर मेज वापस रख दी और बाहर आ गया।

'तुम्हारा ही नाम टेरेस है?' लेप्सकी और मैक्स जहाज पर चढ़ आए थे।

'हां, कहिए, क्या सेवा कर सकता हूं मैं आपकी।'

'तुमसे कुछ बातें करनी हैं। कहकर लेप्सकी ने उसे अपना परिचय पत्र दिखाया फिर क्षण भर रुककर वह पुलिस वालों की रूआबदार आवाज में बोला, 'राबर्टो फुन्टेस कहां है?'

'आपका मतलब है, मेरा दोस्त राबर्टो?' कहकर मैन्युअल मुस्काराया।

'हां, पुलिस उसे एक हत्या के सिलसिले में ढूंढ रही है। तुम जानते हो कहां है वह?'

‘हत्या?’ उसने आश्चर्यचकित होने का नाटक किया फिर बोला, ‘ओह…यह बात है…तभी कहूं कि..।’

‘क्या?’

‘वह…मेरे पास कल रात आया था। काफी परेशान लग रहा था। मुझसे उसने कहा कि वह हवाना जा रहा है और उसे कुछ पैसों की आवश्यकता है। मेरा अच्छा मित्र था सो मैंने उसे सौ डालर दे दिए और वह चला गया…..एक बोट पर।’

‘कैसी बोट?’ लेप्स की कुंठित और चिड़चिड़े स्वर में बोला।

‘वह तो मैं नहीं जानता। बंदरगाह में उसके पचासों जानने वाले थे…और फिर हर क्यूबन एक दूसरे की सहायता करना अपना धर्म समझता है। वहीं किसी ने हवाना जाते जहाज पर बिठा दिया होगा उसे।’ मैन्युअल कंधा उचकाता हुआ बोला।

‘तुम झूठ बोल रहे हो।’ लेप्सकी उसे घूरता हुआ तेज स्वर में बोला।

‘मिस्टर आप इस इलाके में किसी से भी पूछ सकते हैं कि मैन्युअल टेरेस कभी झूठ नहीं बोलता। आइए मेरे जहाज की तलाशी ले लीजिए।’ वह केबिन की ओर इशारा करता हुआ बोला फिर कुछ सोचकर पूछा उसने ‘तलाशी का वारंट तो होगा आपके पास?’

लेप्सकी चिड़चिड़ा गया, ‘मैं तुझसे अंतिम बार पूछा रहा हूं, फुन्टेस तेरे जहाज में छुपा है कि नहीं?’

‘कहा ना कि नहीं इस समय तो वह हवाना में अपने घर वालों के साथ बैठा होगा…खैर वारंट दीजिए। आइए, आप ऐसे ही तलाशी ले लीजिए, आइए।’

लेप्सकी ने सोचा कि यदि उसने तलाशी ली और फुन्टेस नहीं मिला तो यह चालाक व्यक्ति मेयर से शिकायत कर सकता है कि मैंने पुलिस का कानून तोड़ा है। इसलिए उसने सोचा कि वह जाकर चीफ से बात करेगा।

‘हो सकता है यह सच बोल रहा हो।’ जैकोबी बोला। वे जहाज से दूर आ गए थे।

‘मैं नहीं समझता कि वह सच बोल रहा था।’ लेप्सकी क्रोध से तेज स्वर में बोला।

4

मारिया वारेन्टन ने विल्बर से जिद की कि आज वह एम्प्रेस रेस्टोरेंट में डिनर लेगी। विल्बर को आश्चर्य हुआ क्योंकि वह बड़ा शांत रेस्टोरेंट था। वहां संगीत आदि का कोई हिसाब किताब नहीं था इसके अतिरिक्त वह केवल होटल में ठहरे हुए लोगों के लिए था। बाहरी कोई भी उसमें नहीं जा सकता था।

'पर वहां तो केवल बूढ़े-बुढ़िया ही होंगी...चलो कहीं और डिनर ले, जहां संगीत हो नाच गाना हो।' वह टाई बांधता हुआ बोला।

'नहीं, हम आज वहीं डिनर लेंगे। मैं उन बूढ़ियों को दिखा देना चाहती हूं मेरे पास उनसे अधिक और उनके कही बहुमूल्य हीरे जवाहरात हैं।' वह ढिठाई से बोली।

'जैसी तुम्हारी इच्छा।' विल्बर हथियार डालता हुआ बोला, 'तो मैं जेवरों वाल वह डिब्बा ला दूं?' कहकर वह तिजोरी के पास पहुंचा जो उसके कमरे की दीवार में ही फिट थी। उसे खोलकर उसने उसमें से मखमल का बड़ा सा डिब्बा निकाला उसे लाकर मारिया को देकर फिर अपनी टाई आदि ठीक करने लगा। आंख के कोनों से वह मारिया को सजते धजते देखता रहा। अपने पिता द्वारा दिए गए हीरे जवाहरात के जेवरों को वह एक-एक कर संभाल संभालकर पहनती और स्वयं को दर्पण में निहारती जा रही थी।

ब्राडी की पहियों वाली कुर्सी धकेलती हुई जब मैगी एम्प्रेस रेस्टोरेंट में पहुंची तो अन्दर तहलका सा मच गया। सारी टेबलें लगभग भर चुकी थीं। चारों ओर बूढ़े और बुढ़िया ही दिखाई पड़ रहे थे। बैरे लोग इधर-उधर भाग दौड़ रहे थे। मोटा स्टीवार्ड टेबल-टेबल घूमकर आर्डर्स नोट कर रहा था। सारे लोग घूम घूमकर उन्हीं दोनों को देख रहे थे। मोटा स्टीवाई उनकी ओर भागकर आया और एक मेज की ओर संकेत करता हुआ बोला, 'मिस्टर वान्स! आपको यहां देखकर बड़ी प्रसन्नता हुई। आपका टेबल आरक्षित है।' कहकर उसने एक बैरे को संकेत से अपने पास बुलाया और उसे यह कहकर कि मेहमान का ख्याल करो, वह वहां से चल दिया।

'कृपया कर मैडम, आज्ञा कीजिए।' वह बहुत अदब से बोला।

'नहीं, मैं स्वयं ही....।' कहकर वह ब्राडी की पहियों वाली कुर्सी को धकेलती हुई अपनी आरक्षित मेज की ओर चल दी।

उपस्थित लोगों की नजरें अब भी उन्हीं की ओर थी। कुछ लोग फुसफुसा भी रहे थे कौन है यह साहब, यह सुनकर नर्स, शायद अभी नए-नए आए है, आदि।

जब वे अपनी मेज पर आकर बैठ गए तो एक बैरे ने उनके समक्ष मीनू लाकर रखा।

'तुम यहां से जाओ मैं जानता हूं मुझे क्या खाना है, चलो।' ब्राडी बूढ़ों की आवाज बनाता हुआ बोला।

मैगी ने बैरे की ओर ऐसे देखा मानों कह रहा हो बुड्ढा सनकी है तुम यहां से रफूचक्कर हो जाओ।

'उस बेचारे पर क्यूं भड़क गए?' वह फुसफुसाई।

'चुप करो। मैं जानता हूं मुझे क्या करना है।' कहकर वह मीनू पर नजरें दौड़ाने लगा। आइटम्स के आगे लिखे मूल्यों को पढ़कर उसकी आंखें खुली की खुली रह गयीं। 'ये लोग तो दिन दहाड़े लूट रहे है।' बुदबुदाकर उसने मैगी से कहा, 'अच्छा हम लोग सोलड़े को आर्डर कर देते हैं।' उसकी एक प्लेट पैंतीस डालर की थी।

मैगी का चेहरा उतर गया, बोली, 'डार्लिंग! मैं तो चिकन मैरीलैंड खाऊंगी।'

'कीमत देखी है उसकी?'

'कुछ भी हो मैं तो वही खाऊंगी। करोड़ों की चोरी करने चले हो और...।' वह मुंह बनाती हुई बोली।

'जानती हो, यदि हम लोगों की यह योजना विफल हो गई तो मुझे तुम्हारे खाने पीने का खर्च अपनी जेब से देना पड़ेगा।

'विफल। तुमने तो...।'

'चुप करो।' ब्राडी ने उसे बीच में झिड़क दिया। 'नर्स बनकर रहो वरना सारा मामला गड़बड़ हो जाएगा। तुम बात तभी करो जब मैं तुमसे बात करूं, समझी?'

जब तक खाना नहीं आ गया मैगी बैठी स्लाइस पर मक्खन लगाती रही। खाना खाते समय ब्राडी कनखियों से हाल में उपस्थित लोगों पर नजर दौड़ाता रहा। 'एड ठीक ही कहता था' वह फुसफुसाकर बोला, 'इस समय करोड़ों रुपये के हीरे होंगे इस छोटे से हॉल में और वह देखो।' वह आंखों के इशारे से मैगी को दायीं ओर वाली टेबल पर बैठी बुढ़िया को देखने को बोला, 'कम-से-कम पांच लाख का तो उसी का हार होगा।'

हाल में बैठे लोगों में अकस्मात ही तलहका मच गया।

हाल में उपस्थिति लगभग सभी लोगों की दृष्टि प्रवेश द्वारा की ओर केंद्रित थी और चारों ओर कानाफूसी चल रही थी। स्टीवार्ड उठकर प्रवेश द्वारा की ओर भागा और उसके संग दो बैरे भी बढ़ गए।

विल्बर और मारिया ने हाल में प्रवेश किया था।

मारिया अति आकर्षक लग रही थी। उसने शरीर पर लदे हीरे-जवाहरात के सामने हाल में उपस्थिति अन्य लोगों के हीरे जवाहरात फीके पड़ गये थे।

'भगवान तेरी लीला अपरम्पार है।' ब्राडी बुदबुदाया, 'वह देख रही हो नेकलस। कम से कम बीस लाख का होगा और बो इयरिंग। कम से कम दस लाख बाप रे कुल मिलाकर करोड़ों के हीरे इस अकेली छम्मक छल्लो ने पहन रखे हैं।'

मैगी खाने में व्यस्त थी। उसे बहुत भूख लगी थी। उसने गर्दन उठाकर देखा मारिया कुर्सी पर बैठ रही थी। 'चुड़ैल लग रही है...पर जो कपड़े पहने हुए है बहुत सुन्दर है मुझे भी ऐसे ही कपड़े अच्छे लगते है'। वह मुंह में कौर भरे-भरे बोली। पर ब्राडी उसकी बातें नहीं सुन रहा था। उसका दिमाग तो

कहीं और था। वह मन ही मन उन हीरों की कुल कीमत का अंदाजा लगा रहा था जो वह युवती पहने हुए थी। पता लगाना आवश्यक था कि आखिर कौन है वह। वह इन्हीं सोच विचारों में गुम था कि मोटा स्टीवार्ड आ गया और बड़े अदब से पूछा, और कुछ श्रीमान....?'

'कॉफी।' कहकर वह फिर मारिया को देखने में लग गया। मौका गनीमत मैगी ने जल्दी-जल्दी दो तीन महंगी डिशों का आर्डर कर दिया। ब्राडी को तभी पता चल पाया जब बैरा उन्हें लाकर मेज पर सजाने लगा। उसने अपने क्रोध पर नियंत्रण रखते हुए बैरे से पूछा, 'ये लोग कौन हैं जो अभी अभी आए हैं?'

'मिस्टर और मिसेज विल्बर वारेन्टन, सर।'

'देर से पहचानने की कोशिश कर रहा हूं। याद नहीं आ रहा कहां देखा है।' वह झूठ-मूठ बोला।

'हनीमून मना रहे हैं और दस बारह दिन यहीं रहेंगे।'

'काफी आकर्षक जोड़ा है।' कहकर वह कॉफी की चुस्की मारने लगे। जब बैरा चला गया तो मैगी पर लगभग बरस सा पड़ा पर धीरे धीरे ताकि दूसरे सुन व लें, 'जानती हो इन सब पर कितना पैसा खर्च हो गया होगा? कम से कम सौ डालर।' वह धीरे से गुर्राया।

मैगी मजे ले लेकर खाने में लगी थी। ब्राडी की फटकार का उस पर कोई प्रभाव नहीं दिखा रहा था। वह उसकी ओर केक बढ़ाती हुई बोली, 'डार्लिंग, चखकर देखो।'

'शटअप।' वह फिर गुर्राया। उसका मस्तिष्क तो कहीं और था। वह वारेन्टन के विषय में सोच रहा था जिसके बारे में वह बराबर ही समाचार पत्रों में पढ़ा करता था। बहुत दिमाग खपाने पर उसे याद आया कि वारेन्टन कोई नेता या प्रोफेसर नहीं वरन तेल का अरबपति व्यापारी था। फिर यदि उसकी बहू इतने हीरे लादे हुए है तो कोई आश्चर्य की बात नहीं।

ब्राडी का मस्तिष्क सक्रिय हो चुका था। उसने सोचा, यदि केवल इस स्त्री के हीरे हड़प कर लिए जाएं तो भी करोड़ों का मामला बन जाएगा। हडन की योजना यद्यपि उसे पसन्द थी पर फिर भी तिजोरी तोड़ना और उसमें से डिब्बे निकालना काफी अनिश्चित सा काम लग रहा था क्योंकि अभी तक यही पता नहीं चल पाया था कि तिजोरी है कहां। और इधर यह काम तो काफी आसान सा था। उसने निर्णय कर लिया कि वह इस विषय पर हडन से बात अवश्य करेगा पर पहले वारेन्टन जोड़े के कमरे का पता लगाकर...यह भी पता लगाना था कि मारिया इन हीरों को होटल की तिजोरी में रखती है या अपने बैडरूम में ही। धनी और वो भी जवान स्त्रियों की आदत से खूब परिचित था वह। उसके विचार में सारी धनी जवान लड़कियां लापरवाह और आलसी होती थीं। रोज रात को होटल की तिजोरी में हीरे रखना फिर दूसरे दिन शाम को वहां से लाना काफी सरदर्दी का काम था और संभव नहीं था कि यह धनी युवक जोड़ा ऐसा करता होगा। मुंह चलाती मैगी को झिड़कते हुए बोला, 'अब खा भी चुको, कमरे में चलना है।'

मैगी उसकी पहियों वाली कुर्सी धकेलती जैसे ही आगे बढ़ी एक बैरा भागा आया और बोला, 'मैं सहायता करूं?'

'नहीं, जाओ यहो से तुम।' ब्राडी भड़का।

हाल में उपस्थित लगभग सारे ही लोग उन्हें घूर रहे थे। मैगी कुर्सी धकेलती हुई मारिया और विल्बर की मेज के पास से गुजरी। मेज पर एक बर्तन में बर्फ का चूरा पड़ा था और उसमें कैवियर शराब की एक बोतल रखी थी। मैगी के मुंह में पानी आ गया। उसने शराब का नाम सुन रखा था पर मंहगी होने के नाते उसने कभी पी न थी।

कमरे में वापस आने पर उसने कमरे के चारों ओर के पर्दे गिरवा दिए फिरे अपनी पहियों वाली कुर्सी से उठा, तगड़ी स्काच तैयार की और गिलास लेकर आराम कुर्सी में धंस गया।

'मैगी। ये नर्स की यूनिफार्म उतारो अब, दूसरा कपड़ा पहन लो। सूचनाएं एकत्रित करना आरंभ कर दो और हां, माइक को भी ढूंढकर लाओ। मैं उससे बातें करना चाहता हूं।'

दस मिनट बाद नीले कपड़े पहने मैगी बैडरूम से निकली और सुईट के बाहर चल दी।

लगभग बीस मिनट बीत गए और इस बीच ब्राडी निरंतर विचारों में गुम रहा कि माइक आ गया। वह अब भी ड्राइवर की वर्दी में था।

'आओ, आओ, माइक....वहां से अपने लिए स्कॉच ले लो।'

'नहीं, धन्यवाद।' कहता हुआ वह ब्राडी के सामने पड़ी कुर्सी पर बैठ गया। दरवाजा पहले ही बंद करता हुआ आया था।

'हिसाब किताब कैसा चल रहा है?' ब्राडी ने पूछा।

'ठीक-ठीक। कर्मचारियों के लिए यहां काफी सुविधाएं हैं। पार्क के उस कोने में कर्मचारियों के लिए रेस्टोरेंट है। काफी अच्छा भोजन मिलता है वहां। वहीं से डिनर लेकर आ रहा हूं। मेरी वाली मेज पर होटल का एक सुरक्षा गार्ड भी खाना खा रहा था। उसने अनुमान लगा दिया कि मैं फौजी हूं। वह भी फौज में सार्जेन्ट रह चुका है। काफी बातूनी आदमी है। जब मैं वहां पहुंचा तो दूसरा वाला गार्ड खाना खाकर जा रहा था। वह पटनम से उम्र में बड़ा है। दोनों में बिल्कुल नहीं पटती।' माइक ने विस्तार से बताया।

'गुड...।' बोला ब्राडी, उससे ऐसे ही बातचीत करते रहो....माइक मैं एक जोड़े के बारे में जानना चाहता हूं, वे अभी भी रेस्टोरेंट में बैठ हैं। मिस्टर और मिसेज वारेन्टन। करोड़ों रुपये के हीरे पहने हुए है वह स्त्री। पता यह लगाना है यदि लगा सको कि वह अपने ये जेवरात होटल की तिजोरी में गार्ड्स से रखवाती है या स्वयं अपने बैडरूम में रखती है। जल्दबाजी मत दिखाना। काफी समय है हमारे पास। बस उसको खूब बातें करने का अवसर दो और किसी प्रकार उकसाकर वारेन्टन का जिक्र छेड़ दो। उससे बता दो कि तुम्हारे मालिक के परिचित हैं वे दोनों। उन दोनों गार्डों पर कड़ी नजर रखो, सुना है काफी चुस्त है दोनों।'

माइक ने हां में सिर हिलाया। उसकी पीड़ा आरंभ हो चुका थी। वह कुर्सी पर कसमसाया। फिर खड़ा होता हुआ बोला, 'अच्छा, आज रात की ड्यूटी पर पटनम यहीं होगा मैं उससे बातचीत चलाऊंगा। थोड़ी हवाखोरी कर लूं।' कहकर वह दरवाजे की ओर चल दिया।

ब्राडी को एकाएक लगा कि तगड़े और हृष्ट-पुष्ट दिखने वाले इस व्यक्ति के साथ कोई न कोई गड़बड़ी अवश्य है। उसे माइक की डूबी आंखें, पीला चमड़ा और चेहरे पर निरंतर आता रहता पसीना

याद आ गया। उसने सोचा वर्षों तक वियतनाम में रहा होगा इसलिए कोई बीमारी हो गई होगी।

* * *

केबिन में वापस आकर मैन्युअल ने मेज हटाया, लकड़ी का पट ऊपर उठाया और एक हाथ अंदर देकर फुन्टेस को बाहर निकलने में सहायता करने लगा। फुन्टेस भय से कांप रहा था।

'क...क...क्या हुआ?' वह हकलाया।

'मैंने उन्हें झूठ बोलकर टाल दिया..पर आखिर कब तक? ... क्या तुम तैर सकते हो?'

फुन्टेस की आंखों में गहरा अचम्भा आ गया। वह हड़बड़ाता हुआ बोला, 'हां, पर क्यों?'

'हो सकता है ऐसी आवश्यकता पड़ जाए। वह पुलिस वाला बहुत बदमाश है, अच्छी तरह जानता हूं मैं उसे।' कहकर उसने लाइट बुझा दी फिर वह दबे कदमों से बाहर निकल आया। नीचे झांका, सामने रास्ते से थोड़ी दूर हटकर लट्ठे पर बैठा जैकोबी सिगरेट पी रहा था। देखकर वह वैसे ही दबे पांव केबिन में वापस आ गया, 'तैरना तो आता ही है तुम्हें? .... देखो वे घंटे भर के अन्दर तलाशी का वारंट लेकर आ जाएंगे और स्टीमर का चप्पा-चप्पा छान मारेंगे।'

'पर...पर...तैरकर कहां जाऊंगा मैं?' फुन्टेस बुरी तरह भयभीत था।

'कोई विशेष दूर नहीं। यहां से तीसरी नाव तक। उसका मालिक मेरा अच्छा मित्र है। उससे बता देना कि मैंने तुम्हें भेजा है। फिर जब तुम देख लो कि मेरे केबिन की लाइट बुझ गई है, वापस आ जाना, समझे?'

बिगलर को फोन करने के घंटे भर के अंदर-अंदर उसने सर्च वारंट बनवा, दो जासूसों को मैन्यूअल के स्टीमर के लिए रवाना कर दिया था। मैन्युअल के अनुमानुसार उसके स्टीमर की पूरी तलाशी ली गई। जहां फुन्टेस छुपा था। यदि वहीं छिपा होता तो अवश्य ही पकड़ गया होता। तलाशी के बाद मैन्युअल कुंठित लेप्सकी को देखकर मुस्कराया था और बोला था, 'कहा ना मैं झूठ नहीं बोलता। फुन्टेस अपने घर हवाना चला गया है।'

लगभग आधे घंटे पश्चात फुन्टेस जहाज पर वापस आ गया था।

'अब ये पुलिस वाले हमें नहीं परेशान करेंगे।' मैन्युअल ने कहा था।

* * *

आधी रात के आसपास स्पैनिश बे होटल के रसोई में जो तूफानी भाग दौड़ थी वह मद्धिम पड़ चुकी थी। मुख्य रसोईया और उसका सहायक दोनों ही घर जा चुके थे। केवल तीसरा रसोइया बच गया था। उसकी ड्यूटी प्रात: साढ़े पांच बजे तक की थी। खाने-पीने का अधिकतर काम समाप्त हो चुका था। अब केवल वही लोग शेष रहे गए थे जो शहर में मौज मस्ती कर रात को विलम्ब से लौटते और खाने पीने का आर्डर देते।'

लगभग डेढ़ बजे बर्तन धोने वाले और दूसरे सफाई कर्मचारी भी घर चले गए। लेट सर्विस के लिए अब केवल दो बैरे और एक रसोइया बच गए थे।

तीसरा रसोइया, डोमिनीक डेजेल, लगभग तीस वर्ष की आयु का नाटा खोटा पर आकर्षक दिखाने वाल व्यक्ति था। उसे बस एक ही बात की चिन्ता खाए रहती थी कि वह अपनी नाटी मां पर जाने की बजाय अपने लम्बे-चौड़े बाप पर क्यों नहीं पड़ा था। जैसा कि उसका भाई जो पैरिस के एक दो स्टार होटल का मुख्य रसोइया था।

डोमिनीक भी पहले पैरिस ही के होटल में काम करता था पर उसे वहां से डूलक यहां तीसरा रसोइया बनाकर ले आया था।

स्पैनिश बे होटल में वेतन काफी मिलता था और काम का वातावरण भी बढ़िया था। उसके अतिरिक्त आधी रात से सुबह तक वह रसोई का राजा होता था और रात में कोई अधिक काम नहीं करना पड़ता था इसलिए अधिकतर समय वह अपने आफिस में पड़ा नॉवल व पत्रिकाएं पढ़ा करता था और अपना अलग एक रेस्टोरेंट खोलने का सपना देखा करता था। एक आध घंटे में कहीं एक बार कोई टेलीफोन आता और वह आर्डर के हिसाब से रसोई में जाकर डिश बना देता फिर वापस ऑफिस में आ जाता।

आज की रात कुछ अधिक ही शांत रात थी। नित्य की तरह आज भी पड़ा वह नॉवल पढ़ रहा था और रह-रहकर घर जाने के विषय में सोच रहा था पर पैसे की कमी को सोचकर वह फिर नॉवल पढ़ने में लग जाता। उसके कार्यालय से दूर रसोई में पड़े दोनों बैरे भी ऊंघ रहे थे।

रात का ढाई बज रहा था। अनिता सर्टिस वहां आ गई मानो कोई भूत हो नंगे पांव धीरे-धीरे। अंदर आकर उसने रसोई का दरवाजा धीरे से बंद कर लिया।

रात की ड्यूटी समाप्त कर घर जाने की बजाय वह नीचे जाकर स्त्री कर्मचारियों वाले कक्ष में घूस गई थी। वहां से रसोई एकदम पास में थी बस एक गलियारा पार करना पड़ता था। स्त्रियों वाले कक्ष के शौचालय में वह इस प्रतीक्षा में घंटों बंद रही थी कि कब वह बाहर निकले।

लगभग दो पच्चीस पर वह शौचालय से बाहर निकली थी। कुछ देर खड़ी कान लगाए सुनती रही कि होटल में शोर शराबा भाग दौड़ है या नहीं फिर निश्चिन्त होकर वह रसोई की ओर चल दी थी। वह जानती थी कि इस समय होटल का नाइट डिटेक्टिव (रात की ड्यूटी पर जासूस) कहीं आसपास ही होगा।

होटल के इस जासूस जोश पैस्काट से वह बहुत भय खाती थी। वह भूतपूर्व पुलिस अधिकारी था और अपना काम बड़ी गंभीरता से करता था। होटल के पचासों कर्मचारियों को वह हेराफेरी में पकड़ चुका था इसलिए अनिता क्या उससे तो सभी भय खाते थे। वह निरंतर होटल में इधर-उधर राउंड पर रहता था। होटल का कोई ऐसा कोना न होता जहां वह रात में जा-जाकर कई बार न झांकता। लम्बा चौड़ा और उल्लू की आंखों का स्वामी था वह जासूस।

दरवाजे के पल्लों को धीरे-से बंद कर कुछ क्षण वह सोचती रही कि वह बम कहा रखा जाएगा पर कुछ समझ न आ रहा था उसको। धड़कते हृदय के साथ वह स्टोर की ओर बढ़ गई। वहां लाइन से बनी बड़ी अलमारियों पर बहुत बड़े-बड़े डिब्बे रखे पड़े थे। उसने आटे वाले डिब्बे को खोलकर अंदर झांका कि उसे किसी के आने की आहट सुनाई पड़ी। उसने डिब्बा बंद कर दिया। आने वाला स्टोर ही की ओर आ रहा था। उसने हड़बड़ाकर इधर-उधर देखा पर छिपने की कोई जगह नहीं दिखाई पड़ी।

पैस्काट की सोचकर वह बुरी तरह सहम गई। साहस कर वह स्टोर से बाहर निकल आई और कोई चारा भी न था, सामने डोमिनीक खड़ा था।

'अनिता....तुम ? तुम यहां क्या कर रही हो ?'

वह जबदस्ती मुस्कराती हुई उसकी ओर बढ़ी।

'तुम्ही को ढूंढ रही थी।'

डोमिनीक का बहुत दिनों से अनिता पर मन था पर कभी-कभी अकेले में बस वह टांगों पर हाथ फिरवाकर रह जाती बस और डोमिनीक दिल मारकर रह जाता। क्या करता आखिर कभी आराम से बिल्कुल एकांत में कोई मौका भी नहीं मिला था और आज वह अवसर आ गया। सोचकर वह मन ही मन खुश हो गया। उसे पूरा विश्वास था कि वह उसी के लिए यहां आई है और इतनी रात गए आने का मतलब साफ था। उसने उसे पकड़कर भींच लिया और स्कर्ट में दोनों हाथ डालकर उसके उभारों को मसलने लगा।

अनिता को उलझन सी होने लगी पर वह आंखें बंद किए खड़ी रही...'पेड्रो मेरे पेड्रो मुझे क्षमा कर देना यह सब तुम्हारी ही खातिर कर रही हूं भगवान साक्षी है।' मन में सोचा उसने।

'आओ, आफिस चले, यहां कोई आ जाएगा।' वह फुसफुसाया। फिर वह उसकी पीठ पर हाथ रखता हुआ अपने ऑफिस की ओर ले जाने लगा।

उसके साथ जाते समय अनिता प्रसन्न भी थी कि उसे बम छुपाने का उपयुक्त स्थान समझ में आ गया है।

ऑफिस में पहुंचकर डोमिनीक ने दरवाजा बंद कर लिया।

'मेज घर लेट जाओ, जल्दी करो वरना कोई आ जाएगा।'

अनिता बिफरती हुई बोली, 'नहीं, इस प्रकार नहीं।'

'तो... ?' वह उसके ऊपर वासना भरे हाथ फिरता हुआ उखड़ती सांसों के बीच बोला।

'बिस्तर पर, आराम से।' अनिता इठलाई।

डोमिनीक के लिए फोन की घंटी ऐसी सिद्ध हुई जैसे घूंसा।

'दो व्यक्तियों के लिए आमलेट, समोसे और कॉफी। कमरा नम्बर सात।' डोमिनीक को अपनी नौकरी सेक्स से कहीं अधिक प्यारी थी। वह अनिता को यह बोलकर कि तुम यही बैठो...तुम्हारे लिए भी खाने का सामान लेता हुआ जाऊंगा। वह रसोई चल दिया।

अनिता पैर दबाकर निकली और नजर बचाकर बाहर भाग निकली।

* * *

दो दिन बीत गए थे।

पुलिस फुन्टेस को ढूंढ़ते ढूंढ़ते हार चुकी थी और अब उन्हें विश्वास हो चला था कि वह वाकई

हवाना भाग गया है।

पेड्रो अभी भी अस्पताल में बेहोश पड़ा था जहां पुलिस का एक निरीक्षक उसकी निगरानी पर था।

अनिता मैन्युअल से मिलती रही थी और होटल में अपनी ड्यूटी भी कर रही थी। मैन्युअल ने उसे समझा दिया था कि अब वह उसके स्टीमर पर न आए। कल रात उन दोनों की मुलाकात वाटरफ्रंट के एक बार में हुई थी। उसने मैन्युअल से बताया था कि बम आटे के डिब्बे में छिपाया जा सकता है। मैन्युअल ने उसे बताया था कि बम अभी नहीं मिले हैं पर कल मिल जाएंगे।

इन दो दिनों में मैगी और ब्राडी ने भी काफी सूचनाएं एकत्रित कर ली थीं। ब्राडी ने निर्णय कर लिया था कि वह हडन से अवश्य बात करेगा जो इसी नगर के दूसरे बड़े होटल 'बेलेविव' में ठहरा हुआ था याट क्लब के पास एक महंगे होटल में जहां केवल समुद्री खाने मिलते थे।

स्पैनिश होटल से लगभग नौ बजे बाहर निकलते ही उसने बूढ़े को मेकअप हटाकर अब सूट और हैट पहन लिया था और टैक्सी से उस होटल की ओर चल पड़ा जहां हडन ने मिलना तय हुआ था।

हाथ वगैरह मिलाने की औपचारिता के बाद दोनों ने शराब की चुस्की लेना आरंभ किया और हडन के पूछने पर ब्राडी ने रिपोर्ट दी। वह बोला, 'मैगी काफी कुछ कर रही है। उसने वहां के रिसेप्शनिस्ट को अपने जाल में फंसा लिया है और धीरे-धीरे मामला बनने की पूरी आशा है पर तिजोरी का अभी तक पता नहीं चल पाया है। मैंने मैगी से कहा है कि वह जल्दबाजी न दिखाए। माइक ने भी दो में से एक गार्ड से मित्रता गांठ ली है।'

'तुम जो कुछ बता रहे हो, लू। उससे पता चलता है कि कोई विशेष तरक्की नहीं की है तुम लोगों ने। जानते हो एक एक दिन का कितना पैसा लग रहा है उस होटल में।'

'ठीक है पर पैसा खर्च नहीं होगा तो मिलेगा कैसे?' कहकर ब्राडी ने शराब की एक चुस्की लगाई और सामने रखा लाबस्टर खाने लगा। हडन मुंह बनाए बैठा था, 'क्या तुमने सिलास वारेन्टन का नाम सुना है?' ब्राडी ने पूछा।

'कौन नहीं जानता? क्या कहना चाहते हो तुम।' हडन बिफर पड़ा।

ब्राडी बैठा खाता रहा फिर हडन का बिगड़ता मूड देखकर बोला, 'उसका लड़का और बहू स्पैनिश बे होटल में ठहरे हुए हैं। यानी हनीमून मना रहे हैं। उस लड़की के पास हीरे ही हीरे हैं।'

'वारेन्टन स्पैनिश बे होटल में है?' हडन चौंके बिना न रह सका। 'जानते हो लू, उन हीरों की बाजार में क्या कीमत है? आठ करोड़ रुपये।' हडन बोला।

अबकी ब्राडी के चौंकने की बारी थी। खाना छोड़ वह हडन को घूरने लगा और मन ही मन अपने को मूर्ख समझने लगा कि उन हीरों की कीमत उसने बीस-तीस लाख रुपये सोची थी।

हडन ने फिर कहा, 'उस लड़की के पास एक चौड़ा नेकलेस, एक ब्रेसलेट और दो इयरिंग रही होंगी?'

'हां, यही पहनकर आज वह खाना खा रही थी।' ब्राडी थूक निगलता हुआ बोला।

'वो सब उसके पिता गोम्ज ने उसे शादी के तोहफे के तौर पर दिया है। उसने ये सब दस करोड़ में

खरीदा है पर ठगा गया है तो भी उनकी कीमत किसी भी हालत में आठ करोड़ से अधिक नहीं। मैं तो उस हीरों के पीछे सालों से था पर क्या बताऊं...खैर तुम आगे बताओ, तो वह आज अपने नए पति के साथ खाना खाने आई थी?' हडन बोला।

'हां, पिछले दस दिनों से वे वहां ठहरे हुए हैं। देखो, एड। हम लोगों की मूल योजना तो होटल की तिजोरी लूटने की थी जिसमें हमारे हाथ लगभग पांच करोड़ का माल हाथ लगता....योजना तो बिल्कुल ठीक है पर तिजोरी का अभी तक पता नहीं चल पाया है और फिर जोखिम भी बहुत अधिक है। तुम्हारी क्या राय है हम लोग इस योजना को गोली मार दें और वारेन्टन के हीरों के पीछे लग लें?' कहकर ब्राडी ने हडन को घूरा जो उसे बड़ी दिलचस्पी से देख रहा था। उसने फिर कहना शुरू किया, 'माइक ने मुझे बताया कि वह हीरे होटल की तिजोरी में न रखकर अपने बैडरूम में रखती है। होटल के मालिक डूलक ने भी उसको समझाया कि उसे होटल की तिजोरी में ये हीरे रख देने चाहिए पर उसने उसकी एक न मानी तंग आकर डूलक ने उसके कमरे में एक तिजोरी फिट करवा दी जिसमें वह हीरे रखती है।'

'सेफ?' हडन ने भौचक्का हो पूछा।

'तो क्या? संसार का कोई सेफ। नहीं जिसे में तीन मिनट के अन्दर अन्दर न खोल दूं।' ब्राडी बड़े गर्व से बोला।

हडन कुछ देर सोचता रहा फिर बोला, 'बस समस्या केवल इस बात की है कि वे हीरे हम बेचेंगे कहा..खैर मैं क्लाड केन्डरिक से बात करके देखूंगा। वह सहायता कर सकता है।'

ब्राडी प्रसन्न था कि हडन उसकी बात मान गया था।

'पर तुम एक काम करो।' हडन फिर बोला, 'उस तिजोरी का भी पता चला लो। साथ-साथ दोनों काम हो जाएं तो क्या हर्ज है। तिजोरी का पता लग जाए तो मुझसे फिर मिलना, बात हो जाएगी। तो ठीक है कल रात यहीं मिलते हैं मैं केन्डरिक से बात करके देखूंगा और तुम सब तब तक तिजोरी का पता लगा लेना। ओ. के. मिलते हैं।' हडन बोला।

'ओ.के.!' ब्राडी खड़ा हो गया।

* * *

कर्मचारियों वाले रेस्टोरेंट में डिनर करके माइक और मैगी दोनों आकर लॉन में बैठकर पिछले एक घंटे से बताचीत कर रहे थे।

मैगी को वह व्यक्ति दिन ब दिन अच्छा लगता जा रहा है। उसे देखकर मैगी को अपने पिता की याद आ जाती। वो भी फौज में सार्जेन्ट थे पर गबन के केस में उनकी फौज से निकाल दिया गया था। फिर उनकी हत्या हो गई थी। मां से उनकी कभी नहीं पटती थी। पीने के बाद उनका व्यवहार ही बदल जाता था पर होश में उन जैसा कोमल कोई व्यक्ति ही न था। उसके पिता की यातनाओं से तंग आकर उसकी मां का देहांत हो गया था। कुछ वर्षों पश्चात उसके पिता भी चल बसे और वह इस संसार में बिल्कुल अकेली रह गई। जब उसके पिता का स्वर्गवास हुआ था तब उसकी आयु तेरह वर्ष की थी। वह इस कमसिन आयु में ही घर से भाग निकली और एक घनी व्यक्ति के घर का काम करने लगी।

वह व्यक्ति अय्याश था और उसने मैगी को अपने जाल में फंसा लिया। जीवन के बहुत से कड़वे पाठ उसने उसी घर से सीखे थे और सेक्स भी। उकताकर वह वहां से भाग निकली और कालगर्ल बन गई। फिर उसके बाद ब्राडी से उसकी मुलाकात हुई।

बातों के दौरान मैगी ने माइक को अपनी पूरी कहानी सुना दी और फिर माइक ने भी अपनी आपबीती छुपाए न रखी। दर्द भरी मैगी की कहानी सुनकर आंखों में आंसू छलछला आएं। बातों-बातों में माइक ने उससे पूछ लिया कि ब्राडी जवान है या वाकई बूढ़ा है। मैगी ने उसे सत्यता बता दी। अभी वे बातचीत कर ही रहे थे कि ब्राडी आता दिखाई पड़ा। मैगी तो उसे पहचान गई पर माई नहीं क्योंकि वह बूढ़े के मेकअप में नहीं था। वह लॉन में रुके बगैर कमरे की ओर चल दिया। मैगी भी उठकर उसके पीछे-पीछे चल दी। माइक ने सोचा, होगा कोई जिसे मैगी ने इसी होटल में पटा लिया होगा।

अन्दर पहुंचकर माइक जल्दी जल्दी अपना मेकअप करने लगा। वह नहीं चाहता था कि उसका यह असली रूप माइक देखे क्योंकि ब्राडी कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता था मान लो कभी वह पुलिस के हाथ पड़ गया और ब्राडी का सही हुलिया उसने बता दिया।

'क्लाड प्रेविन के संग तुम्हारा मामला कैसा चल रहा है?' वह दाढ़ी लगाते हुए बोला।

'अरे वह तो मेरा दीवाना हो गया है...पर तुम गए कहां थे?' मैगी चहकती हुई बोली।

'ये सब छोड़ो, तुम ये बताओ इस समय तो वह ड्यूटी पर होगा नहीं?... कहां मिलेगा?'

'क्यों ?'

'तुम उससे जाकर अभी मिलो।'

'अभी?'

'हां, अभी।'

'पर, लू यह कोई समय है...?'

'शटअप, मैंने कहा ना, अभी, फौरन अभी।'

'पर मुझे तो केवल उसका फोन नम्बर मालूम है।'

'तो फोन करके उससे कहो कि तुम उससे फौरन मिलना चाहती हो, समझी...मैं चाहता हूं तुम आज उस खुश कर दो...य....य....यानी उसके संग हमबिस्तर हो लो....और फिर जब वह तुमसे संतुष्ट हो जाए तो तिजोरी के बारे में पूछो।'

मैगी की आंखें खुली की खुली रह गयीं।

'क्या कह रहे हो तुम, लू?' वह बौखलाई।

'उसने कहा।' ब्राडी उसकी प्रतिक्रिया की परवाह न करते हुए बोला, 'कि तुम्हारा मालिक अपनी पुत्री के लिए कुछ हीरे जवाहरात खरीद रहा है इसलिए वह होटल की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानना चाहता है। समझी?'

'पर...पर...पर क्या मैं यह काम कल नहीं कर सकती जब वह ड्यूटी पर होगा। कोई आवश्यक

है कि मैं उसके संग सहवास करूं?'

'नहीं, आज और अभी....और तुम्हें उसे खुश भी करना होगा ताकि कभी पुलिस ने उससे पूछताछ की तो वह कुछ बोलने के बजाय अपना मुंह बंद रखे।' ब्राडी दहाड़ा।

* * *

दूसरी शाम जैसा कि तय हुआ था एड हडन समुद्री खानों वाले होटल में कोने वाली मेज पर बैठ मार्टिंग शराब की चुस्की ले लेकर ब्राडी की प्रतीक्षा कर रहा था।

आखिर प्रतीक्षा के क्षण समाप्त हुए और ब्राडी आ गया। उसकी बैठते ही होटल को एक बैरा दौड़ा दौड़ा आया। चिकन मैरीलैड ब्राडी न उसे आर्डर दिया।

'मेरे लिए भी।' हडन भी बोल पड़ा।

जब दो चार पैग गले से उतार चुका तो वह सामने रखे चिकन पर टूट पड़ा। हडन खा कम रहा था और ब्राडी को घूर अधिक रहा था। फिर हडन ने चारों ओर दृष्टि दौड़ाई, आसपास की मेजों पर कोई न था। लोग दो चार मेज छोड़कर दूर-दूर बैठे थे। बैरे भी उधर ही लगे थे। संतुष्ट होकर हडन बोल पड़ा, 'होटल की तिजोरी का कुछ पता चला?'

ब्राडी ने मुर्गे की टांग छुरी तले दबायी, कांटा फंसाया और टांग का एक भाग मुंह में रखता हुआ बोला, 'वह बड़ा स्वादिष्ट है ये मुर्गा तो।' हडन ने अपने जीवन में इतना पेटू व्यक्ति नहीं देखा था, खैर। वह उसकी आदत से परिचित था। हडन धीरज से काम लेता हुआ चुपचाप बैठा रहा फिर तीन चार मिनट बाद बोला, 'तिजोरी....?'

'ऊंह हूं,... खा तो लेने दो।' ब्राडी झुंझलाया...फिर गंभीर होता हुआ बोला, 'जानते हो एड...बचपन में हफ्तों भूखा रहा हूं... किसी दिन यदि दो रोटी सब्जी मिल जाती तो मैं स्वयं को संसार का सबसे भाग्यशाली आदमी समझता। मेरी मां भूख बर्दाश्त न कर दम तोड़ गई इसलिए मैं जानता हूं भोजन का क्या महत्व है।'

हडन पर इस दर्द भरी कहानी का कोई प्रभाव न पड़ा। वह क्रोध से बोला, 'लू! मैं पूछ रहा हूं तिजोरी का क्या रहा?'

'वह...वह उस मंजिल पर है जिस मंजिल पर वारेन्टन का कमरा है। पहले मैं सोच रहा था रिसेप्शन डेस्क के कही आसपास होगी।'

'अच्छा।' हडन रुचि लेता हुआ बोला।

फिर ब्राडी गर्व से उसे यह बताने लगा कि किस प्रकार उसने मैगी को रिसेप्शनिस्ट के साथ सोने पर विवश कर दिया, किस प्रकार मैगी ने सफलतापूर्वक अपना काम पूरा किया।

तिजोरी वाले कमरे में एक विशेष लिफ्ट द्वारा पहुंचा जाता है। रात को सोने से पहले होटल में टिके यात्री अपने अपने बक्सों में जो उन्हें होटल द्वारा दिया जाता है और जिस पर नम्बर पड़ा होता है, ताला लगाकर उन्हें गार्ड को दे देते हैं। उसके बदले में यात्रियों को होटल वाले एक रसीद देते हैं। और फिर ये सारे बक्से उसी विशेष लिफ्ट के द्वारा तिजोरी के कमरे तक लाए व ले जाएं जाते हैं। बक्से

ले जाने का यह काम ग्यारह बजे रात्रि से दो बजे तक चलता रहता है। दो बजे यह सेवा समाप्त कर दी जाती है और तिजोरी वाले कमरे में ताला लगा दिया जाता है। मैगी के बहुत अनुरोध करने पर क्लाड प्रेविन तैयार हो गया कि वह उसको और उसके मालिक को यानि मुझे तिजोरी वाला कमरा तो क्या तिजोरी ही दिखा देगा। मैगी ने उसके संग एक और रात गुजारने का वायदा कर लिया है। तिजोरी काफी मजबूत है...खैर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं तोड़ूं या खोलूं पर सबसे बड़ी समस्या यह है कि तिजोरी तोड़कर उसमें से बक्से निकालकर हम होटल के बाहर कार तक कैसे लाएंगे इसी पर गौर से विचार करना है।' ब्राडी बोला।

'खैर, कोई न कोई तरकीब तो सोची ही जाएगी।' हडन बोला, 'मैं केन्डरिक से मिला था। उसने वायदा किया है कि वह वारेन्टन के हीरों के बदले पांच करोड़ दे देगा। इसका मतलब है उसे लगभग छः करोड़ तक मिल जाएगा। पर बक्सों वाले हीरों को खरीदने के लिए वह तैयार नहीं है। वह कह रहा था इससे शहर में काफी खलबली मच जाएगी और पुलिस को उसी पर संदेह होगा....खैर इसके लिए मैं कोई और खरीददार ढूंढूंगा।'

'इसलिए तो कहता हूं कि इस तिजोरी का चक्कर छोड़ा जाए और बस वारेन्टन वाला ही काम पूरा किया जाए।' ब्राडी बोला।

'फिर तुमने मूर्खता की बात शुरू कर दी। और जब तिजोरी का पता चल ही गया है तो क्यों न लगे हाथों उसे भी साफ कर लिया जाए। जानते हो दोनों काम हो जाने पर हम दोनों के भाग में आठ-आठ करोड़ रुपये आएंगे।'

'आठ करोड़?' ब्राडी के मुंह में पानी आ गया।

'हां अच्छा तुम उस तिजोरी के विषय में और जो कुछ जान पाए हो, सब बताओ।' हडन बोला।

'जो लिफ्ट तिजोरी वाले कमरे तक जाती है वह नीचे से ऊपर जाने के बजाए ऊपर से नीचे को आती है अर्थात् उसका प्रवेश द्वारा बिल्कुल अंतिम मंजिल पर है और लिफ्ट के दरवाजे के बाहर 'सर्विस' लिखा है। वह केवल उस मंजिल तक ही आती है जिस मंजिल पर तिजोरी वाला और वारेन्टन का कमरा है। प्रेविन हम दोनों को अपनी मंजिल पर लिफ्ट के दरवाजे पर ले गया। मैगी मेरी व्हील चेयर धकेलकर मुझे वहां ले गई। प्रेविन ने लिफ्ट के दरवाजे का ताला खोला और मैगी ने मेरी पहियों वाली कुर्सी अन्दर कर दी। लिफ्ट बटन दबाने के बजाए चाबी से चलती है क्योंकि वह केवल दो मंजिलों के बीच ही रहती है। प्रेवीन के पास उस ताले की चाबी रहती है। उसने लिफ्ट में बने ताले वाले छेद में चाबी लगाकर घुमाई और लिफ्ट चल दी और तिजोरी वाले कमरे में पहुंचकर रुक गई। तिजोरी वाले कमरे में लिफ्ट के आने जाने के स्थान के अतिरिक्त कोई दरवाजा और खिड़की नहीं थे। हां, ऊपर छत में एक दरवाजा अवश्य दिखाई पड़ा जो शायद एमरजेंसी दरवाजा है और आग लगने या लिफ्ट के फेल जो जाने की सूरत में भाग निकलने के लिए बनाया गया है।' ब्राडी ने बताया।

वह फिर खाने में जुट गया।

'अरे तुमने वे बक्से देखे जो तिजोरी के अंदर रखे थे।

'बिल्कुल! उनका ताला खोलना चुटकियों का काम है मेरे लिए।'

मान लो तिजोरी में बीस बक्से हैं। उन सारे बक्सों के ताले खोलने में तुम्हें कितनी देर लगेगी?'

ब्राडी कुछ सोचने लगा फिर बोला, 'आधा घंटा।'

'तो यह कैसा रहेगा कि वारेन्टन के हीरे उड़ाने के बाद तुम तिजोरी वाले कमरे में घुसो, तिजोरी तोड़ो या खोलो एक एक कर बक्सों का ताला तोड़ो फिर हीरे किसी बैग वगैरह में रखकर भाग लो?' हडन बोला।

'इस पर तो फिर सोच विचार करना होगा मुझे।'

'मैं भी जरा केन्डरिक से और बात कर लूं....तो फिर परसों रात को यहीं मिलते हैं?' हडन बोला।

'प-परसों रात?....ठीक है।' ब्राडी बोला।

5

सूर्य का दहकता गोला धीरे-धीरे समुद्र में दूर-दूर तक दिखाई देने वाले पानी के हाशियों के पीछे निरंतर छुपता जा रहा था। पूर्ण सूर्यास्त होने में केवल चन्द ही मिनट शेष रहे होंगे और मैन्युअल टेरेस कंधे पर जाल टांगे अपने स्टीमर की ओर बढ़ता जा रहा था। रास्ते भर क्यूबन लोग उसे सलाम बन्दगी कर टोकते जा रहे थे।

अपने जहाज के पास पहुंचकर उसने चारों ओर देखा कि कहीं पुलिस का कोई जासूस आदि तो नहीं छुपा हुआ है। संतुष्ट होकर उसने सीटी बजाई जो ऊपर केबिन में अंधेरे में बैठे फुन्टेस के लिए थी कि वह समझ जाए कि मैन्युअल आ रहा है। उसने फुन्टेस से चेतावनी दे रखी थी कि उसकी अनुपस्थिति में वह भूलकर भी केबिन की लाइट न जलाए।

केबिन में पहुंचकर उसने दरवाजा अंदर से लगाया फिर बिजली जला दी। फुन्टेस जो लकड़ी के धरातल पर दरी बिछाए पड़ा था उठ बैठा। बड़ी देर कर दी?' उकताया हुआ बोला।

'आज रात खूब बढ़िया भोजन करेंगे हम लोग।'

मैन्युअल उसकी उकताहट का अनुमान लगाकर उसे प्रसन्न करने के लिए बोला, 'चिकन, पनीर आदि।'

'नहीं दोस्त, बस मुझे तुम शरण दिए हुए हो यही काफी है और एहसान....।'

'क्या बकवास कर रहे हो तुम....मित्र मित्र के काम नहीं आएगा तो कौन आएगा।' मैन्युअल ने उसे प्यार से झिड़का।

फुन्टेस संदिग्ध हुए बिना न रह सका। आज मैन्युअल उस पर इतना मेहरबान क्यों है। भय का साया उसकी आंखों के समक्ष नाचने लगा। उसने मैन्युअल के चेहरे को गौर से देखा-परेशान चेहरा, माथे पर सिलवटे और फिर मैन्युअल ने इससे पहले तो इतने प्यार से उससे बात न की थी। ठीक है वह उसका मित्र था पर मैन्युअल के प्यार दिखाने का तरीका कुछ और ही था, यह नहीं।

'बात क्या है?' फुन्टेस ने पूछा।

'पहले पेट भर भोजन कर लें। भूख लगी है।' मैन्युअल पेट पर हाथ सहलाता हुआ बोला।

'पहले तुम यह बताओ कि बात क्या है।' फुन्टेस उसके उड़े चेहरे पर से बिना नजरें हटाए बोला।

मैन्युअल ने उसकी बात सुनी अनसुनी करते हुए जाल खोला फिर खड़ा होकर अलमारी में लगा ताला खोलने लगा।

'आखिर बात क्या है बताते क्यों नहीं?' फुन्टेस भड़क उठा। 'बम....बम लाया हूं।' कहकर वह सामने लम्बी मेज पर रखे गैस के चूल्हें को जलाने लगा।

'तो?' फुन्टेस भयभीत होता हुआ फुसफुसाया।

‘खाने के बाद बात होगी।’

‘लगभग चालीस मिनट बाद दोनों मेज पर आमने सामने बैठे दारू की चुस्की लगाकर मुर्गा तोड़ रहे थे। फुन्टेस खाने पीने पर बुरी तरह टूटा पड़ रहा था पर साथ में मैन्युअल की चुप्पी से वह भयभीत भी था।

मैन्युल, आखिर अब तो बताओ बात क्या है?’

‘व....व....व....वह मरने वाला है।’ मैन्युअल हकलाया।

‘त...त...तुम्हारा मतलब है....? पेड्रो?’

‘और कौन?’ मैन्युअल ने उसे घूरा फिर बोला, मैंने अपने जान-पहचाने वाले उस डाक्टर से बात की थी। कह रहा था उसके बचने की कोई आशा नहीं है। बस एक सप्ताह या अधिक से अधिक दो सप्ताह का मेहमान है वह।’

फुन्टेस के चेहरे पर से भय गायब हो गया। वह खाने का मजा लेता हुआ बोला, ‘इसका मतलब है अब हमें बमों की कोई आवश्यकता नहीं।’

‘तुम भूल रहे हो कि अनिता के जरिए हम लोगों को होटल के उस कमरे में पहुंचना है।’ मैन्युअल बोला।

दोनों शांत खाते रहे। मैन्युअल फिर बोला, ‘और तुम जानते ही हो अनिता की शर्त क्या है। उसे पैसा नहीं अपना पति पेड्रो चाहिए और अपने वायदे के मुताबिक मैं पेड्रो को वापस नहीं ला सकता क्योकि वह मर रहा है। इसलिए मैं अनिता वाली इस योजना से अब बाहर हूं।’

‘तो... तो फिर उन पांच करोड़, रुपयों का क्या होगा जो हम हथियाकर हवाना भगाने वाले थे।’ फुन्टेस बौखलाया।

‘पागल हो। ईमानदार बनने के चक्कर में तुम मूर्ख बनते जा रहे हो। जानते हो चार करोड़ रुपयों की क्या कीमत होती है। इन रुपयों से तुम यह टूटा फूटा स्टीमर फेंककर बड़ा जहाज खरीद सकते हो। ईमानदारी और सच्चाई से भला किसने पैसा कमाया है कि तुम कमाओगे? खैर, अपनी बात छोड़ो, क्या तुम नहीं चाहते कि तुम्हारा बूढ़ा बाप इस बुढ़ापे में मजदूरी छोड़कर आराम करे?’

‘हां-हां, सब ठीक है पर तुमने चार करोड़ क्यों कहे। मामला तो पांच करोड़ का है।’ मैन्युअल कुछ सोचता हुआ बोला।

‘उसमें से एक करोड़ मैं जो ले लूंगा।’ फुन्टेस गंभीरता से बोला।

‘ओह।’ मैन्युअल ने हथेली से पसीना पोंछते हुए कहा।

‘पर मैं, मैं....यह...यह कैसे कर सकता हूं?’

‘अनिता से झूठ बोलकर...कि उसका पति बिल्कुल ठीक है।’ फुन्टेस ने लोहा गरम देखकर चोट मारी।

‘पर मेरी अंतरात्मा मुझे हमेशा दुतकारती रहेगी।’

'बकवास बंद करो। जब पेट में खाना न हो तो आत्मा और अन्तरात्मा भी साथ नहीं देता।'

मैन्युअल चुप हो गया। उसका खाने में मन नहीं लग रहा था। उसके मस्तिष्क में केवल दो ही बातें थी चार करोड़ रुपया और अनिता से झूठ।

लगभग दस मिनट बाद वह फुन्टेस से बोला, 'मैंने सोच लिया है। तुम ठीक कहते हो पर बम वाला काम हमें करना ही होगा क्योंकि यदि अनिता को थोड़ा सा भी संदेह हो गया तो सारा मामला चौपट हो जाएगा। हो सकता है पेड्रो कल ही मर जाएगा। इसलिए जितनी जल्दी हो सके हमें सब कुछ कर लेना चाहिए। जाओ तुम सो जाओ, मुझे अभी आधे घंटे बाद अनिता से मिलना है।'

'पिस्तौल की भी आवश्यकत पड़ेगी उसमें?'

'सब प्रबन्ध कर लूंगा मैं, तुम सो जाओ।'

लगभग आधे घंटे बाद वह अनिता के घर के दरवाजे पर खड़ा खटखटा रहा था। अनिता ने दरवाजा खोला। मैन्युअल को उसे देखकर ऐसा लगा मानो वह सालों से बीमार हो। वह उस पर नजर डालता हुआ बिना कुछ बोले अंदर चला गया। अनिता दरवाजा बंद कर पलटी और बौखलाकर बोली, 'पेड्रो कैसा है?'

'हां, उसी के बारे में बताने आया हूं। ठीक ठाक है वह मैं अस्पताल से ही आ रहा हूं। मेरी जान पहचान वाला डाक्टर कह रहा था कि उसको होश आ गया है और दो तीन दिनों में वह चलने फिरने के योग्य हो जाएगा।'

अनिता ने उसे कड़ी नजरों से घूरा।

'मैं नहीं मानती। इतनी गंभीर हालत है उसकी और दो तीन दिनों में...यह कैसे हो सकता है?' वह कड़े स्वर में बाली।

'तुम नहीं जानती अनिता, उसका कैसा उपचार हो रहा है। बहुत बढ़िया अस्पताल में है वह। पर तुम्हें अपने पति पर गर्व होना चाहिए कि होश में आने पर भी वह अपना मुंह नहीं खोल रहा है। पुलिस अभी तक नहीं जानती कि वह कौन है।...जानती हो क्यों..? तुम्हारे लिए....तुम्हें बचाने के लिए।' मैन्युअल बिना उसकी ओर देखे हुए बोला।

अनिता का चेहरा आंसुओं से भर चुका था। वह सिसकती हुई अन्दर सोने वाले कमरे में भाग गई।

मैन्युअल खड़ा सोचता रहा कि क्या वह जीवन में कभी स्वयं को इस पाप के लिए क्षमा कर सकेगी।

दरवाजे पर आकर उसने अंदर झांका। अनिता घुटनों के बल झुककर भगवान इशु की मूर्ति के समक्ष अपने पति की प्राण रक्षा के बदले प्रार्थना कर रही थी।

लगभग दस मिनट बाद जब वह अंदर वाले कमरे से बाहर निकली, मैन्युअल अपनी आंखों पर विश्वास न कर सका। आंखों में आंसू का नाम तक न था। बाल संवर चुके थे। चेहरा धुला धुला सा ताजा लग रहा था। कपड़ा भी दूसरा पहने हुए थी वह। मैन्युअल उसे देखकर मन ही मन खुश हो गया.... यह सोचकर कि अब वह उसकी बातों को ठीक से सुन समझ सकेगी।

‘भगवान ने मेरी सुन ली है....आखिर क्यों न सुनता वह, बहुत गिड़गिड़ाई थी उसके सामने मैं। रात भर रोई थी। अब मैं जल्द से जल्दी पेड्रो को घर लाने का बंदोबस्त करना चाहिए।’

‘हां...पर इन दो दिनों में बहुत से काम करने है।’ कहकर मैन्युअल ने अपने पतलून की बायीं जेब में हाथ डालकर सिगरेट के पैकेट के आकार का एक डिब्बा निकाला ओर बोला, ‘यह छोटा बम है इसे रिसेप्शन के आसपास कहीं छुपा देना।’ फिर अपनी दायीं जेब में हाथ डालकर वह एक बड़ा सा पैकेट निकालता हुआ बोला, ‘और यह बड़ा रसोई में रखने के लिए...और मेरा ख्याल है इसका प्रयोग करना कोई आवश्यक नहीं होगा, छोटा ही वाला फोड़ने पर अपना काम बन जाएगा।’ फिर उसने अपनी जाकेट की जेब से कैलकुलेटर जैसा एक छोटा पतला प्लास्टिक का डिब्बा निकाला और उस पर लगे दो लाल बटन अनिता को दिखाता हुआ बोला, ‘ऊपर वाला बटन दबाने में छोटा वाला बम फूट जाएगा और नीचे वाला दबाने से बड़ा वाला। यह मेरे ही पास रहेगा और बम तुमको दिए जा रहा हूं।’

अनिता ने किसी सिपाही के समान निडर होकर दोनों बम पकड़ लिए, मैं इन्हें रख दूंगी। वह विश्वास से बोली।

‘ठीक है तो कल लगभग आधी रात के आसपास मैं और फुन्टेस तुम्हारे यहां आएंगे। हम लोगों को वारेन्टन के कमरे में पहुंचवाने का बंदोबस्त कर देना।’

अनिता उसकी बांह पर अपना हाथ रखते हुए बोली, ‘मुझे तुम पर पूरा विश्वास है मैन्युअल। यदि फुन्टेस यही बात कहता तो मुझे एकदम विश्वास नहीं होता।

‘सब ठीक हो जाएगा अनिता। अच्छा तो कल रात। कहकर वह वहां से चल दिया। अनिता दरवाजे पर खड़ी उसे जाते देखती रही जब वह नजरों से ओझल हो गया तो वह दरवाजा बंद कर अपने शयनकक्ष में वापस आ गई। मेज का दराज खोला और उसमें रखा एक लम्बा चाकू निकाला। यह चाकू पेड्रो ने बुरे समय के लिए रख रखा था। जोश पैस्काट, होटल का जासूस, यदि वह उसके रास्ते में आएगा तो वह उसे मार देगी। सोचकर उसने चाकू हाथ में विश्वास के साथ पकड़ लिया।

काली जींस और काला बुश्शर्ट पहनकर उसने जींस में चाकू खोंस लिया फिर ऊपर से लम्बा स्वेटर पहन लिया और बमों के पैकेटों को उसने प्लास्टिक के एक थैले में रख लिया।

रात के सवा बजे का समय था।

बाहरी दरवाजे में ताला लगाकर वह स्पैनिश बे होटल चल दी।

* * *

प्रत्येक मनुष्य की कोई न कोई कमजोरी अवश्य ही होती है और जोश पैस्काट की कमजोरी थी उसके सिद्धांत और औरत। वहां तक कि वह स्वयं इस बात को स्वीकार करता था कि औरत उसकी कमजोरी है। पर होटल का नाइट डिटेक्टिव होने के नाते उसकी दूसरी कमजोरी थी होटल में रात भी इधर उधर मंडराना।

यह जान लेने के बाद कि यह व्यक्ति खतरनाक है माइक बैनियान को उसके पूरे कार्यों की

जानकारी प्राप्त करनी पड़ी थी। और इस काम में उसे खून पसीना एक करना पड़ा था। रात्रि के एक बजे वह होटल के गलियारों में मुआयने पर होता। लगभग एक बजकर चालीस मिनट पर वह रिसेप्शन के पास और विभिन्न रेस्टोरेंट्स में होता और दो बजे रसोइयों में। पौने तीन बजे स्विमिंग पूलों और होटल के बड़े पार्क का निरीक्षण करता वह।

ठीक पौने तीन बजे मैगी बड़े स्विमिंग पूल के पानी में कूद गई। जाहिर है कि रात्रि के इस समय आसपास कोई न था। यह तैरती रही और पैस्काट खडा उसे घूरता रहा।

पहले तो उसने सोचा होगा, कोई नकचढ़ी अधेड़ या बूढ़ी पर जब मैगी पानी से वापस निकलकर दुबारा कूदने के लिए प्रकाश के बड़े डंडे के नीचे आकर खड़ी हुई तो पैस्काट उसे अपलक घूरता रहा गया। चुस्त सी पोशाक के अतिरिक्त उसके सेक्सी शरीर पर और कुछ न था। और ब्राडी खूब जानता था इसका पैस्काट पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मर्द जाति को अपने तीखे हुस्न के जाल में फंसाने वाली यह स्त्री खूब जानती थी जाल कैसे और कब फेंकना है। पानी में फिसलकर गिरने का अभिनय कर वह हल्के से चिल्लाई और धीरे धीरे तैरकर सीढ़ियों के पास आकर अपना पैर दबाने लगी। पैस्काट लपककर उसके पास पहुंच गया। दूर अंधेरे में खड़ा ब्राडी संतुष्ट होकर कि पैस्काट अब यहां मैगी के पिंजरे में थोड़ी देर फड़फड़ाएगा, वहां से चल दिया।

रिसेप्शन के पास अभी भी थोड़े बहुत लोग थे पर लगभग सभी ही पिये हुए थे और अपने अपने कमरों में जाने से पूर्व एक दूसरे को चिल्ला चिल्लाकर शुभरात्रि कह रहे थे।

इस समय वह बूढ़े के भेष में न होकर खिचड़ी बालों वाला फ्रेंचकट दाढ़ी रखे अधेड़ आयु के व्यक्ति का मेकअप किए हुए था। बिना किसी हिचकिचाहट के वह लिफ्ट की ओर बढ़ गया। अंदर घुसकर उसने अंतिम मंजिल का बटन दबा दिया। जाहिर है कि आसपास उपस्थिति पिए हुए मस्त लोगों के पास इतना समय कहां था कि वह उस पर ध्यान देते और देते भी तो क्यूं।

चार मिनट बाद वह उस लिफ्ट के दरवाजे का ताला खोल चुका था जिस पर 'सर्विस' लिखा था और दरवाजा खोलकर वह लिफ्ट तक पहुंच गया था जो तिजोरी वाले कमरे को जाती थी।

लिफ्ट में लगे ताले वाले छेद में पतला लोहा डालकर लिफ्ट चलाने में उसे कई मिनट लग गए। वह जानता था कि इस समय तक तिजोरी में सारे बक्से आदि रखे जा चुके होंगे।

तिजोरी के पास पहुंचकर उसने बत्ती जला दी और उसमें लगे तीन जटिल तालों का निरीक्षण किया। कोई विशेष समस्या नहीं थी। बस उसे एक लोहे की पतली सींक को थोड़ा टेढ़ा करके अंदर डालना था। उसे तो अब केवल छत में लगे दरवाजे में दिलचस्पी थी।

दरवाजे में एक ओर दो नट बोल्टों को खोलकर उसने दरवाजा धीमे से नीचे किया और लोहे की दिख रही सीढ़ी पर चढ़ता हुआ ऊपर आ गया। अब होटल की छत पर था। वह ऊपर चांद और खुला आकाश सामने छोटी छोटी बत्तियों की रेखाएं और समुद्र। आगे बढ़कर उसने वारेन्टन के सुईट की बाल्कनी में झांका। बालकनी से लगे कमरे की खिड़कियों और दरवाजे से प्रकाश छनकर निकल रहा था। दरवाजे के पास किसी व्यक्ति की छाया दिख रही थी जो अब धीरे धीरे बड़ी होती जा रही थी फिर उसने नीचे देखा, मारिया वारेन्टन के शरीर पर हीरे लदे थे और उसके अतिरिक्त कुछ न था

यानि वह बिल्कुल नंगी होकर अपने हीरों की गहने पहनकर घूम रही थी।

ब्राडी की आंखें चांदनी में दमदाते हीरे को देखकर चुधियां गयी। फिर विल्बर हाथों में कैमरा लिए बाल्कनी पर आ गया। साथ में फ्लैशगन लगी थी।

रेलिंग के पास खड़ी होकर मारिया ने पोज दिया और विल्बर का कैमरा चमक उठा कई बार। फिर वे एक दूसरे बांहों डाले अंदर कमरे में चले गए। कमरे की बत्ती बुझ गई और बाल्कनी पर चांदनी के अलावा कोई प्रकाश न रह गया।

थोड़ी देर प्रतीक्षा के पश्चात् वह ऊपरी छत से पाइप के द्वारा धीरे से बाल्कनी पर उतर गया।

कमरे की खिड़कियों में लगे शीशे के बड़े-बड़े पट खुले पड़े थे। वह मन ही मन मुस्कराया काम इतनी आसानी से हो जाएगा उसे विश्वास न था। वह बहुत आहिस्ता से बैठक में घुस गया। मेज पर हीरे के जेवर लापरवाही से पड़े हुए थे।

ब्राडी का मन हुआ कि वह इन हीरों पर झपट पड़े पर यह सोचकर कि हडन तिजोरी वाले और ये हीरे दोनों साथ चाहता है। वह वहां से मन ही मन यह कहता हुआ कि 'ठीक है कल रात' चल दिया।

तिजोरी वाले कमरे में वापस आता हुआ आकर छत का दरवाजा सावधानी से बंद करता हुआ वह लिफ्ट के द्वारा अंतिम मंजिल तक आया। दरवाजे को बंद किया जिस पर 'सर्विस' लिखा था फिर सामान्य लिफ्ट से यह नीचे आ गया।

थोड़ी देर बाद वह अपने कमरे में था। लगभग बीस मिनट बाद मैगी भी आ गई और उसके बगल में लेटती हुई बोली, 'वह तो बड़ा पुराना खिलाड़ी लगता है। मुझे पार्क के पीछे झाड़ियों में ले गया। कल रात भी बुलाया है।'

'गुड कल तो जाना ही जाना है तुम्हें।' खैर, तुम कपड़े तो बदल लो, अन्दर भीगी चिकनी पहने हुए होगी।'

मैगी वहां से उठकर बाथरूम चली गई। ब्राडी का दिमाग उन हीरों पर चला गया तो वह वारेन्टन के कमरे से पड़ा देख आया था। क्या कल रात भी हीरे उसी तरह फेंके पड़े रहेंगे? कहीं उसने आज हीरे छोड़कर मूर्खता तो नहीं की? सोचकर उसके माथे पर पसीना आ गया।

* * *

काले कपड़ों में होने के नाते अनिता नजर बचाकर स्विमिंग पूल तक आने में सफल हो गई। कर्मचारियों के प्रवेश द्वार से होटल से अंदर जाने के लिए स्विमिंग पूल के पास से होकर जाना पड़ता था।

दूर स्विमिंग पूल पर लगे हण्डो के प्रकाश में जोश पैस्काट को देखकर वह ठिठक गई। वह पूल की सीढ़ियों पर झुका किसी हसीन लड़की से बातें कर रहा था। फिर उसने दोनों को पूल के उस ओर पार्क वाली झाड़ियों की ओर बढ़ते देखा। दोनों एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए थे। वह धीरे से स्टाफ द्वारा की ओर खिसक गई। डुप्लीकेट कुंजी की सहायता से दरवाजे का ताला खोलकर वह अंदर चली गई। दरवाजे को अंदर से बंद किया फिर अंधेरे गलियारे से होती हुई रसोई की ओर चल दी।

रसोई का दरवाजा खोलकर उसने अंदर झांका। प्लेटो, छुरियों और कांटे, चम्मचों की रखने उठाने की आवाजें सुनकर उसे समझने में देर न लगी कि दोनों बैरे स्टिल कक्ष में कुछ खाना-पीना ले जाने की तैयारी में है। पर डोमिनीक, रसोईया कहां है? वह सोचने लगी।

वह धीरे से लगभग अंधेरी पड़ी रसोई में घुस गई। तिरछी नजर से अपने अपनी दायीं ओर देखा दूर आफिस में डोमिनीक मेज पर बैठा कुछ लिख रहा था।

दबे कदमों से तेज-तेज चलती हुई वह भण्डार में पहुंच गई। आटे वाले डिब्बे का ढक्कन उठाकर उसने पास पड़ी लम्बी कड़छल से आटे में काफी गहराई तक गड्ढा कर दिया। बम का बड़ा वाला पैकेट उसमें रखकर उसने आटे का धरातल बराबर किया ओर ढक्कन गिरा दिया। पास पड़े गंदे कपड़े में हाथ पोछा और भण्डार से बाहर आ गई।

रसोई के दफ्तर के फोन की घंटी बजने लगी और वह तेज कदमों से दरवाजे की ओर बढ़ गई और रसोई से बाहर आ गई।

रिसेप्शन लगभग खाली पड़ा था। रात की ड्यूटी वाला रिसेप्शनिस्ट शायद अंदर अपने कमरे में सो रहा था। सामान ढोने वाला कर्मचारी भी शायद कहीं नींद में गुम होगा। उसने सोचा।

हाल में ठीक सामने एक बहुत बड़ी पेंटिंग टंगी थी जो किसी जवान स्त्री की थी। अनिता ने इधर-उधर देखा फिर संतुष्ट होकर वह पेंटिंग के ऊपर लगे रोशनदान पर हाथ बढ़ाने लगी पर वह उसकी पहुंच से बाहर थी। लकड़ी की इस मोटी पेंटिंग के ऊपर लगभग आठ-दस इंच लम्बा छेद था। बम अंदर टपका दिया।

सड़क के किनारे किनारे वह अपने घर की ओर बढ़ी जा रही थी कि पीछे से एक छोटी पुरानी माडल कार आकर रुकी। 'अनिता' मर्दाना स्वर था।

उसने धड़कते हृदय के साथ मुड़कर पीछे देखा फिर संतुष्टि की सांस लेती हुई कार के पास चली गई। कार में से मैन्युअल निकलकर बाहर खड़ा था।

'होटल ही की ओट से तुम्हें देखता हुआ चला आ रहा हूं।'

'रख दिया मैंने।'

'जानता था मैं तुम वाकई साहसी स्त्री हो।'

'पेड्रो का...।'

'हां-हां, तुम्हारे यहां से जाकर मैंने उस डाक्टर से टेलीफोन पर बात की थी। वह होश में है बिल्कुल ठीक-ठीक है। कुछ बता नहीं रहा है। कल शायद उसे जेल के अस्पताल में शिफ्ट कर दिया जाएगा। आओ, तुम्हें घर छोड़ दूं।'

दोनों गाड़ी में बैठ गए और गाड़ी चल दी। रास्ते भर वह उसे बम रखने का किस्सा सुनाती रही और वह स्वयं को अन्दर ही अन्दर गाली देता रहा कि रुपये के लिए इस पतिव्रता को धोखा दे रहा है। एकाएक उसका ध्यान फुन्टेस पर चला गया। हुंह, एक करोड़ रुपये लेगा। वह सोचने लगा साले का गला दबाकर समुद्र में फेंक दूंगा। अनिता ने उसके कंधे पर हाथ रखा और वह चौकता हुआ विचारों की दुनिया से वापस आ गया फिर ब्रेक मारता हुआ बोला, 'ओह, मैं तो भूल ही गया था कि

तुम्हें यहां उतरना है...अच्छा तो कल रात।'

'हां... अच्छा शुभ रात्रि।'

'शुभ- रात्रि।' और गाड़ी आगे बढ़ गई।

* * *

प्रात: होटल में अपने सुईट के वातानुकूलित ड्राइंगरूम में बूढ़े का भेष बनाए पहियों वाली कुर्सी पर विराजमान ब्राडी लोहे की एक लम्बी सींक को टेढ़ा करने में लगा हुआ था। अपनी गोद में एक पट्टा रखे हुए था और हाथ में छोटी हथौड़ी पकड़े था वह।

सामने बैठा माइक उसे यह सब करते बड़े गौर से घूर रहा था। मैगी स्विमिंग पूल में तैराकी करने गई हुई थी। पिछली रात मैगी ने उसे माइक की पागल पुत्री के बारे में सारी बातें बात दी। ब्राडी को दु:ख हुआ था।

'इसका क्या करेंगे आप?' माइक ने खामोशी तोड़ी।

'इसी से तो मैं तिजोरी खोलूंगा। कहकर ब्राडी हथौड़ा रखकर पैकेट से सिगरेट निकालकर सुलगाने लगा, आज रात ही यह काम होना है। खैर, मुश्किल काम नहीं है। मैगी ने तुम्हारी लड़की के बारे में बताया वाकई बहुत दु:ख हुआ तुम चिन्ता मत करो पैसा मिल जाएगा। कहकर उसने सिगरेट का कश लगाया और माइक की ओर देखा और चौंक गया। कुर्सी पर बैठा वह पीड़ा से तड़प रहा था। पीड़ा को छुपाने की कोशिश में उसका पूरा चेहरा लाल पड़ गया था और आंखों में आंसू भर आए थे।

ब्राडी पटरा और हथौड़ी नीचे रखकर हडबड़ाकर उठा और उसके पास पहुंच गया।

'क्या हुआ है तुम्हें? बताते क्यों नहीं?'

'कोई खास बात नहीं।' माइक बड़ी कठिनाई से ये शब्द कह पाया।

'क्यों झूठ बोलते हो। चार वर्ष का बच्चा भी तुम्हें देखकर कह देगा कि तुम बीमार हो। क्या बात है?'

'म....म...म...मु...मुझे...।'

'हां-हां, क्या हुआ?'

'मैं छ: महीने के अंदर अंदर मर जाऊंगा।' वह पीड़ा पर काबू पाता हुआ बोला।

ब्राडी सुन्न रह गया।

'मुझे कैंसर है।'

ब्राडी को काटो तो खून नहीं।

'पर मुझे अपनी परवाह नहीं। बहुत जी लिया मैं। खैर, आप मत घबराइए आपका काम मैं बिल्कुल कायदे से करूंगा। विश्वास दिलाता हूं कोई गड़बड़ी नहीं होगी।'

‘समझने की कोशिश करो…माइक..हम लोग बिल्कुल एक टीम की तरह है। मेरा काम है तिजोरी तोड़कर और वारेन्टन के यहां घुसकर हीरे निकालना। मैगी का काम है उन जासूस को बहलाए रखना और तुम्हारा काम है उन गार्ड्स को या जो और भी कोई रास्ते में रोड़ा अटकाए उसे संभालना। यदि आज रात काम के समय तुम्हें यह दौरा पड़ गया तो? ….तो, हम सब जेल में होंगे…और जाहिर है मैं क्या कोई मूर्ख से मूर्ख चोर भी यह नहीं चाहेगा कि….।’

माइक ने उसे विवशता भरी नजरो से देखा।

ब्राडी फिर बोला, ‘तुम साफ-साफ बता दो तो अभी भी समय है हम किसी और आदमी का इंतजार कर लेंगे।’

‘नहीं-नहीं, आप चिन्ता मत कीजिए। मेरे पास पीड़ा नाशक टैबलेट है। मुझे दवाइयों से बहुत घृणा है पर आज रात मैं उन्हें खा लूंगा, विश्वास कीजिए।’

उसके स्वर में विश्वास को भांपकर ब्राडी बोला, ‘मुझे गलत मत समझना माइक ठीक है अब मुझे यकीन हो गया कि तुम अपना काम अच्छी तरह निभाओगे।’

इसी समय तौलिया का गाउन पहने वहां मैगी आ गई और आते ही बोली, ‘मुझे बहुत जोरों की भूख लगी है।’

‘जो मन में आए खाओ।’ ब्राडी बोला।

‘क्या…?’

‘हां…मीनू में जो-जो लिखा हो सब मंगवाकर खा लो।’

‘अरे, ये तुम एकदम रंक से राजा कब से बन गए?’

‘आज रात हम लोग अपना काम पूरा करके यहां से फूट लेंगे…कोई बिल थोड़े ही देना पड़ेगा… इसलिए जो जी चाहे खा लो …हम लोगों के लिए थोड़ी स्काच डालकर ला दो फिर जाकर खाओ पियो।

माइक ने पीने से मना कर दिया और ब्राडी और मैगी चुस्की लेते रहे और ब्राडी उन दोनों को रात का कार्यक्रम समझता रहा, जैसे ही मैगी उस जासूस को लेकर झाड़ियों में चली जाएगी हम लोग अपना काम शुरू कर देंगे। जिन-जिन औजारों की आवश्यकता है वे सब मेरे पास हैं। पहले हम तिजोरी में से बक्से निकालेंगे फिर हम वारेन्टन के यहां जाएंगे। यदि उस समय तक दोनों पति पत्नी जगे हुए होंगे तो तुम उन दोनों का पिस्तौल से डाट मारकर सुला देंगे। फिर हम हीरे निकाल लेंगे। हमारा यह काम लगभग पौने तीन बजे आरंभ होगा। हम लोग वापस यही इस कमरे में आएंगे, मैगी की प्रतीक्षा करेंगे और रॉल्स रायस पर निकल भागेंगे। ’मैं बॉस से आज शाम को मिलूंगा। उनसे तय हो जाएगा कि यहां से भागकर कहां मिलना है?’

थोड़ी देर बाद मैगी उसकी कुर्सी धकेलती हुई उसे खाने के लिए रेस्टोरेंट की ओर चल दी।

* * *

मैन्युअल काम पर बाहर जाने के बजाए आज सुबह से जहाज पर ही था पर फुन्टेस के साथ

केबिन में बैठने के बजाए वह बाहर डैक पर दिन भर जाल ठीक करता रहा और सुबह से शाम तक वह एक बार भी केबिन में नहीं गया। फुन्टेस इस भय से कि कहीं कोई सिपाही मैन्युअल के जहाज के आसपास जासूसी न कर रहा हो, दिन भर केबिन में ही पड़ा रहा। शाम को मैन्युअल जब अपना काम समाप्त कर केबिन में आया तो फुन्टेस उस पर भड़क उठा, 'तुम दिन भर में एक बार भी अन्दर नहीं आए। मैं पड़ा पड़ा यहां सड़ता रहा। आखिर, तुम ऐसा कौन सा काम बाहर कर रहे थे?'

'सॉरी, राबर्टो पर घबराने की कोई बात नहीं है सब कुछ ठीक हो जाएगा, जल्द, बहुत जल्द।' कहकर मैन्युअल गैस जलाने लगा। गैस का चूल्हा जल जाने पर उसने उसके ऊपर पानी से भरी पतीली रख दी और सब्जियों का टोकरा उठाकर उसमें से टमाटर और आलू आदि निकालकर उन्हें काटने लगा।

'मुझे नहीं लगता कि इस मुसीबत से जल्दी छुटकारा मिलने वाला है।' फुन्टेस चटाई पर से उठकर उसकी ओर आता हुआ उकताहट और उलझन भरे लहजे में बोला।

'मेरा जहाज बिल्कुल ठीक-ठाक है। आज ही रात हम होटल में अनिता के जरिए घुस जाएंगे। दो चार दिन में वारेन्टस से पांच करोड़ रुपये लेकर हम इसी जहाज पर हवाना भाग निकलेंगे।' मैन्युअल बोला।

फुन्टेस के उदास चेहरे पर एकाएक प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। वह मन ही मन सोचने लगा कि कितना बुद्धिमान और कृपालु है उसका मित्र और भाग से वह ऐसे मित्र के पास सहायता के लिए आ पहुंचा।

'तुम महान हो, मैन्युअल।' वह खुश होकर चिल्लाया।

'अच्छा, फिलहाल तुम चुपचाप बैठे रहो मैं कुछ आवश्यक बातें सोच रहा हूं।'

सुनकर फुन्टेस चुपचाप आकर दरी पर वापस बैठ गया।

वह खुशी था कि दो चार दिनों में वह करोड़ों रुपए के साथ घर वापस चलेगा। मैन्युअल आखिर अपनी बात का पक्का था, सारा इलाका मानता था उसे, जो कह रहा है वह कर दिखाएगा उसने सोचा। फिर बैठे-बैठे उसका दिमाग पैसे ही ओर चला गया एक करोड़ रुपया?

क्या करेगा वह इतना रुपया? फार्म खरीदा जाए? नहीं, बड़ा झंझट का काम है। फिर? मैन्युअल की तरह वह भी बड़ा जहाज खरीदेगा...पर....पर सहायता के लिए बहुत सारे नौकर रखेगा।

इन्हीं विचारों में खोए उसे लगभग तीस-चालीस मिनट बीत गए कि मैन्युअल ने उसे चिल्लाकर कहा कि खाना बन गया है। फुन्टेस ने प्लेटे आदि लाकर मेज पर रखने में उसकी सहायता की। दोनों ने खाना खाया और जब भोजन समाप्त हो गया तो मैन्युअल बोला, पर मेरे दोस्त...ये वारेन्टन वाला काम भी बड़ा झंझटी काम है...बहुत समस्याएं हैं।'

फुन्टेस खुश था कि मैन्युअल जैसे व्यक्ति के रहते कोई समस्या नहीं खड़ी होगी। एकाएक चिन्तित होता हुआ भड़का, 'समस्याएं? ...कैसी समस्याएं?'

मैन्युअल सिगरेट जलाकर आराम से कश लेता हुआ बोला, 'होटल के कमरे में पहुंचकर हम वारेन्टन को बंधक बना लेंगे फिर उसे धमकाकर उसके पिता को फोन करवाएंगे कि पांच करोड़

रुपया नकद सौ-सौ के नोट भिजवा दो वरना ये लोग हम लोगों को मार डालेंगे। फिर हम लोग फोन पर उसे चेतावनी दे देंगे कि यदि पुलिस की सहायता लेने की चेष्टा करोगे तो तुम्हारे बहू-बेटे को गोलियों से भून दिया जाएगा। फिर हम उसे यह भी बता देंगे कि तुम्हारे लड़के बहू को हम अपने साथ हवाना लिए जा रहे हैं, वहां पहुंचकर उन्हें छोड़ देंगे फिर पैसा आपस में बांट लेंगे।...पुलिस वुलिस का कोई चक्कर नहीं। ...ठीक है?'

'हां... तब कौन सी समस्या है?' फुन्टेस आश्चर्यचकित होता हुआ बोला।

'अनिता।' मैन्युअल बोला

अनिता का नाम सुनकर फुन्टेस के चेहरे पर फिर से हंसी की लहर दौड़ आई, बोला, 'धत्त तेरी की... तुम भी एक औरत से इतना घबरा रहे हो...अधिक मुसीबत खड़ी करेगी वह तो मैं उसका गला दबा दूंगा।'

'मैं चाहता हूं कि हमारी इस योजना में हत्या तो क्या हत्या का नाम भी न आए...तुम पुलिस को नहीं जानते पुलिस वाले सब बर्दाश्त कर सकते हैं पर हत्या नहीं.. वे निश्चित ही इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और हमारा सारा मामला बिगड़ जाएगा।' मैन्युअल ने समझाया। फुन्टेस थोड़ी देर चुप रहा फिर चुटकी बजाता हुआ खुश होकर बोला, 'हल हो गई समस्या। अनिता को हम जहाज पर अपने साथ से चलेंगे और रास्ते में मैं उसका गला दबाकर उसे समुद्र में फेंक दूंगा।'

'पर बिना अपने पति के वह हमारे साथ चलने को तैयार ही कहां होगी?' मैन्युअल बोला।

6

पैराडाइज सिटी पुलिस मुख्यालय के निरीक्षक वाले कमरे में बैठा निरीक्षक जासूस प्रथम श्रेणी, टाम लेप्सकी, गत रात हुए अपराधों की रिपोर्ट का जायजा ले रहा था। उसका मूड आवश्यकता से अधिक खराब था और इसका कारण थी कैरोल उसकी पत्नी।

उसे अपने नाश्ते से अधिक प्यार था। प्रात: बिस्तर से उठने के बाद वह नहाने धोने में लग जाता और नहा धोकर कपड़े बदलकर बैठक में आता तो कैरोल द्वारा तैयार किया हुआ स्वादिष्ट नाश्ता तीन अंडे केक हैम-पनीर-कॉफी उसे मेज पर परोसा मिलता और वह बड़े चाव से खा पीकर आफिस को भाग लेता। पर आज जब वह नाश्ते की मेज पर पहुंचा तो नाश्ते का दूर-दूर तक पता न था। वह दौड़ा दौड़ा कैरोल के पास गया तो वह मुंह बनाकर बोली, तुम तीन दिनों से लगाकर एक ही कमीज पहन रहो हो...तुम्हें अपनी इज्जत का जरा भी ख्याल नहीं.. जब तक नई धुली कमीज नहीं पहनोगे नाश्ता नहीं मिलेगा।'

लेप्सकी ने पहले तो उसे यह कहकर फुसलाना चाहा कि कमीज एक दिन और पहनने से क्या हो जाएगा पर जब वह टस से मस नहीं हुई तो वह क्रोध से आग बबूला होकर बिना नाश्ता किए ही दफ्तर चल दिया, आखिर दफ्तर को भी देर हो रही थी।

‘ये क्यूबन साले दिन-ब-दिन हमारे देश के लिए समस्या बनते जा रहे हैं। रोज कोई न कोई अपराध करते हैं। आते हैं भूखे नंगे शरणार्थी बनकर और फिर जरा सा पैसा हुआ कि दारूबाजी, रंडीबाजी और अय्याशी में लग जाते हैं।’ लेप्सकी रिपोर्ट मेज पर पटककर जैकोबी की ओर देखकर बोला मानों जैकोबी क्यूबन का नेता हो।

‘अरे भई, वे अपराध न करें तो हमारी नौकरी कैसे चले।’ जैकोबी चुटकी लेता हुआ बोला।

लेप्सकी जैकोबी पर बस भड़कने ही वाला था कि मेज पर रखे टेलीफोन की घंटी बज उठी और जैकोबी मन ही मन टेलीफोन करने वाले को दुआएं देने लगा वरना वह जानता था कि लेप्सकी का मूड उखड़ा हुआ था और वह उसे मजे में चाटता।

‘लेप्सकी ने मुंह बनाकर चोंगा एक झटके में उठा लिया और दहाड़ा, ‘लेप्सकी हियर।’

‘मैं लेरी बोल रहा हूं।’ उधर से आवाज आई।

‘ठीक है, बोलो, बाहर नहीं हूं मैं।’ लेप्सकी गुर्राया।

‘उस हत्यारे को होश आ गया है। डाक्टरों का कहना है कि हम लोग उससे तीन मिनट से अधिक बात नहीं कर सकते तो क्या मैं उससे पूछताछ कर लूं?’

‘शटअप। मैं आ रहा हूं बस दस पन्द्रह मिनट में।’ कहकर लेप्सकी चोंगा रखते हुए ऐसे उठ खड़ा हुआ जैसे उसे किसी ने नीचे से चिकोटी काट ली हो।

‘क्या बात हो गई?’ जैकोबी लेप्सकी को घूरता हुआ गंभीरता से बोला।

‘मेरे साथ आओ...हत्यारे को होश आ गया है।’ कहकर लेप्सकी एक क्षण भी प्रतीक्षा किए बगैर कमरे से बाहर निकल गया। जैकोबी को उसके पीछे-पीछे कार तक लगभग दौड़ना पड़ा।

रास्ते भर दोनों ही खामोश रहे। लेप्सकी बहुत तेज कार चला रहा था। जैकोबी का मन हुआ कि कहे कि थोड़ा आहिस्ता चलाओ पर अपना परिणाम सोचकर वह चुपचाप आंखें बंद किए बैठा रहा।

पैराडाइज सिटी अस्पताल पहुंचकर वे दोनों सीधे मुख्य चिकित्साधिकारी के कक्ष की ओर बढ़ गए।

मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर जिराल्ड स्किनर उन्हें देखकर फौरन बोल पड़ा, ‘आप लोग शायद उस क्यूबन का स्टेटमेंट लेने आए हैं।’

दोनों ने हां में सिर हिलाया और डाक्टर फिर बोल पड़ा, ‘बहुत मुश्किल से होश में आया है। आप लोग दो-तीन मिनट से अधिक न बात करें तो अच्छा है।’

‘मामला क्या बहुत गंभीर है?’ लेप्सकी से आखिर रहा न गया और रहा भी आखिर कैसे जाता गोली तो आखिर उसी ने चलाई थी उस पर।

‘हां, बचने की कम संभावना लगती है हालांकि उसकी आवश्यकता से अधिक देखभाल की जा रही है।’ डाक्टर बोला।

‘दो व्यक्तियों की हत्या की है उसने।’

लेप्सकी यह सोचता हुआ बोला कि शायद यह सुनकर इस डाक्टर को हम लोगों से सहानुभूति हो जाए।

'इससे हम लोगों का क्या वास्ता? हमारा काम जान बचाना है चाहे वह हत्यारे की जान हो या पादरी की हमसे इससे कोई मतलब नहीं।' डाक्टर शुष्क स्वर में बोला और नर्स को बुलाने के लिए घंटी बजाने लगा। नर्स के आने तक कमरे में खामोशी छाई रही।

'इन लोगों को कमरा नम्बर छः में ले जाओ।' कहकर डाक्टर स्किनर मेज पर रखी हुई फाइलों पर झुक गया।

कमरे में केवल एक ही चारपाई थी जिस पर रोगी बेसुध पड़ा था। दूर कोने में एक आराम कुर्सी पर लेरी स्टीवेन्स बैठा लेप्सकी की प्रतीक्षा कर रहा था। उन्हें आता देखकर लेरी का चेहरा खुशी से खिल उठा। वह कुर्सी से उठकर लेप्सकी के पास आता हुआ बोला, 'आप लोग जब तक है, तब तक मैं नाश्ता कर आता हूं। सुबह से ऐसे ही बैठा हूं।'

'ठीक है जल्दी आना।' लेप्सकी अफसराना अंदाज में बोलता हुआ रोगी की चारपाई के सिरहाने जाकर खड़ा हो गया। जैकोबी ने जेब से डायरी और कलम निकालकर हाथ में ले लिया।

लेप्सकी ने रोगी का चेहरा गौर से देखा। रोगी की स्थिति काफी नाजुक लग रही थी। लेप्सकी कुछ क्षणों तक उसे वैसे ही घूरता रहा फिर उसने उसकी कलाई पकड़कर कसकर झिंझोड़ दिया।

पेड्रो ने कराह कर आंखें खोल दी फिर फौरन बंद कर लीं।

'सुनो, दोस्त! कौन हो तुम? क्या नाम है तुम्हारा?' लेप्सकी बड़े नम्र स्वर में बोला।

जैकोबो को लेप्सकी के इस बदले हुए स्वभाव पर आश्चर्य हो रहा था।

'दोस्त! मैं तुम्हें यह बताने आया हूं कि तुम बहुत अधिक बीमार हो। डाक्टरों का कहना है कि तुम बच नहीं पाओगे। जानते हो तुम्हारा नाम और पता न होने की सूरत में तुम्हारा क्या हश्र होगा..?'

पेड्रो ने अपनी दोनों आंखें खोल दीं और लेप्सकी को उदास नजरों से अपलक घूरने लगा।

'हां, जानते हो तुम्हारे शव का क्या हश्र होगा? म्यूनिसपेलिटी वाले उसे समुद्र में बहा देंगे। क्या तुम नहीं चाहते कि तुम एक प्रतिष्ठित मौत मरो। अपना नाम पता बता दोगे, तो तुम्हारे घर वालों को सूचित कर दिया जाएगा और वे तुम्हारे शव को ले जाएंगे।' लेप्सकी बड़े अपनत्व से बोला। वह जानता था कि क्यूबन काफी धार्मिक प्रवृति के होते हैं और ऐसी बातें वे कदापि नहीं बर्दास्त कर सकते।

'न-न-न-नहीं, नहीं।' पेड्रो बुदबुदाया।

'तो इसीलिए तो कह...।' लेप्सकी ने अपना वाक्य पूरा भी न किया था कि पेड्रो अपनी कमजोर आवाज में फुसफुसाया 'मेरा नाम पेड्रो सटिस है।'

'घर कहां है तुम्हारा, पेड्रो? लेप्सकी नम्रता से बोला।

'सत्ताइस, फिश रोड, सीकाम्ब।' पेड्रो काफी हिचकिचाहट के बाद धीरे से बोला।

'बीवी बच्चे भी है, पेड्रो?'

‘बीवी....है।’

‘क्या नाम है? मैं जाकर मिल लूंगा और तुम्हारे बारे में उसे सूचित कर दूंगा।’

‘अनिता।’

‘कही काम भी करती है?’ लेप्सकी ने पूछा ही था कि नर्स कमरे में प्रवेश करती हुई चिल्लाई, पूछताछ का समय समाप्त हो गया..अब आप लोग कृपा कर...।’

‘ठीक, ठीक है।’ कहकर लेप्सकी जैकोबी की संकेत करता हुआ कमरे से बाहर आ गया।

पेड्रो का फ्लैट एक गंदी पुरानी पर बड़ी सी इमारत में था। जिसमें पचासों अन्य फ्लैट्स थे। दोनों सड़क पर लोगों से पूछताछ के बाद सीधे बिल्डिंग के मुंशी के पास चले गए। वह अधेड़ आयु का काला सा मोटा और नाटे कद का व्यक्ति था।

‘पेड्रो सर्टिस? .....हां, उसका फ्लैट ऊपर है। बिल्कुल ऊपरी मंजिल, बाएं हाथ एकदम अंतिम दरवाजा क्यूबन मुंशी ने लेप्सकी के पूछने पर बताया।

‘क्या उसकी बीवी इस समय घर पर होगी?’

‘नहीं..काम पर गई होगी।’

‘कहां काम करती है वह?

‘मुझे नहीं मालूम।’

मुंशी अनिता को बहुत मानता था और फिर क्यूबन में आपस में बड़ी एकता होती है। फिर वह भला पुलिस को अनिता को पता क्यों बताने लगा।

‘कब तक आती है वह वापस।’

‘मुझे नहीं मालूम। कभी शाम ही को आ जाती है कभी-कभी काफी रात गए।’

‘अच्छा तुम उसका हुलिया बता सकते हो?’

‘नाटी, मोटी सी बड़ी सी नाक वाली भद्दी सी स्त्री है वह। मुंशी ने झूठ मूठ बता दिया ताकि पुलिस अनिता को कहीं रास्ते में न पकड़ ले।

‘आयु क्या होगी इसकी?’

‘होगी कोई तीस पैंतीस के आसपास।’

लेप्सकी को समझने में देर न लगी कि बदमाश मुंशी उसे कुछ बताना नहीं चाह रहा है। वह जैकोबी को लिए बिल्डिंग से बाहर आ गया। सड़क पर आकर वह जैकोबी से बोला, ‘तुम यहीं आसपास ठहरे रहा और बिल्डिंग में जाने वाली हर क्यूबन स्त्री का नाम पूछो। संदेह होने पर उससे कहो कि वह अपने कागजात दिखाए समझे?’ कहकर लेप्सकी वहां से चल दिया।

लगभग पांच सात मिनट बाद मोटा मुंशी बिल्डिंग से बाहर आया और दूर जैकोबी को खड़ा देख वापस अपने फ्लैट में चला गया। घर पहुंचकर उसने अपने बारह वर्षीय पुत्र को बुलाया और पूछा, ‘मैन्युअल टेरेस का जहाज खड़ा रहता है वह जगह देखी है तूने?’

‘हां....।’ लड़का बोला।

‘ठीक है जाकर उनसे कह कि अनिता को पुलिस वाले पूछने आए थे और वे बाहर खड़े हमारी बिल्डिंग की निगरानी कर रहे हैं, समझे? क्या कहेगा?’

लड़के ने बात दोहरा दी।

‘हां, ठीक, जा जल्दी जा।’

और लड़का दौड़ता हुआ घर से बाहर निकल गया।

* * *

मारिया वारेन्टस के गंदे शौचालय को साफ करने में अनिता को काफी देर लग गई इसलिए होटल से वह काफी देर से निकली और अपने घर की ओर चल पड़ी। अभी वह सड़क पर सौ डेढ़ सौ गज चली होगी कि मैन्युअल की गाड़ी उसके बगल में आकर चरमराकर रुक गई।

‘क्या हुआ।? पैड्रो तो ठीक है ना?’ वह मैन्युअल की ओर हड़बड़ाकर बढ़ गई।

‘अन्दर आ जाओ। पेड्रो ठीक-ठाक है। तुम घर न जाओ तो बेहतर है वहां पुलिस वाले तुम्हारी राह देख रहे हैं।’ मैन्युअल अनिता की ओर का दरवाजा लगाता हुआ बोला।

‘पुलिस?’ अनिता का चेहरा पीला पड़ गया।

‘हां, पुलिस। पर घबराने की कोई बात नहीं। फिलहाल तुम मेरे साथ मेरे यहां चलो और वहीं से ड्यूटी पर चली जाना। होटल जाते समय मुख्य सड़क से ना जाकर झाड़ियों वाले रास्ते से जाना। वैसे पुलिस को तुम्हारा हुलिया नहीं मालूम है। मुंशी ने उन्हें तुम्हारे बारे में कुछ नहीं बताया है।’ मैन्युअल बोला।

‘पर....पर उन्हें मेरा पता कैसे मालूम पड़ा। मुझे विश्वास है पेड्रो ने उन्हें कुछ भी नहीं बताया होगा।’ अनिता बोली।

मैन्युअल समझ चुका था कि पेड्रो अपने जीवन की अंतिम सांसें ले रहा है और पुलिस वालों ने अपने हथकंडे इस्तेमाल कर उससे पता वगैरह उगलवा लिया होगा फिर भी वह चालाकी से काम लेता हुआ बोला।

‘पेड्रो? अरे नहीं किसी मुखबिर ने बताया होगा। हमारे क्यूबन में भी तो बहुत से पुलिस के चमचे हैं।’

जब वे जहाज के केबिन में पहुंचे तो फुन्टेस अनिता को देखकर उठकर बैठ गया और आश्चर्यचकित होता हुआ बोला, ‘क्या बात है, यह क्यों आई यहां, इस समय?’

मैन्युअल ने उसे कड़ी नजरों से घूरा और वह एकदम शांत पड़ गया।

अनिता को बैठने का संकेत कर वह भी पास वाली कुर्सी पर बैठता हुआ बोला, ‘हां, तो आज रात का क्या प्रोग्राम है?’

‘साढ़े बारह बजे...।’ अनिता ने बोलना आरंभ किया, ‘जासूस की ड्यूटी एक बजे शुरू होती है

और होटल में ठहरे अधिकतर लोग उस समय खाने पीने में मस्त रहते हैं। कर्मचारी भी अधिकतर अपने काम ही में व्यस्त रहते हैं। बस वही उपयुक्त समय है।'

'तुम्हारी ड्यूटी कब समाप्त होती है?' मैन्युअल ने पूछा।

'ठीक दस बजे.... मुझे एक कागज और पेंसिल दो, सारी योजना लिखकर समझाए देती हूं और विशेषकर यह कि स्टाफ वाले द्वार से किस प्रकार अंदर जाना है।' अनिता बोली।

मैन्युअल ने उसे फौरन कागज पैंसिल दे दिया। फिर अनिता को लिखते और नक्शा बनाते देखता रहा। फिर अनिता ने उसे कागज दे दिया। मैन्युअल कागज का कुछ देर अध्ययन करता रहा फिर बोला, 'इसका मतलब है हम होटल के पिछले दरवाजे से अंदर जाएंगे -रंच रोड की ओर से?'

'हां।'

'कोई समस्या तो नहीं होगी?'

'नहीं, पर ध्यान रखना कि तुम्हें कोई देख न पाए।'

'... फिर?'

'हां वह द्वार मैं ही खोलूंगी ठीक साढ़े बारह बजे- वहां से मैं तुम्हें नीचे तहखाने ले चलूंगी जहां से लिफ्ट पकड़कर हम आखिरी मंजिल पर चले जाएंगे। वारेन्टन के कमरों के लिए एक विशिष्ट लिफ्ट है पर हम सीढ़ियां उतरकर वहां जाएंगे। फिर मैं डुप्लीकेट चाबी से सुईट का ताला खोल दूंगी और तुम अन्दर।'

'मान लो वे उस समय अंदर हों?'

'नहीं, वे अपने कमरे में डेढ़ बजे के पहले कभी नहीं लौटते...तुम वहां से सीधे बाल्कनी पर जाकर छुप जाओगे और मैं कमरे में बाहर से वैसे ही ताला लगाकर चली आऊंगी।'

'ठीक है।' मैन्युअल कुछ सोचता हुआ बोला।

'मैन्युअल याद रहे कि मेरे पति को छुड़ाना है।'

केबिन में कुछ देर तक खामोशी छाई रही फिर मैन्युअल अनिता की ओर देखता हुआ बोला, 'हां, मुझे याद है पर एक बात है, अनिता कि यदि हम उसे अस्पताल से निकालकर यहां यानि अपने जहाज पर लाएं तो उपचार न होने की सूरत में उसकी हालत बिगड़ सकती है।'

अनिता ने कड़ी नजरों में मैन्युअल को घूरा फिर बोली, 'क्या? तुम्हारा मतलब है तुम पेड्रो को पुलिस से छुड़ाने का वायदा नहीं कर रहे...तब तो।'

'मैं तुम्हारे दुःख को समझता हूं, अनिता।' मैन्युअल बड़े अपनेपन से बोला, 'पर हमें बुद्धि और विवेक से काम लेना चाहिए। मैं जाकर अस्पताल में अपने मित्र डाक्टर से बात करता हूं यदि वह कहता है कि पेड्रो अस्पताल में न भी रहे तो ठीक हो सकता है तो कोई बात नहीं हम तो उसे छुड़ा ही लेंगे पर यदि कहता है कि इस समय पेड्रो का अस्पताल से हटाया जाना उसकी जान के लिए घातक है तो इस सिलसिले में मेरा एक परामर्श है।'

अनिता के हृदय में पचासों प्रकार के संदेह और भय जन्म लेने लगे। उसने फुन्टेस को घूरा फिर

मैन्युअल की ओर देखती हुई बोली, 'क्या सुझाव है तुम्हारा?' उसका स्वर शुष्क था।

'नहीं जाने दो..मेरे ख्याल से अभी इसकी आवश्यकता नहीं है। पहले मैं अपने मित्र डाक्टर से मिलकर पूछ आऊं, हो सकता है पेड्रो चलने फिरने के योग्य हो वरना फिर सोचा जाएगा।' मैन्युअल बोला।

'ठीक है..पर कब?'

'मैं बस फौरन ही जा रहा हूं वहां, एक घंटे में वापस आ जाऊंगा प्रतीक्षा करना।' कहकर मैन्युअल खड़ा हो गया।

'एक बात चेताए दे रही हूं कि यदि पेड्रो को छुड़ाने के काम को तुम टालोगे तो मैं इस योजना में तुम्हारी कोई सहायता नहीं करूंगी बल्कि...।'

'नहीं-नहीं, ऐसा क्यों सोचती हो।' कहकर मैन्युअल बाहर चला गया।

फुन्टेस ने उसे कसकर घूरा। अनिता दूसरी ओर देख रही थी।

'तुम्हें मैन्युअल की बात मान लेनी चाहिए। वह बात का पक्का आदमी है।' फुन्टेस बोला।

'शटअप, गुण्डे...तूने ही पेड्रो को चढ़ाकर उसे यह अपराध करने पर विवश किया। भगवान तुझे समझेगा।' फुन्टेस चुपचाप बैठा रहा।

* * *

जब लेप्सकी ने बिगलर को बताया कि उस हत्यारे का नाम पता आदि मालूम हो गया है तो बिगलर का चेहरा प्रसन्नता से दमक उठा उसने जैसे ही बताया कि जैकोबी हत्यारे की बीवी को पकड़ने के चक्कर, में उसके घर की रखवाली का काम करवाया जाए और जैकोबी को फुरसत दी जाए, तो बिगलर ऐसे भड़क उठा मानो लेप्सकी ने उससे दस टन सोना मांग लिया हो, 'नहीं, मेरे पास एक भी आदमी खाली नहीं है।'

'नहीं, किसी भी प्रकार आपको आदमी तो भेजने ही होंगे क्योंकि यह पता नहीं उस हत्यारे की पत्नी कहां काम करती है इसलिए उसे घर ही पर पकड़ा जा सकता है।'

'यह सब तुम जानों लेकिन जानते हो यदि तुम्हारे स्थान पर मैं होता जासूस प्रथम श्रेणी तो मैं क्या करता?' बिगलर काफी की चुस्की लेता हुआ बोला।

'क्या ?' लेप्सकी अनमने दिल से बोला।

'पड़ोसियों को रुपया पैसा देकर उसकी पत्नी के बारे में किसी न किसी प्रकार पता चला ही लेता।'

लेप्सकी चुपचाप बैठा अपनी टाई से खेलता रहा। बिगलर ने कॉफी की एक और लम्बी चुस्की मारी और फिर बोला, 'चीफ की अनुपस्थिति में मैं यहां का इंचार्ज हूं। यदि पड़ोसियों से बात न बनी तो सीधा म्यूनिसपेलिटी जाकर वहां से पता कर लूंगा। वहां प्रत्येक क्यूबन का रिकार्ड मौजूद है।'

'गुड।' लेप्सकी खुश होता हुआ बोला और जाने के लिए उठ खड़ा हो गया।

म्यूनिसपेलिटी के पंजीकरण विभाग के सामने क्यूबन की अच्छी खासी भीड़ सी थी। वह भीड़ से

धक्कम-धुक्की करता अंदर कार्यालय में पहुंच गया। पहले काउंटर पर एक स्त्री कुछ लिखने में व्यस्त थी और लकड़ी की प्लेट पर लिखा उसका नाम काउंटर पर रखा था- कुमारी हैपेलवेट। काफी सैक्सी और जवान स्त्री थी वह। लेप्सकी आगे बढ़कर बड़ी नम्रता से बोला, 'मिस हैपेलवेट। मैं निरीक्षक लेप्सकी हूं।

वह लेप्सकी की ओर देखने के बजाए लिखने में व्यस्त रही। लेप्सकी क्या जानता था कि मिस हैपेलवेट की आज सुबह कार पार्किंग के चक्कर में काफी तू-तू हो गई और सिपाही ने उसकी कार का चालान काट दी थी और उसके साथ साथ वह पुलिस से घृणा करती थी।

लेप्सकी खड़ा काउंटर पर उंगलियां बजाता रहा। लिखना समाप्त कर उसने निगाहें ऊपर उठाई, शुष्क स्वर में बोली, मैं इस समय बहुत व्यस्त हूं... वैसे क्या बताया था आपने?'

लेप्सकी टाई ठीक करता हुआ बोला, 'जासूस लेप्सकी, सिटी पुलिस।'

'क्या कर सकती हूं मैं आपके लिए?' वह वैसे ही शुष्क लहजे में बोली।

'सरकारी काम से आया हूं, कुमारी हैपेलवेट श्रीमती अनिता सर्टिस, क्यूबन, फिश रोड, सीकाम्ब...के बारे में पता लगाने आया हूं।'

हैपेलवेट ने लेप्सकी को कसकर घूरा, बोली, 'क्यों?'

लेप्सकी को भी क्रोध आ गया। वह क्रोधित स्वर में चिल्लाया, 'कह दिया न कि सरकारी काम है बेबी।'

'बेबी मत पुकारिए मुझे...वरना मैं आपकी शिकायत कर दूंगी।'

'और सरकारी काम में बाधा डालने के लिए मैं तुमको गिरफ्तार कर सकता हूं।'

लेप्सकी की इस धमकी का हेपलर पर निश्चित ही प्रभाव पड़ा। वह नम्र स्वर में बोली, 'क्या नाम बताया था आपने?'

'अनिता सर्टिस, आयु सत्ताईस वर्ष, फिश रोड सीकाम्ब।'

'देखिए लाखों क्यूबन है यहां....खैर मैं देखती हूं, थोड़ा समय लगेगा।' कहकर वह सामने रखी अलमारी की ओर बढ़ गई।

'धन्यवाद।' कहकर उसने वह कार्ड हाथ में ले लिया।

उससे ठीक पीछे एक क्यूबन खड़ा था जो अनिता का परिचित था और वह लेप्सकी की बातों को बहुत देर से सुन रहा था। अन्त में वह वहां से अनिता को सूचित करने चल दिया। वह जानता था कि अनिता तक समाचार पहुंचाने के लिए उसे किससे सम्पर्क स्थापित करना है- मैन्युअल टेरेस को।

जोश पैस्काट, स्पैनिश बे होटल का रात का जासूस, नहा धोकर ड्यूटी पर जाने के लिए तैयार हो रहा था। उसका दिमाग उस सेक्सी नर्स के ख्यालों में बुरी तरह खोया हुआ था। उसने दर्जनों लड़कियों के साथ रात बिताई थी पर ऐसी सेक्सी और गर्म लड़की से उसका जीवन में पहली बार पाला पड़ा था। इस विचार से कि आज रात वह उस सुन्दर नर्स के साथ फिर मौज लेगा वह मस्त होता जा रहा था। वह गाना गुनगुनाकर अपनी टाई दुरुस्त करने में लगा था कि दरवाजे की बाहरी घंटी बज उठी।

गुनगुनाना छोड़ वह दरवाजे की ओर भागा।

'हेलो, जोश।' लेप्सकी अंदर आता हुआ बोला।

'क्या बात है? मुझे ड्यूटी पर जाने में देर हो रही है।'

'चलो, दो चार मिनटों में क्या बिगड़ जाएगा? हां, तुम्हारे यहां कोई अनिता सर्टिस नाम की क्यूबन स्त्री काम करती है?'

'हां....होटल की सफाई कर्मचारी है वह।'

'उस हत्या के बारे में अवश्य सुना होगा- शुक्रवार को फिश रोड पर एक मकान में एक बूढ़े किराया इकट्ठा करने वाले नौकर की हत्या कर दी गई थी?'

'हां-हां, तो उससे मेरा क्या संबंध?'

'अनिता सर्टिस उस हत्यारे की पत्नी है। मैं उससे मिलना चाहता हूं।'

जोश का जैसे होश उड़ गया, 'क्या?' वह बस इतना ही कह सका।

'हां... और मैं उससे मिलना चाहता हूं।'

'रात को उसकी ड्यूटी आठ से दस बजे तक रहती है।'

'तो मैं होटल आ जाऊं?'

जोश कुछ सोचता रहा फिर बोला, 'ठीक है पर तुम मेरे ऑफिस में आना। क्योंकि उसकी ड्यूटी वारेन्टन वाले विशेष सुईट में रहती है और वहां तो मैं तुम्हें ले नहीं जा सकता। होटल का मालिक डूलक यदि यह सुनेगा तो समझो मेरी छुट्टी।'

लेप्सकी भी डूलक के शक्की स्वभाव से भली भांति परिचित था।

'ठीक है। तुम्हारे ऑफिस ही सही।'

'हां, मैं अपने ऑफिस ही में उसे बुलवा दूंगा, वही पूछताछ कर लेना।'

शाम के इस समय साढ़े छः बजे का समय था।

* * *

मैन्युअल के वापस आने तक अनिता को लगभग तीन घंटे तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। इस दौरान फुन्टेस भी निरंतर ही केबिन में पड़ा रहा। फुन्टेस ने ये तीन घंटे जिस प्रकार काटे यह या तो वही जानता था या उसका भगवान।

केबिन में पड़ा-पड़ा वह लगातार तीन घंटे तक सिगरेट पर सिगरेट पीता रहा। रह-रहकर वह अनिता को भी देख लेता जो क्रोधित बैठी थी।

मैन्युअल ने केबिन में घुसते ही दरवाजा अंदर से बंद कर लिया।

'शुभ समाचार लाया हूं।' कहकर वह फुन्टेस से बोला, 'जरा एक पैग व्हिस्की बनाओ तो।' फिर

वह अनिता की ओर देखने लगा और नम्र स्वर में बोला, 'मुझे खेद है, अनिता कि तुम्हें मेरी काफी प्रतीक्षा करनी पड़ी...दरअसल वह मेरा मित्र डाक्टर बहुत व्यस्त था।'

'पेड्रो...?' अनिता बोल उठी।

'हां, पेड्रो ही के विषय में बताने जा रहा हूं।' कहकर उसने फुन्टेस के हाथ से गिलास लिया और एक ही सांस में पूरी शराब समाप्त कर हाथ से मुंह पोछता हुआ बोला, 'मैंने उस डाक्टर से बात की है। पेड्रो बिल्कुल ठीक-ठाक है। उठ-बैठ रहा है, भोजन वोजन भी ठीक से कर रहा है। यदि हम उसे अस्पताल से निकाल ले तो कोई विशेष खतरा नहीं है..पर सारा काम बहुत समझ बूझकर करना होगा।'

फुन्टेस चुपचाप बैठा मैन्युअल को घूर रहा था। वह जानता था मैन्युअल झूठ बोल रहा है।

'सारा काम... क्या मतलब?' अनिता मैन्युअल की तरफ देखती हुई बोली।

'डाक्टर का कहना है कि पेड्रो को अस्पताल से एम्बुलेंस तक ले आना पड़ेगा और यही से हवाना के लिए हम रवाना होंगे। पेड्रो को होटल लाने का कोई फायदा नहीं। वह वहां पड़ा रहेगा, तुम भी नहीं रहोगी तो उसकी देखभाल ठीक से नहीं हो पाएगी।'

कमरे में खामोशी छा गई। अनिता गंभीरता से कुछ सोच रही थी। मैन्युअल और फुन्टेस दोनों ही की दृष्टि अनिता पर केन्द्रित थी जो नजरें झुकाए मुट्ठी बांधे बैठी थी।

'क्या पुलिस उसे इस जहाज तक आने देगी?' अनिता ने पूछा।

'और चारा ही क्या होगा उसके पास?'

'क्या यह वाकई संभव है?'

'हां, आखिर हम लोगों ने बम वगैरह तो रख ही दिया है।'

फिर वह उठकर अलमारी की ओर चल दिया। ताला खोलकर एक प्लास्टिक का छोटा सा थैला निकालकर अनिता को दिखाता हुआ बोला, 'ये दोनों लाल बटन देख रही हो? ऊपरी बटन दबाने पर छोटा वाला बम फटेगा, निचला दबाने से बड़ा वाला बम फूट जाएगा।'

'वाकई?'

'हां।'

उसके चेहरे पर संतुष्टि आ गई। वह मैन्युअल को देखकर मुस्कराई, बोली, 'धन्यवाद।'

'मेरे पास केवल दो पिस्तौल है एक मेरे लिए और एक फुन्टेस के लिए। यदि तुम्हें पिस्तौल की आवश्कता पड़े तो फुन्टेस वाली पिस्तौल इस्तेमाल कर सकती हो।'

अनिता के हाथ अकस्मात ही कमर पर चले गए। स्वेटर को टोहकर उसने अपने को विश्वास दिलाया कि उसका चाकू उसके पास है।

'तो कम से कम वह पिस्तौल तो मुझे दिखा दो...मैंने कभी पिस्तौल चलाई नहीं है।'

मैन्युअल उठकर अलमारी की ओर चल दिया फिर पिस्तौल लेकर वापस आ अनिता को पिस्तौल

देता हुआ बोला, ‘इसे चलाने के लिए कोई विशेष बुद्धि की आवश्यकता नहीं है।’ कहकर मैन्युअल ने उसे चलाने की तरकीब समझाई। फिर मैन्युअल ने वह पिस्तौल ले जाकर अलमारी में वापस रख दिया।

‘अच्छा, आओ अब खाना खाते हैं।’ कहकर मैन्युअल खाना बनाने में लग गया। अभी वह सब्जी ही काट रहा था कि केबिन में रखे फोन की घंटी घनघना उठी। मैन्युअल कुछ देर कान से चोंगा लगाए सुनता रहा फिर बोला, ‘धन्यवाद, अच्छा किया बता दिया।’ कहकर उसने चोंगा फोन पर वापस रख दिया। और फिर आकर सब्जी काटने लग गया।

अनिता जो बड़ी बेचैनी से खड़ी प्रतीक्षा कर रही थी कि फोन की बात खत्म हो, मैन्युअल के पास आकर बड़ी उत्सुकता से बोली, ‘क्या हुआ ?’

‘बड़ा बुरा समाचार है।’

‘क्या ?’

‘पुलि…पुलिस को पता चल गया है कि तुम होटल में काम करती हो।’

‘क्या ?’ अनिता बौखलाती हुई बोली।

‘हां…हो सकता है पुलिस वाले होटल में तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहे हों और उन्होंने तुम्हारे मालिक को सारी बातें बात दी हो।’

कमरे में खामोशी छा गई। अनिता बैठी सोचती रही फिर बोली-

‘कोई बात नहीं। होटल के पास सफाई कर्मचारियों की कमी है और फिर वारेन्टन वाले कमरे में वे और किसी को नहीं भेज सकते इसलिए आज रात को मुझे निकाल नहीं सकते।’

‘गुड, बहुत साहसी स्त्री हो तुम। हम होटल के स्टाफ दरवाजे पर ठीक साढ़े बारह बजे पहुंच जाएंगे।’

‘ठीक है।’

अनिता के जाने के कुछ देर बाद तक केबिन में खामोशी छाई रही फिर फुन्टेस बोला, ‘यह औरत बहुत खतरनाक है। इसे पिस्तौल देना खतरे से खाली न होगा।’

‘इसके बारे में मैंने सोच लिया है।’ मैन्युअल जेब से एक गोल सा काला हथियार निकालता हुआ बोला, ‘जब वह हमें वारेन्टन के कमरे में अन्दर करेगी तो हम उसे पकड़ लेंगे और उसके सिर पर इससे चोट मारेंगे। वह बेहोश हो जाएगी फिर हम उसे उठाकर बाल्कनी पर लिटाकर वहीं कहीं बांध देंगे और उसके मुंह पर टेप चिपका देंगे ताकि होश में आए तो चिल्ला न पाए। फिर हम वारेन्टन के बाप से पैसा लेने के बाद अनिता से कहेंगे कि यदि वह चाहती है तो हमसे कुछ पैसा ले ले यदि वह इस पर तैयार न हुई तो हम उसे फिर बेहोश कर देंगे और वारेन्टन को अपने संग लेकर भाग निकलेंगे, समझे ?’

* * *

समुद्री खानों वाले रेस्टोरेंट के अंदर कोने वाली मेज पर एड हडन और लू ब्राडी आमने सामने बैठे थे। मेज पर स्काच की खुली बोतल, दो गिलासों में आधी-आधी भरी शराब और खाने पीने का सामान पड़ा था।

'क्या सामाचार है?' हडन पूछ बैठा।

'आज रात मैं काम पूरा करा दूंगा।' ब्राडी लाबस्टर खाता हुआ बोला।

हडन ने स्काच की एक चुस्की मारी और ब्राडी को खाते हुए देखने लगा। दोनों की नजरें मिली दोनों ही मुस्करा पड़े। ब्राडी बोला, 'पहले तिजोरी वाला काम करना है फिर वारेन्टन के कमरे पर धावा बोलना है।' कहकर वह फिर खाने में जुट गया।

हडन जानता था कि जब तक ब्राडी खा रहा है उससे कोई गंभीर बात करना मूर्खता है इसलिए वह चुपचाप बैठा स्काच पीता रहा और ब्राडी को खाते देखता रहा। जब वह खा पीकर मुंह पोंछ चुका और कॉफी आ गई तो हडन काफी का घूंट मारता हुआ बोला, अब काम की बात करें, लू?'

'हां।' लू कॉफी की प्याली में चम्मच चलाते हुए बोला।

'मैंने कैन्डरिक से बात की है। वह सारा मामला संभालने को तैयार है। कैन्डरिक का आदमी लगभग साढ़े तीन बजे तुम्हारे पास पहुंच जाएगा। उसे सारा माल दे देना तुम्हारा सरदर्द खत्म हो जाएगा। तुम होटल में अपने कमरे में वापस चले जाना। कैन्डरिक ने कहा है कि जैसे ही मामला शांत पड़ जाएगा वह माल बेचकर हमें पैसा दे देगा एक दो महीने से अधिक नहीं लेगा।'

'और, मान लो माल लेने के बाद कैन्डरिक कहे कि उसे तुमने कोई माल दिया ही नहीं, तब?' ब्राडी बोला।

'तुम ख्वामख्वाह ही चिन्तित हो रहे हो, लू। कैन्डरिक खूब जानता है हडन कैसा आदमी है अब जाहिर है जान से अधिक उसे माल थोड़े ही प्यारा है।' हडन हंसता हुआ बोला।

'ठीक है भई, यदि तुम कहते हो तो मुझे कोई आपत्ति नहीं।'

'गुड, यह हुई न कोई बात।'

'पर, मेरे पैसे का क्या होगा, एड?' ब्राडी बोला।

'तुम्हारा हिस्सा तुम्हारे नाम से स्विस बैंक में जमा हो जाएगा, तुम चिन्ता मत करो।'

'और माइक बैनियान का पांच लाख रुपया?'

'उसे भी प्रतीक्षा करनी होगी। जाहिर है कि इतना पैसा हम अपनी जेब से तो दे नहीं सकते, जब कैन्डरिक हमें पैसा देगा तभी तो देंगे हम उसे?'

'देखो, एड। उस बेचारे को पैसे की सख्त आवश्यकता है। उसे कैंसर है। और वह अपनी इकलौती पागल पुत्री के लिए कुछ पैसा छोड़कर मरना चाहता है। यदि हम उससे अच्छी तरह काम लेना चाहते हैं तो हमें उसे काम हो जाने के फौरन बाद ही पैसा देना होगा।'

'ठीक है तुम्हारे पास हो तो दे दो।' हडन बोला।

‘तुम जानते हो कि मेरे पास इतना पैसा नहीं है.. पर मैं जानता हूं कि पांच लाख तुम्हारे लिए कुछ भी नहीं है।’

‘इतना भावुक होने की आवश्यकता नहीं है लू, पहले काम हो जाने दो फिर पैसा तो दे ही दिया जाएगा उसे।’ कहकर हडन कुर्सी पीछे धकेलता हुआ उठ खड़ा हुआ।

7

मारिया और विल्बर वारेन्टन लगभग शाम सात बजे सैर सपाटे के बाद होटल वापस लौटे। विल्बर का मूड था कि होटल के ही किसी रेस्टोरेंट में चलकर भोजन किया जाए फिर एक डेढ़ बजे रात तक टी. बी. देखी जाए। पर मारिया आज कैसीनों जाकर जुआ खेलने और वही खाना खाने के मूड में थी।

'फिर जेवर निकाल दो पहनकर होटल से बाहर जाना खतरे से खाली नहीं है।'

मारिया की भवें तन गयीं। आखिर को थी तो वह भी धनी बाप की इकलौती बेटी। अपनी जिद पर क्यों न उड़ती।

'तो फिर ये सारे जेवर रखने से फायदा क्या जब हम उन्हें पहनकर कहीं आ जा ही नहीं सकते?'

'जानती हो?... यह भूखे नंगे क्यूबन का नगर है। बड़े अपराधी प्रवृति को होते हैं वे। हीरे तो बड़ी चीज है यदि तुम सोना भी पहनकर रात को निकल जाओ तो गोली मारकर सब लूट-लाट लेंगे।' विल्बर ने समझाना चाहा।

'मूर्खता की बातें मत किया करो। तुमसे क्या मतलब? मैं पहनूंगी हीरे, मैं देखूंगी तुम कैसे रोक लेते हो मुझे। मेरे संग चलना हो तो तैयार हो जाओ।'

विल्बर कुछ देर खड़ा सोचता रहा। मारिया पर उसे अत्यधिक क्रोध और बोलने पर अच्छा खासा महायुद्ध हो जाने की संभावना थी। इसलिए वह सेफ से जाकर हीरों का डिब्बा उठा लाया और उसे सिंगार मेज पर रखकर होटल से मालिक डूलक को फोन करने चल दिया।

'मैं...वारेन्टन बोल रहा हूं...क्या आप डूलक साहब से मेरी बात करवा सकते हैं?' डूलक की सैक्रेटरी से बोला वह।

'क्यों नहीं, क्यों नहीं मिस्टर वारेन्टन बस एक मिनट।' उसकी मधुर आवाज फोन पर उभरी।

लगभग पन्द्रह सैकेण्ड की प्रतीक्षा के बाद फोन पर मर्दाना स्वर उभरा, 'हैलो मिस्टर वारेन्टन क्या सेवा कर सकता हूं मैं आपकी?' डूलक बोला।

'हम लोग अभी कैसीनों जाने वाले हैं और मेरी श्रीमती जी की जिद है कि वे अपने हीरों के जेवर पहनकर चलेगी।'

डूलक अमीरों के चोंचले खूब जानता था। उसे समझने में देर लगी कि वारेन्टन उससे क्या कहना चाहता है।

'अगर मेरा ख्याल गलत नहीं है तो आपको अंगरक्षक की जरूरत है?' डूलक बोला।

'खूब पहचाना आपने डूलक साहब।' विल्बर प्रशंसात्मक ढंग से बोला।

'तो ये कौन से बड़ी बात है.... बस आप यह बताइए कि कब निकल रहे हैं होटल से?' डूलक

नम्रतापूर्वक बोला।

'लगभग... साढ़े आठ बजे।'

'ठीक है तो साढ़े आठ बजे होटल रिसेप्शन के पास अंगरक्षक प्रतीक्षा में खड़ा मिलेगा आपको मैं अभी ही फोन कर देता हूं कैसीनो के मालिक श्री केन्डरिक को भी कि आप लोग वहां तशरीफ ले जा रहे हैं। अंगरक्षक आपको होटल से कैसीनो ले जाएगा, सारा समय वहां आपके पास खड़ा रहेगा फिर आप लोगों को होटल तक वापस छोड़ जाएगा। कैसा रहेगा?'

'बिल्कुल ठीक रहेगा डूलक साहब, बहुत-बहुत धन्यवाद।'

'अरे इसमें धन्यवाद की क्या बात है.... यह तो मेरा फर्ज है... अच्छा गुड नाइट।'

जोश पैस्काट ने स्टाफ रेस्टोरेंट में अपना भोजन अभी समाप्त ही किया था कि होटल के एक बैरे ने उससे आकर कहा कि मालिक उसे याद कर रहे हैं।

पैस्काट जल्दी जल्दी हाथ मुंह धोकर डूलक के कार्यालय की ओर लपक लिया। इस समय साढ़े सात बजे रहे थे।

'तुम्हें श्री विल्बर वारेन्टन और उनकी श्रीमती के साथ उनका अंगरक्षक बनकर कैसीनो जाना होगा। उनकी श्रीमती हीरों के जेवर पहनकर कसीनों जा रही हैं। मैंने कैसीनों फोन कर दिया है। वहां पहुंचने पर तुम्हारी ड्यूटी समाप्त। कैसीनों वाले उन्हें अपना अंगरक्षक दे देंगे। फिर तुम वापस आकर अपनी ड्यूटी करना।'

'जी अच्छा, सर।' मन ही मन वह इन धनी चोंचलेबाजों को जमकर कोस रहा था।

'साढ़े आठ बजे निकलेंगे वे होटल से पर तुम सवा आठ बजे ही रिसेप्शन पर पहुंच जाना।' डूलक ने समझाया।

पेस्काट को याद आया कि लेप्सकी के लिए अनिता से भी बात करनी थी। पर इस चक्कर में तो वह अनिता से मिल ही नहीं पायेगा।

'सर।' वह हिचकिचाते हुए बोला, 'तो अपने यहां अनिता सर्टिंस नाम की एक क्यूबन स्त्री सफाई वगैरह का काम करती है ना उसके पति को पुलिस ने एक हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया हुआ है।'

'ऐं।' डूलक की भवें तन गयी। उसके होटल की कर्मचारी और उसका पति हत्यारा? 'ऐसी स्त्री को हम नहीं रख सकते अपने होटल में क्या नाम बताया तुमने उस औरत का?'

'अनिता... सर्टिंस, सर।'

'ठीक है.... यह तुम मुझ पर छोड़ दो।' डूलक आज्ञा भरे स्वर में बोला।

जब पेस्काट उसके कार्यालय से चला गया तो उसने होटल के मैनेजर के फोन पर आज्ञा दी कि वह सफाई कर्मचारी अनिता सर्टिंस को बिना किसी विलम्ब के सेवा से निरस्त करे दे।

'ठीक है, सर पर आप तो जानते ही हैं हमारे यहां सफाई कर्मचारियों की कितनी कमी है इस समय तो कोई नया कर्मचारी मिलने से रहा कल सुबह निकाल देंगे उसे।' मैनेजर गिड़गिड़ाया।

'अच्छा, पर कल सुबह के बाद वह होटल में दिखाई न दे।'

जब फोन पर यह वार्तालाप चल रहा था और उधर अपने ऑफिस में जोश पेस्काट अपनी पिस्तौल में गोलियां डाल रहा था तभी अनिता चुपके से पिछले दरवाजे से होटल में घुस आई। उसे आते किसी ने न देखा। अंदर से दरवाजा बंद कर वह सीधे महिला कर्मचारियों वाले विश्रामालय में घुस गई और शौचालय में छुप गई।

उसने सोच लिया था कि आज वह ड्यूटी पर नहीं जाएगी क्योंकि उसे डर था कि कही पुलिस उसकी प्रतीक्षा में होटल में मौजूद न हो.... कुछ भी हो वह यही बैठी-बैठी साढ़े बारह बजे का इंतजार करेगी और ठीक साढ़े बारह बजे बाहर निकलकर दरवाजा खोलेगी और फिर फुन्टेस और मैन्युअल को लेकर वारेन्टन के कमरे की ओर चल देगी।

* * *

स्पैनिश बे होटल के अपने सुईट में ब्राडी मैगी और बैनियान अंतिम तैयारियों में व्यस्त थे।

ब्राडी ने माइक को आश्वासन दिया कि उनके हाथ लूट का सामान आते ही वे एक दो दिन के अन्दर अन्दर उसे पैसा दे देंगे। यह समाचार सुनकर माइक खुशी के फूला न समाया। मैगी भी यह सुनकर प्रसन्न होते हुए बोली, 'कहो माइक, अब तो खुश हो न?'

माइक ने तीन पीड़ानाशक गोलियां खा ली थी। यद्यपि उसे इस समय पीड़ा बिल्कुल भी न हो रही थी पर पता नहीं क्यों वह रह-रहकर यह सोच-सोचकर दिल ही दिल में घबरा उठता कि ऐन मौके पर कहीं पीड़ा उठ गई तो क्या होगा। इस घबराहट से बुरी तरह ग्रस्त होने के कारण चाहकर भी वह स्वयं में चुस्ती फुर्ती न महसूस कर पा रहा था।

'मैं तुम्हारा चेहरा इस प्रकार बदल दूंगा कि तुम्हें पहचानना मुश्किल हो जाएगा।' ब्राडी ने कहा। माइक ब्राडी की बातें बहुत गौर से सुन रहा था। ब्राडी फिर बोला, 'हम लोग अपने काम पर दो बजे निकलेंगे... याद रहे कि जो कोई भी हमारे बीच आने की कोशिश करेगा उसे तुम पिस्तौल चलाकर बेहोश कर दोगे। यदि अपने कमरे में वारेन्टन और उसकी पत्नी जगे हुए मिलें, तो उन्हें भी तुम इस पिस्तौल से गहरी नींद सुला दोगे.. पर एक बात ध्यान रखना कि गोली गोश्त पर लगे न कि शरीर के हड्डी वाले किसी भाग पर... हमारा सारा काम चालीस मिनट के अंदर-अंदर समाप्त होना है... फिर हम लौटकर यहीं कमरे में आ जाएंगे... लूट का सारा माल एक व्यक्ति के हवाले कर हम यहां दो-एक दिन और रहेंगे फिर तुम्हारा पैसा तुम्हें दे दिया जाएगा फिर हम अपने-अपने घर वापस।'

माइक ने हां में सिर हिलाया।

'गुड।' कहकर ब्राडी मैगी की ओर देखता हुआ बोला, 'और मैगी.. तुम्हें याद है ना तुम्हारा क्या काम है... उस जासूस साले को बहलाए रखना... हां, एक काम और.. अभी तुम रेस्टोरेंट जाकर कह आओ कि हमारे साहब की तबियत ठीक नहीं है इसलिए आज रात वह खाना नहीं खाएंगे।'

मैगी आश्चर्य से आंखें फाड़ती हुई बोली, 'क्या? डार्लिंग... तुम्हारी तबियत वाकई ठीक नहीं है क्या?'

’अरे… बेवकूफ… यह तो केवल वहां कहना है तुम्हें ताकि जब पुलिस वाले अपनी पूछताछ चलाएंगे तो उन्हें पता चलेगा कि उस रात मैं बीमार था और कमरे में ही पड़ा था।’

ब्राडी की यह बात सुनकर मैगी मुस्कुराए बिना न रह सकी। वह ब्राडी की ओर प्रशंसा और प्यार भरी नजरों से देख रही थी।

’एक बात और… रेस्टोरेंट में चैक कर लेना कि वारेन्टन और उसकी पत्नी वहां हैं या नहीं… यदि नहीं तो क्या वे आज रात होटस से कहीं बाहर तो नहीं गए।’ ब्राडी बोला।

’ठीक है डार्लिंग… पर मैं तो खाना खाऊंगी।’ वह मुंह बनाती हुई बोली।

’तुम्हें किसने रोका है। खूब खाओ, जी भरकर खाओ, कौन-सा पैसा देना है हमें।’ ब्राडी मुस्कराता हुआ बोला।

मैगी खुशी से सीटी बजाने लगी।

’ये सब बचकानी हरकतें छोड़ो और जल्दी जाओ।’ ब्राडी प्यार से बोला।

जब ब्राडी और मैगी इस वार्तालाप में लगे थे तो माइक अपनी बेटी के विषय में सोच रहा था। उसने पैराडाइज सिटी आने के बाद डाक्टर को दो बार फोन किया खा। डाक्टर ने उसे आश्वासन दिया था कि उसकी बेटी क्रिस्सी बिल्कुल ठीक है पर उसे बहुत याद करती रहती है।

लगभग आधे घंटे बाग मैगी रंगीन और जानलेबा कपड़ों में सजी-धजी कमरे से बाहर निकल कर गई। रेस्टोरेंट के बाहर कुछ लोग लॉन में बैठे खाने-पीने में व्यस्त थे। उन सबसे अलग-थलग दूर कुर्सी पर जोश-पैस्काट बैठा था। मैगी उसे आंखें मारकर अदा से मुस्कराती हुई आगे बढ़ गई।

रेस्टोरेंट में ब्राडी के खाने को मना कर और स्वयं पेट भर खाना खाने के बाद वह बाहर निकली जो जोश पैस्काट वहां तब भी बैठा था।

‘हैलो…क्या हो रहा है यहां अकेले-अकेले? तुम्हारी नौकरी भी बड़ी मस्ती की है चुपचाप बैठे आराम करते रहो और तनख्वाह लो।’

‘क्या खाक बैठे रहो।’ जोश तुनकता हुआ बोला, ‘अभी थोड़ी देर में बड़ी मस्ती की है, बस चुपचाप बैठे आराम करते रहो और तनख्वाह लो।’

‘कौन है वह चोंचलेबाज?’ मैगी ने यूं ही पूछा।

‘अरे वही साला तेल वाला अरबपति वारेन्टन।’

मैगी चौंके बिना न रह सकी। उसे प्रसन्नता भी हो रही थी कि बैठे बिठाए ही वारेन्टन के बारे में पता चल गया वरना उसे कहां-कहां मारे-मारे फिरना पड़ता।

‘इस तेल वाले को अंगरक्षक की क्या आवश्यकता पड़ गई?’ मैगी आगे जानने के लिए बात बनाती हुई बोली।

‘जोरू का गुलाम है साला। उसकी बीवी आज अपने तमाम हीरे जवाहरात पहनकर जुआ खेलने कैसीनो जा रही है खैर… छोड़ो इन सब बातों को।’ कहकर जोश ने इधर-उधर नजरें दौड़ाई फिर संतुष्ट होकर कि आसपास कोई सुनने वाला नहीं है वह धीरे से बोला, ‘रात का वायदा याद है ना?’

मैगी ने लजाने का इतना बढ़िया अभिनय किया कि जोश खुशी और उत्सुकता में तड़प उठा।

'वहां कोई देख लेता तो?' वह वैसे ही लजाते हुए धीमे से बोली।

'अरे छोड़ो भी ठण्डे पाले में दो बजे रात को कोई स्विमिंग पूल के पास क्या करेगा।' वह जोश में आता हुआ उठ खड़ा हुआ।

मैगी शरमाकर सिर हिलाकर 'हां' कहती हुई वहां से जल्दी जल्दी गई और जोश आज रात होने वाली रंगीनियों के बारे में सोचकर दिल ही दिल में प्रसन्न होता रहा।

* * *

कैसीनों में मारिया के प्रवेश करते तहलका सा मच गया। मैनेजर और मालिक ने स्वयं आकर गेट पर उनका स्वागत किया था और उन्हें कैसीनों की सबसे बढ़िया टेबल पर बिठाया था। हाल में धनी जुआरी लोग खाने पीने में कम और मारिया और उसके हीरों को घूरने में अधिक लगे थे। मर्द विल्बर के भाग्य पर रश्क कर रहे थे और स्त्रियां मारिया के जेवरात देख-देखकर अन्दर ही अन्दर जलन की भावना से घुटी जा रही थी। अभी भोजन चल रहा था और लोग इस फिराक में थे कि खाना जल्दी समाप्त कर असली काम जुए पर लग जाएं।

इस बात को पूरी तरह ध्यान में रखते हुए कि सभी लोग उसे घूर रहे हैं, मारिया के अंदाज और भी बदल गए थे। वह बैरे को हर वह चीज लाने का आर्डर कर रही थी जो मीनू में लिखा था। विल्बर सोच रहा था कि चलो हनीमून में इसे मनमानी कर लेने दो। घर चलेगी तो समझा बुझाकर ठीक कर लूंगा।

जोश पैस्काट उन दोनों को वहां सुरक्षित पहुंचाकर वापस होटल चला आया था। आते-आते उसने कैसीनो के अंगरक्षक को समझाया था कि वह श्री और श्रीमती वारेन्टस का पूरी तरह ध्यान रखे, पास ही रहे और फिर वापस होटल तक पहुंचाए।

होटल आकर उसने अपनी ड्यूटी चालू कर दी थी। मैगी से सवा दो बजे मिलने का उस पर इस कदर भूत सवार था कि वह अनिता सर्टिस के बारे में बिल्कुल भूल गया था। गलियारों में भ्रमण करने में भी आज उसका मन नहीं लग रहा था। बस ड्यूटी की ख्याल से वह इधर उधर मंडराता रहा और बार-बार कलाई पर बंधी घड़ी देखता रहा। इस समय नौ बज रहे थे और उसे बड़ी व्याकुलता से सवा दो बजने का इंतजार था जब मैगी उसकी बांहों में होगी।

* * *

मैन्युअल फुन्टेस की ओर भरी हुई रिवाल्वर बढ़ाता हुआ बोला, 'यह पिस्तौल रख लो पर एक बात का ध्यान रहे कि पिस्तौल तभी चलाना जब मरने मारने की नौबत आ जाए।

फुन्टेस अपने सूखे होंठों पर जीभ फेरता हुआ बोला, 'समझाता हूं मैं।'

'वारेन्टन के बाप को पैसा लेकर आने में तीन चार दिन लग जाएंगे और जाहिर है कि इतने दिनों हम कमरे में पड़े रहेंगे खाना पीना भी होगा हमें... मैं फोन पर डूलक को उसका होटल उड़ाने की

धमकी दे दूंगा और वह हमें खाना पीना भेजता रहेगा हां, हम लोग एक एक कर सोएंगे अनिता को भी पकड़कर अन्दर ही रखना है ...समझो?' मैन्युअल बोला।

'ठीक है... पर तुम्हें भी याद है ना पांच में से एक करोड़ मेरा हिस्सा?'

फुन्टेस इतनी गंभीरता से बोला कि मैन्युअल को हंसी आ गई, 'हां भई तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है।' मैन्युअल हंसते हुए बोला।

फुन्टेस खिसिया गया। अपनी झेंप मिटाने को बोला, जब अनिता को होश आएगा तब वह हाथ पैर चलाएगी और...।'

'ये सब तुम मुझ पर छोड़ दो।' मैन्युअल बोला।

'बड़ी खतरनाक स्त्री है वह।' फुन्टेस बोला।

मैन्युअल फिर हंसा। इस बार उसकी हंसी में क्रूरता थी, और... मैं क्या हूं... उससे कम खतरनाक हूं क्या।' वह बोला।

फुन्टेस ने उसे घूरा। उसका पूरा शरीर किसी अनजाने भय से कांप उठा।

तभी केबिन में रखे फोन की घंटी बज उठी। मैन्युअल फोन की ओर लपका और रिसीवर झपटता हुआ बोला, 'हैलो?'

और फिर वह केवल सुनता रहा। फुन्टेस की दृष्टि निरंतर मैन्युअल पर केन्द्रित थी। हाथ में भरी पिस्तौल पकड़े वह सोच रहा था कि यदि मैन्युअल कोई धोखा धड़ी करेगा तो वह उसे इसी पिस्तौल से खत्म कर देगा और इस विचार से उसके अन्दर विश्वास की एक लहर दौड़ गई।

'धन्यवाद, दोस्त इस समाचार के लिए तुम्हें मैं वाकई इनाम दूंगा।' कहकर उसने टेलीफोन बंद कर दिया। फिर वह फुन्टेस की ओर देखकर मुस्कराता हुआ बोला, 'अनिता की समस्या हल हो गई कोई आधा घंटा पूर्व पेड्रो भगवान को प्यारा हो गया मेरे अस्पताल वाले डाक्टर मित्र का फोन था।'

फुन्टेस का चेहरा खुशी से दमक उठा, 'मर गया साला।' वह चिल्लाया।

मैन्युअल गंभीर हो चुका था, बोला 'यदि अनिता को पता चल गया तो वह हमें होटल में घुसने ही नहीं देगी।'

फुन्टेस का चेहरा फिर बुझ गया। वह विवशता से मैन्युअल की ओर देखने लगा जैसे कह रहा हो अब क्या होगा।

'पर घबराने की बात नहीं है।' मैन्युअल बोला, 'यह बात तो तब होगी जब अनिता को दुखद समाचार मालूम पड़ेगा। इस समय तो वह होटल में होगी और वहां उसे कौन उल्लू का पट्ठा बताने जा रहा है कि पेड्रो मर गया हम जब वारेन्टन के कमरे में पहुंच जाएंगे तब बताएंगे कि पेड्रो... और उसे धमकाएंगे कि यदि वह बाहर गई तो पुलिस उसे धर दबोचेगी इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि वह हमारे साथ अन्दर आ जाए यदि आ गई तो हम उसे कुछ पैसा वैसा भी दे देंगे।'

'पर मान लो वह यह समझे कि तुम झूठ बोल रहे हो, तब?'

मैन्युअल क्षण भर खड़ा सोचता रहा फिर अलमारी से जाकर एक छोटा सा ट्रांजिस्टर लाता हुआ

बोला, इसका इलाज भी है मेरे पास अब यह रेडियो ही उसे बताएगा कि क्या सच है और क्या झूठ।'

थोड़ी देर में दोनों अपनी अपनी कमर में पिस्तौल छुपा जेब में गोलियां ठूंसे और जरूरत का छोटा मोटा सामान लिए स्टीमर से बाहर आ गए।

* * *

लगभग पौने दस बजे लेप्सकी और जैकोबी कार से स्पेनिश वे होटल में दाखिल हुए। दोनों ही का मूड खराब था पर लेप्सकी का मूड कुछ अधिक ही खराब था। आज लेप्सकी और कैरोल के विवाह की वर्षगांठ थी और कैरोल की जिद्द थी कि आज वे अच्छे होटल में डिनर लेंगे फिर फिल्म वगैरह देखेंगे और मौज मस्ती लेंगे। लेप्सकी ने वायदा कर लिया और प्रसन्नचित कैरोल अभी से नहाने धोने, कपड़े इस्तरी करने में लग गई थी। वैसे भी सुबह कैरोल से उसकी बक झक हो गई थी इसलिए उसने सोचा कैरोल को मनाने का यह अच्छा तरीका है। पर उसे क्या मालूम था कि दोपहर को यह सब मुसीबतें खड़ी हो जाएंगी। मना करने को तो उसने कैरोल को फोन पर मना कर दिया था कि एक अनिवार्यतम ड्यूटी के कारण वह अपने वचन को निभा न सकेगा पर उसे मालूम था कि घर पहुंचने पर उसे कैरोल की कितनी झाड़-फटकार सुननी पड़ेगी और तो और घंटों तो वह अपने भाग्य को रोएगी कि पुलिस वाले से विवाह करके जीवन नष्ट हो गया, वगैरह-वगैरह और लेप्सकी को कैरोल की इन बातों से बहुत कोफ्त होती थी क्योंकि रूठने के बाद कई दिनों तक घर की हडिया-पतीली उल्टी रहती और लेप्सकी को विवश होकर होटल का सड़ा गला भोजन खाना पड़ता था। इन्हीं विचारों में खोया हुआ वह कार चलाता स्पैनिश बे होटल की ओर बढ़ता चला जा रहा था। अपने विचारों में वह इतना खोया हुआ था कि बगल में बैठे जैकोबी का भी होश न रहा था उसे। वैसे कुल मिलाकर लेप्सकी के लिए आज बड़ा मनहूस दिन था और तो और पुलिस मुख्यालय से चलते समय जैकोबी से भी उसकी अच्छी-खासी बक-झक हो गई थी। क्योंकि जैकोबी का आज रात किसी सुन्दरी के साथ मिलने मिलाने का प्रोग्राम था और वह होटल चलने को तैयार ही न हो रहा था। दोनों रास्ते भर खामोश ही रहे थे। लेप्सकी जानता था कि जैकोबी को छोड़ना मुसीबत मोल लेने से कम न था और उधर जैकोबी भी लेप्सकी के मूड से परिचित था।

होटल पार्किंग में कार खड़ी कर लेप्सकी और जैकोबी जोश पैस्काट के कार्यालय की ओर चल दिए। कार्यालय का दरवाजा तो भेड़ा हुआ था पर अन्दर बिल्कुल अंधेरा था। लेप्सकी ने अंदर पहुंचकर बत्ती जला दी और फिर दोनों कुर्सियों पर पैर फैला बैठ सिगरेट के कश लेने लगे।

दोनों फिर भी खामोश ही रहे। लेप्सकी अब भी कैरोल के ही विषय में सोच रहा था और जैकोबी अपनी गर्ल फ्रैंड के बारे में। उसे भय था कि आज की वादा-खिलाफी से तुनककर कहीं उसकी गर्ल-फ्रेंड उसे मिलने का कभी समय ही न दे।

लेप्सकी के पास सिगरेट समाप्त हो गए थे। उसने घड़ी पर दृष्टि डाली, लगभग साढ़े दस बजे रात्रि का समय था।

'कुछ समझ में नहीं आता, जोश अफीमची कहां चला गया, दस का समय दिया था बेहूदे ने और अब साढ़े दस बज रहे हैं।' लेप्सकी खड़ा होता हुआ बोला।

लेप्सकी की जेबें टटोलते और उठते देख जैकोबी को समझने में देर न लगी थी कि उसके पास सिगरेट खत्म हो गए है। उसने बिना कुछ कहे हुए सिगरेट का पैकेट लेप्सकी की ओर बढ़ाया।

'ठीक है एक बार लेता हूं पर मैं इस जोश दगाबाज को देखने जा रहा हूं...तुम यहीं रहो, हो सकता है वह यहीं जा आए।'

जैकोबी फिर भी कुछ न बोला। जाहिर था कि उसका मूड बहुत खराब था और इसमें लेप्सकी का बहुत बड़ा हाथ था तो वह भला लेप्सकी से क्यों बोलता?

लेप्सकी कमरे से बाहर निकल गया। लॉबी में आकर रिसेप्शन पर बैठे एक क्लर्क से उसने जोश के बारे में पता किया।

'वो तो अपनी ड्यूटी पर है।' क्लर्क ने बताया।

'पर ऑफिस तो खाली पड़ा है।' लेप्सकी ने बताया।

'इस समय उनकी ड्यूटी ऑफिस में बैठने की नहीं होती... इस समय तो वह भ्रमण पर होते हैं।' क्लर्क हंसकर बोला।

'भ्रमण? .... पर कहां?' लेप्सकी ने पूछा।

'यह तो नहीं कहा जा सकता कि कहां... पर इतना मालूम है कि होटल ही में कहीं होंगे।'

लेप्सकी ठंडी सांस छोड़ता हुआ बोला, 'ठीक है....... आपको दिखाई दे तो कहिएगा निरीक्षक लेप्सकी ऑफिस में आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

'दिखाई दिए तो बोल दूंगा।'

'धन्यवाद।'

जोश के कार्यालय में निराश लेप्सकी वापस आ गया, 'साला भ्रमण पर है....लाओ एक सिगरेट और दे दो।' लेप्सकी बैठता हुआ जैकोबी से बोला।

जोश पैस्काट आज मैगी ही के ख्यालों में मस्त बस नाममात्र के लिए ड्यूटी बजा रहा था। लगभग सवा ग्यारह बजे उसका सिगरेट का पैकेट समाप्त हो गया तो उसने सोचा चलो ऑफिस चलकर नया पैकेट ले लिया जाए और स्काच का भी एक दो पैग मार लिया जाए।

कार्यालय में प्रकाश देखकर उसका माथा ठनका फिर दूर से उसे कुर्सी पर बैठा जैकोबी नजर आया। उसे एक दम आभास हुआ कि उसने तो लेप्सकी को दस का समय दिया था फिर उसे अनिता सर्टिस याद आई। पर आखिर था तो वह भी पुलिस ही का भूतपूर्व अधिकारी। कमरे में मुस्कराहट बिखेरे प्रवेश करता हुआ तपाक से बोला वह, 'अरे, अरे...वाकई बड़ा खेद है मुझे....दरअसल मेरी एक स्पेशल ड्यूटी लगा दी थी डूलक साहब ने....वारेन्टन का अंगरक्षक बनकर उनको कैसीनों पहुंचाना पड़ा।'

'वह क्यूबन औरत कहां है?' लेप्सकी खड़ा होकर भड़कता हुआ बोला।

'मेरे ख्याल से अब तक तो वह घर भी चली गई होगी।' जोश गंभीर होता हुआ बोला।

'घर ?....क्या बकवास कर रहे हो तुम....तुमने उससे दस बजे मिलवाने का वायदा किया था ?' लेप्सकी अपने क्रोध पर नियंत्रण न रख पा रहा था।

'पर....पर मैं क्या कर सकता था....बताया न स्पेशल ड्यूटी पर बाहर जाना पड़ गया।' जोश थूक निगलता हुआ बोला।

'तुम्हें कैसे मालूम कि वह घर जा चुकी है ?' लेप्सकी फिर गुर्राया।

'उसकी ड्यूटी रात को बस आठ बजे से दस बजे तक रहती है और इस समय बज रहा है साढ़े ग्यारह जाहिर है कि अब तक वह वापस घर जा चुकी होगी....अब मेरे ऊपर गरम होने से क्या फायदा, आप उसके घर चले जाएं।'

'पता नहीं घर पर होगी भी या नहीं।' लेप्सकी थोड़ा ठंडा पड़ता हुआ बोला।

'जाकर पता कर लीजिए।'

जैकोबी खड़ा होता हुआ बोला, 'आओ, टाम। उसके घर ही देखे लेते हैं।'

'पर जोश, याद रखना यदि वह घर पर नहीं मिली तो यहां वापस आकर ऐसा सबक सिखाऊंगा तुम्हें कि जीवन भर याद करोगे।' लेप्सकी जोश की ओर उंगली दिखाते हुए गुर्राया।

'मेरा क्या, मैं तो सीधे डूलक साहब को फोन कर दूंगा वो समझे, मेयर समझें और तुम्हारा चीफ।'

इधर यह झड़प चल रही थी और उधर महिला विश्रामालय के शौचालय में बंद अनिता सोच रही थी कि कब साढ़े बारह बजे और कब वो बाहर निकले। पाट पर बैठे-बैठे उसे झुनझुनी पड़ गई थी और समय था कि जैसे कटने का नाम ही न ले रहा था।

बाहर रसोई का शोर शराबा भी धीरे-धीरे अब मंद पड़ता जा रहा था। लगभग बारह बजने में एक डेढ़ मिनट शेष था, वह उठी और शौचालय का दरवाजा खोलकर उसने धीरे से बाहर झांका। सौभाग्यवश न तो विश्रामालय में ही कोई था और न बाहर गलियारे में ही। वह दबे पांव स्टाफ द्वार की ओर बढ़ने लगी वहां पहुंचकर उसने धीरे-से दरवाजा खोला। बाहर मैन्युअल और फुन्टेस चोरों के समान खड़े थे। उन्हें लेकर वह बचती बचाती नीचे तहखाने की ओर चल दी। नीचे पहुंचकर तीनों लिफ्ट में घुस गये। दरवाजा अपने आप बंद हो गया, अनिता ने अंतिम मंजिल का बटन दबा दिया। लिफ्ट ऊपर की ओर रेंगने लगी।

'पेड्रो... ?' अनिता मैन्युअल की ओर प्रश्नसूचक निगाहों से देखती हुई बोली।

उसके बाद कोई समाचार नहीं मिला...मैंने अपने डाक्टर मित्र को फोन लगाया था पर पता लगा कि वह घर जा चुका है और उसके घर का फोन नम्बर मेरे पास नहीं है...खैर ठीक ही होगा पेड्रो...चिन्ता की कोई बात नहीं।' मैन्युअल धीरे-धीरे बोला।

'मेरा भी दिल कहता है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।' अनिता लिफ्ट की छत की ओर देखती हुई बोली जैसे भगवान से बातें कर रही हो।

लिफ्ट रुक चुकी थी। बाहर आकर अनिता ने दोनों की पीछे खड़े रहने का इशारा किया और सर निकालकर गलियारे में झांकने लगी। गलियारा बिल्कुल सुनसान पड़ा था। वहां से वह दोनों को

सीढ़ियों से लेती हुई निचली वाली मंजिल पर आ गयी जिस पर वारेन्टन का कमरा था। कमरे का दरवाजा खोलने में उसे मुश्किल से तीन चार सेकंड का समय लगा होगा। अन्दर केवल एक बैडरूम में नाइट बल्ब जल रहा था। दरवाजा अंदर से लगा लिया।

* * *

कार पर अनिता के घर की ओर जाते समय लेप्सकी और जैकोबी को कार में लगे ट्रांजिस्टर से मालूम पड़ा कि पेड्रो चल बसा।

'अब उसकी पत्नी से मिलने का क्या लाभ होगा, टाम।' जैकोबी उकताते हुए बोला।'

'लगता है तुम्हारे दिमाग में वह लड़की अब तक नाच रही है।' लेप्सकी बोला।

'हो सकता है वह अब तक मेरी प्रतीक्षा में होटल में ही बैठी हो... वैसे भी वह रात में देर से सोने की आदी है....कल मेरी भी छुट्टी है, रात को देर से सोया तो भी कोई हर्ज नहीं...पर मेरी समझ में नहीं आता कि जब वह हत्यारा मर गया तो अब तुम उसकी बीवी से मिलकर कौन सा तीर मार लोगे।' जैकोबी समझाता हुआ बोला।

'ये तो और भी अच्छी बात हुई। अपने पति की मृत्यु का दुखद समाचार सुनकर वह काफी दुखी और कुंठित होगी...अगर इस कांड में उस पिस्तौल वाले का...फुन्टेस को कोई हाथ होगा जो मुझे विश्वास है कि ...तो वह उसके विषय में फौरन बता देगी।' लेप्सकी बोला।

'फुन्टेस के बारे में पता करके भी तुम क्या कर लोगे? वो तो यहां से हजारों मील दूर हवाना में है....उसके पकड़ पाना तो मुश्किल ही काम है...देखो, आधी रात हो चली है, भगवान के लिए लौट चलो।' जैकोबी बोला।

लेप्सकी के दिमाग से फुन्टेस के हवाना भाग जाने वाली बात तो एकदम निकल चुकी थी। जैकोबी ने याद दिलाया तो उसने निराश होते हुए ब्रेक पर अपना पैर जमा दिया और गाड़ी मोड़कर घर की ओर ले चलने लगा।

थोड़ी देर बाद जैकोबी बोला, 'मुझे यही उतार दो टाम।'

'भगवान तुम्हारी रक्षा करे मैक्स....प्रेमिका के इंतजार में कही रात सड़क पर न गुजारनी पड़े।'

'तुम अपनी चिन्ता करो टाम, अपने न तो आगे नाथ न पीछे पघा मर भी गया तो कोई रोने वाला नहीं।' कहकर जैकोबी हंसा और कार का दरवाजा बंद करता हुआ पीछे की ओर बढ़ गया। प्रतिउत्तर में लेप्सकी की भी हंसी गूंजी और कार जन्नाटे से आगे बढ़ गई।

* * *

'बत्ती मत जलाओ।' अनिता, फुन्टेस को स्विच की ओर बढ़ते देख क्रोध में फुसफुसाई।

'हां, बत्ती जलाना खतरनाक है, उसे बैडरूम का दरवाजा ठीक से पूरा खोल दो। उसमें से जो नाइट बल्ब जल रहा है उसका प्रकाश काफी होगा।' मैन्युअल फुन्टेस से बोला। फुन्टेस ने दरवाजा खोल दिया। मैन्युअल कमरों की सुन्दरता और भव्यता देख प्रभावित हुए बिना न रहा सका। उसने

मन ही मन सोचा 'खैर, पांच करोड़ रुपये हाथ आ जाएंगे तो ऐसे कमरों में ठहरना कौन सी बड़ी बात होगी।' वह पास पड़ी एक कुर्सी पर बैठ गया।

फुन्टेस बाल्कनी पर जा चुका था। वह घूम-घूमकर सारे कमरे व बार वगैरह अंधेरे में ही देख-देखकर मन ही मन खुश हो रहा था। अपनी जिन्दगी में पहली बार इतने बड़े होटल के एक विशेष सूट में आया था वह, इसलिए उसके सभी कुछ अजीब सा था।

मैन्युअल अंधेरे में अपनी रेडियम घड़ी को गौर से देखता हुआ बोला, 'समाचार का समय हो रहा है...मैंने घोड़ों की रेस में काफी पैसा लगा रखा है। आज रात उसका परिणाम घोषित होने वाला है...देखें भाग्य कितना साथ देता है? ...अनिता...तुमने कभी रेस खेली है?'

'इतना पैसा कहां से आएगा भला मेरे पास...।' अनिता ठंडी सांसें छोड़ती हुई बोली फिर मैन्युअल के हाथ में छोटा सा ट्रांजिस्टर देख वह हड़बड़ाई, 'अरे, कहीं बजा मत देना....बाहर कोई सुनेगा तो उसे अवश्य ही संदेह होगा क्योंकि...।'

'धीरे-धीरे बजाऊंगा।' मैन्युअल अनिता की बात काटता हुआ बोला और ट्रांजिस्टर ऑन कर दिया धीरे पर स्पष्ट आवाज आ रही थी।

बाल्कनी में खड़ा फुन्टेस ट्रांजिस्टर की आवाज सुनकर बड़बड़ाए बिना न रह सका। नीचे से ऊपर तक वह पसीने-पसीने हुआ जा रहा था। नाना प्रकार के संदेह व भय जन्म ले रहे थे उसके मन में पेड्रो की मृत्यु का समाचार सुनकर कहीं यह पागल स्त्री चिल्लाने न लगे....ऐसी स्थिति में क्या मैन्युअल उसे संभाल सकेगा? उसका हाथ अनायास ही कमर पर चला गया जहां उसने पिस्तौल खोस रखा था।

ट्रांजिस्टर में समाचार आना शुरू हो गया था पर राष्ट्रीय समाचार चल रहा था। मैन्युअल का खूब मालूम था कि इसी के ठीक बाद क्षेत्रीय समाचार आयेगा... और...। सामने बैठी अनिता के चेहरे को ठीक से देखने की चेष्टा करने लगा वह पर बेडरूम से आ रहे मद्धिम प्रकाश में अनिता के चेहरे के भावों को तो क्या चेहरे ही को देखना मुश्किल हो रहा था। कुर्सी पर बैठी किसी विचार में डूबी लग रही थी वह।

और आखिरकार ट्रांजिस्टर पर वह समाचार आ गया जिसकी उसे प्रतीक्षा थी। फुन्टेस भी डरा डरा सा बाल्कनी के कमरे के अंदर प्रवेश कर चुका था। मैन्युअल सीधा होकर बैठ गया था कि यदि अनिता चीखने चिल्लाने की कोशिश करे तो वह उसका मुंह दबा सके।

'शुक्रवार को सीकाम्ब में हुए हत्याकांड में पुलिस निरीक्षक लेप्सकी द्वारा गोली मारकर पकड़ा जाने वाला हत्यारा पेड्रो सर्टिस जो सिटी अस्पताल में कई दिनों से बेहोशी की अवस्था में पड़ा था, आज रात होश में आने के बाद चल बसा....।'

मैन्युअल ने बला का अभिनय करते हुए ट्रांजिस्टर को बंद किया और उसे जमीन पर पटककर अनिता की ओर देखने लगा, इस प्रतीक्षा में कि कब उस पर चीखने चिल्लाने का दौरा पड़े और कब वह उसका मुंह दबाये।

पर ऐसा कुछ भी न हुआ। अनिता पत्थर की मूर्ति के समान मौन बैठी रही। दूर से आ रहे समुद्र के पानी के शोर और होटल में नीचे भीड़-भाड़ के शोर के अतिरिक्त कमरे में बिल्कुल खामोशी थी।

आखिर मैन्युअल ने ही चेष्टा कर खामोशी तोड़ी, हे भगवान ये क्या किया तूने अनिता...अनिता....क्या हुआ ये सब? स्वर में काफी दर्द था। अनिता फिर भी मूर्ति के समान बैठी रही।

यह सोचकर कि वह किसी क्षण भी पागलों के समान चीख चिल्ला सकती है, मैन्युअल कुर्सी से उठ उसकी ओर बढ़ गया।

'अनिता! दिल में छेद देने वाला समाचार यह-यह...।'

'मेरे नजदीक मत आना।' अनिता की फंसती हुई आवाज निकली।

मैन्युअल जहां था वहीं रुक गया। उसे लगा, स्वर कमरे में बैठी किसी स्त्री के मुंह से निकलकर दूर आकाश से आ रहा हो।

कमरा एकाएक प्रकाशित हो उठा। अनिता ने पास रखे टेबल लैम्प का बटन दबा दिया था। अनिता को देखकर मैन्युअल भयभीत और दुखी हुए बिना न रह सका। क्षण भर में वह क्या से क्या हो गयी थी। और धंसी-धंसी सी और अग्नि अंगारा लग रही थी। चेहरा दुख से बुझ चुका था पर पागलपन का कोई चिन्ह न था वहां ऐसा अवश्य लग रहा था मैन्युअल को कि जैसे वह किसी मृतक का चेहरा देख रहा हो।

'अनिता...। विश्वास करो...मुझे भी उतना ही दुख पहुंचा है जितना कि तुम्हें।' वह भावुक होता हुआ बोला।

'झूठ बोल रहा है तू, मक्कार, कमीने।' वह एकाएक गहरे शोक के शांतमयी संसार से यथार्थ के कौतूहमलय संसार में वापस आती हुई चिल्लाई, 'तू जानता था कि पेड्रो मरने वाला है, तुझे खूब मालूम था कमीने पर यहां तक आने के लिए तूने सारा नाटक रचा सच्चाई का देवता बनता था तू.... भगवान समझेगा तुझसे।'

'अ-अ-अनि अनिता। भगवान के लिए मुझे गलत न समझो, मेरी पूरी बात सुनो, अनिता भगवान के लिए अनिता।' मैन्युअल सफल अभिनय करता हुआ गिड़गिड़ाया, 'मैं भगवान की सौगन्ध खाकर कहता हूं मैंने तुमसे झूठ नहीं बोला था उस डाक्टर ने ही मुझसे झूठ बोला था मैं झूठ नहीं बोलता, अनिता, हमारे समुदाय के सभी लोग जानते हैं मैं झूठा नहीं हूं...पर...पर...उस डाक्टर ने मुझसे झूठ क्यों बोला? आखिर क्यों?' वह एह हाथ की मुट्ठी बना कर दूसरे खुले हाथ पर मारता हुआ नाटकीय ढंग से बोला। ऐसे जैसे वह वाकई सोचने की चेष्टा कर रहा हो कि डाक्टर ने उससे झूठ क्यों बोला था, 'इसका पता मैं लगाकर रहूंगा अनिता, उस कुत्ते ने मुझसे आखिर झूठ क्यों बोला उस कमीने को आखिर इसकी सजा भुगतनी ही पड़ेगी।' वह दांत पीसता हुआ बोला। अनिता ने दु:ख की ताव न लाते हुए अपनी आंखें भीच ली। आंसू अनवरत उसकी आंखों से निकलकर उसके कपोलों को गीला किये जा रहे थे, 'पेड्रो मेरे पेड्रो...मुझे अकेला छोड़कर चले गये ना तुम आखिर....पेड्रो क्या बिगाड़ा था मैंने तुम्हारा, पेड्रो, मेरी जान...क्यों किया तुमने ऐसा?' वह सिसकने लगी।

मैन्युअल ने पास खड़े फुन्टेस को देखा। जवाब में फुन्टेस ने उसे आंख मारी। उसका ख्याल था मैन्युअल के जानदार अभिनय ने अपना कमाल दिखा दिया था।

'हवाना पहुंचकर हम पेड्रो का खूब धूमधाम से क्रिया कर्म करेंगे, अनिता चिल्ला चिल्लाकर रो लो

अनिता ताकि हृदय की भड़ास निकल जाए।' मैन्युअल भावुकता का अभिनय करता हुआ बोला। कमरे में थोड़ी देर खामोशी छाई रही फिर अनिता एकदम खड़ी होती बोली, 'मैं अब जाऊंगी।'

मैन्युअल उसे आश्चर्यचकित दृष्टि से घूरने लगा। उसने सपने में भी न सोचा था कि दुख के इस विशाल समुद्र में डूबने के बाद वह यहां से एकदम जाने का भी सोच सकती है।

'पर....जाओगी कहां अनिता?'

'चर्च...पेड्रो के लिए मोमबत्तियां जलाने भगवान से उसकी आत्मा की शांति के लिए दुआएं मांगने।' वह सिसकती हुई बोली।

'अभी नहीं।' मैन्युअल बहुत ही नम्र स्वर में बोला।

वह आंखें पोंछती हुई द्वार की ओर बढ़ी, 'नहीं, मैं जाऊंगी।' वह दृढ़ विश्वास से बोली।

मैन्युअल जल्दी से आगे बढ़कर उसकी बांह पकड़ता हुआ बोला, 'नहीं अनिता, दु:ख ने तुम्हें पागल कर दिया है। जरा सोचो तो बाहर पुलिस तुम्हें ढूंढ रही है...उन्हें यह भी पता चल जाएगा कि तुमने हम लोगों को होटल में घुसने में सहायता की है। वे तुम्हें जेल की काल-कोठरी में डाल देंगे।'

मैन्युअल ने उसकी आंखों में झांका जिसमें अब क्रोध के बजाय शांति व समझ आ गई थी। मैन्युअल उसकी बांह छोड़ते हुए बोला, 'आओ, बाल्कनी पर चलें, चन्द्रमा के प्रकाश में तुम्हारे स्वर्गवासी पति की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करें।' कहकर घड़ी पर दृष्टि डाली उसने। एक बजकर पन्द्रह मिनट हो रहा था। वारेन्टन और उसकी पत्नी किसी क्षण भी आ सकते थे।

* * *

ब्राडी अपना मेकअप कर चुका था और अब वह माइक का मेकअप करने में लगा था। इस समय ब्राडी काला नीग्रो युवक लग रहा था जो फ्रेंचकट दाढ़ी रखे हुए था और काला सूट पहने हुए था।

'तुम्हारी अपनी मां भी तुम्हें पहचानने में धोखा खा जाएगी।' वह माइक के चेहरे का मेकअप करता हुआ बोला फिर चेहरे से हाथ हटाता हुआ बोला, 'जरा एक मिनट रुकना मूंछ ठीक कर दृं तुम्हारी।' माइक भी सूट में था और बैठा मेकअप करवाते समय अपनी बेटी क्रिस्सी के बारे में सोच रहा था। यद्यपि उसने पीड़ानाशक गोलियां ले ली थी पर फिर भी उसे भय था कि कही ऐन काम ही के समय पीढ़ा का दौरा न पड़ जाए उस पर।

'हां, अब जाकर देखो अपने को शीशे में अपने ही को नहीं अपचान पाओगे' ब्राडी प्रसन्न होता हुआ बोला।

निराश बैनियान उठा और बड़ी मुश्किल में शौचालय तक गया जहां शीशे में अपनी आकृति पर नजरें दौड़ाने लगा। शीशे में एक मोटे हट्टे-कट्टे अजनबी का प्रतिबिम्ब दिखाई पड़ रहा था जिससे उसकी शक्ल सूरत लम्बाई चौड़ाई का दूर-दूर तक कोई संबंध न दिखाई पड़ रहा था। क्या वह वाकई इतना मोटा-तगड़ा जीवन्त व्यक्ति होकर एक नया खुशहाल जीवन जी सकता है। क्षण भर के लिए उसके मन में जीने की तमन्ना तीव्र हो उठी और उसकी बुझी-बुझी श्मशान की-सी सन्नाटी आंखों में जीवन ज्योति जगमगाने लगी। पर क्षणिक था कि यह सब कुछ। यथार्थ ने अविलम्ब उसे शोक, दु:ख

और नंगी वास्तविकता के गहरे समुद्र में फिर से डुबो दिया। कैंसर! उसकी आंखों के समक्ष यमराज बना कहकहा लगाने लाग और अपनी आंखें बंद कर वह मुड़ा और ब्राडी के पास वापस आ गया।

'क्या बढ़िया मेकअप है...है ना?' ब्राडी बोला।

'जी।' बड़ी मुश्किल से यह शब्द कह सका वह।

ब्राडी ने उसे बेचैन नजरों से घूरा।

'क्या हुआ तुम्हें, ठीक तो हो ना?' वह बौखलाता हुआ बोला।

'जी, बिल्कुल ठीक...आप निश्चिंत रहिए...मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अपना काम मैं पूरे मन से करूंगा...पर एक बात है....मानेंगे आप?'

'क्या?' ब्राडी जो उसका आश्वासन सुनकर थोड़ा संतुष्ट सा हो गया था फिर एकाएक घबराते हुए बोला।

'मेरे मरने के बाद मेरी बेटी का ध्यान रखिएगा।' कहकर माइक ने अपनी भीगी आंखों को छुपाने के लिए मुंह दूसरी ओर फेर लिया।

ब्राडी अवाक् बैठा रहा। माइक फिर उसकी ओर मुड़कर जेब में हाथ डालता हुआ बोला, 'यह उस डाक्टर का पता है जो मेरी बेटी की रखवाली कर रहा है। यदि पैसा मिलने से पहले मैं मर जाऊं तो आप इस पते पर पांच लाख रुपये भेज देंगे और साथ में एक पत्र भी यह क्रिस्सी के लिए उसके पिता माइक की ओर से है। कर देंगे आप मेरा यह काम?'

'अवश्य माइक' ब्राडी उसके हाथ से पर्चा लेता हुआ बोला, पर इतना निराश होना ठीक नहीं है।' ब्राडी भी भावुक हो गया था।

'धन्यवाद।' माइक गर्मजोशी और कृतज्ञता से भावुक होता हुआ ब्राडी की ओर हाथ बढ़ाता हुआ बोला।

दोनों ने हाथ मिलाया।

दोनों ने हाथ मिलाकर हटाया ही था कि कमरे में मैगी आती हुई बोली, 'वाह! क्या शानदार खाना रहा आज का।'

'आओ माइक चलें।' ब्राडी घड़ी देखता हुआ माइक से बोला फिर मैगी को प्यार से देखता हुआ बोला, 'तुम्हें तो अपना काम याद है ना?'

'हां, डार्लिंग।' कहकर मैगी ने ब्राडी के गाल पर एक चुम्बन समर्पित कर दिया।

ब्राडी ने मेज पर से अपना ब्रीफकेस उठाया और दरवाजे के बाहर निकल गया। उसके पीछे-पीछे माइक भी चल दिया।

'शुभकामनाएं।' मैगी कमरे में खड़ी-खड़ी चिल्लाई।

कमरे से निकलकर वे गलियारे में आ गए और साथ-साथ चलने लगे।

'भाग्य से अच्छी लड़की मिल गई तुम्हें, लू।' माइक बोला।

‘हां, माइक।’ ब्राडी माइक के कंधे पर हाथ रखते हुए बोला।

गलियारे से होकर दोनों होटल के रिसेप्शन पर आ गए और पास पड़ी कुर्सीयों पर बैठ गए। आसपास बूढ़े लोगों की भीड़-भाड़ थी। किसी ने भी सूट में लदे इन दोनों काले और गोरे नवयुकों पर ध्यान नहीं दिया।

ब्राडी ने बैठकर अटैची खोली और उसमें से कागज की एक गड्डी निकालकर आधी गड्डी फाड़कर माइक की ओर बढ़ा दी और बाकी अपने पास रख ली।

‘क्या पियोगे माइक?’

‘कॉफी।’

ब्राडी ने बैरे को कॉफी और सैंडविच लाने का आर्डर दिया और फिर कागज देखने लगा।

दोनों वहां बैठे थे कि लॉबी में जोश पैस्काट आया। ब्राडी ने माइक को दिखाया कि यही जोश पैस्काट होटल का जासूस है और मैगी इसी को फंसाए रहेगी। दोनों कनखियों से जोश को देखते रहे जो थोड़ी देर वहां खड़ा इधर-उधर देखता रहा फिर स्विमिंग पूल की ओर चल दिया।

थोड़ी देर में वहां दोनों संतरी भी आ गए और उन्होंने रिसेप्शन के क्लर्क को एक-एक चाबियों का गुच्छा दिया और वहां से एक-दो तीन हो गए।

‘हम वारेन्टन और उसकी पत्नी के आने की प्रतीक्षा करेंगे। उसके बाद अपना काम शुरू कर देंगे।’ ब्राडी बोला।

लगभग दस मिनट बाद विल्बर वारेन्टन उसकी पत्नी अन्दर आते हुए दिखाई दिए। वे अन्दर आकर सीधे लिफ्ट की ओर चल दिए। मारिया जब वहां से गुजरी तो ब्राडी लगातार उसके हीरों को घूरता रहा।

जब तक हम तिजोरी वाला काम करेंगे तक तक ये दोनों सो जाएंगे फिर इनके हीरे चुराना आसान हो जाएगा।’ ब्राडी माइक से फुसफुसाया। यह सोचकर कि अपने जीवन में पहली बार वह कोई अपराध करने जा रहा है माइक पसीने-पसीने हो रहा था।

बाड़ी ने उसकी ओर देखा।

‘ओ. के.!’ बोला वह।

‘हां, ओ. के.।’

दोनों वहां से उठकर चल दिए।

8

भगवान की प्रार्थना में बाल्कनी पर झुके-झुके तीनों के लगभग दस-पन्द्रह मिनट हो गए थे। मैन्युअल और फुन्टेस दोनों के घुटने दर्द करने लगे थे। अनिता अब तक की झुकी हुई थी। दोनों ने कनखियों से एक दूसरे को देखा। मैन्युअल से अब बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं हो पर रहा था वह उठ खड़ा हुआ। फुन्टेस को जैसे इसी अवसर की तलाश थी वह भी उठ खड़ा हुआ। अनिता वैसे की वैसी ही झुकी रही। मैन्युअल ने दरवाजे के पास आकर बैठक में झांका। मिस्टर एण्ड मिसेज वारेन्टन अब तक वापस नहीं आए थे। उसने कलाई पर बंधी घड़ी देखी-दो बजकर पांच मिनट हो रहा था। अब अनिता की ओर से कोई चिन्ता नहीं है बस जब वे दोनों आएं तो तुम विल्बर को संभालना, मैं उसकी बीवी को संभालूंगा...स्त्रियों को संभालना जरा मुश्किल है ना?' मैन्युअल मुस्कराता हुआ फुसफुसाकर बोला।

फुन्टेस ने कहने को 'हां' में सिर तो हिला दिया पर अनिता की ओर से वह अभी तक चिन्तित था। पति की मृत्यु को क्या वह इतनी सरलता से बर्दाश्त कर सकती थी? ..... वह सोच रहा था। मैन्युअल फुन्टेस के भय को भांपता हुआ बोला, 'घबराने की कोई बात नहीं। उसके पास कोई हथियार आदि भी नहीं। आखिर क्या बिगाड़ सकती है वह हमारा?'

कहने को तो अनिता पेड्रो की आत्मा की शांति के लिए भगवान के समक्ष झुकी हुई थी पर उसके मस्तिष्क में पेड्रो ही पेड्रो नाच रहा था- पेड्रो के साथ बिताया हुआ समय पेड्रो जो उसे बराबर उम्मीद दिलाया करता था कि उनके बुरे दिन जल्द ही समाप्त होने वाले हैं। फिर उसे वह दिन याद आया जब उसे पेड्रो ने पिस्तौल दिखाकर कहा था कि वह पिस्तौल उसे फुन्टेस ने दिया था और फुन्टेस का नाम सोचकर ही उसका मस्तिष्क कड़वाहट से भर गया। फुन्टेस के कारण ही उसका प्यार पेड्रो आज भगवान को प्यारा हो गया था उसने सोचा, 'मैं तुझसे अपने पेड्रो को बदला अवश्य लूंगी। कमीने फुन्टेस, तुझे तड़पा-तड़पाकर मारूंगी।' उसे मन ही मन निर्णय लिया और उसका हाथ अनायास ही काले स्वेटर के नीचे छुपे चाकू की ओर चला गया। बाल्कनी के दरवाजे के पास खड़े मैन्युअल ने अनिता की ओर देखा। संतुष्ट होकर कि वह अब भी अपने पति के शोक में प्रार्थना में नतमस्तक है वह समुद्र की ओर देखने लगा।

इतने में बैठक के बाहरी दरवाजे के खुलने की आहट हुई। दरवाजा खुल चुका था। पहले मारिया अंदर आई फिर विल्बर। मारिया इस समय बहुत अच्छे मूड में लग रही थी। अन्दर आकर विल्बर ने दरवाजा अन्दर से लगा लिया। मारिया ने बढ़कर उसे चूम लिया, 'मैं कहती थी ना डार्लिंग कि मेरा दिल कह रहा है कि आज मैं जीतूंगी और देखो आखिर दो लाख रुपये जीते ना मैंने...आओ इसी बात पर थोड़ी शैम्पेन हो जाए।'

मारिया चहककर बोली और बत्ती के स्विच की ओर बढ़ गई पर वहां पहुंच ही पाई थी कि दो शक्तिशाली हाथों ने उसे धर दबोचा। उसने चिल्लाना चाहा पर चिल्ला नहीं पाई। उसे लग रहा था कि उसका गला चमड़े के दो हाथ नहीं बल्कि लोहे के दो हाथ कसे हुए हैं। विल्बर भी स्वयं को एक मोटे-नाटे, तगड़े आदमी की गिरफ्त में पा रहा था पर उसकी हालत इतनी दयनीय नहीं थी जितनी

मारिया की। आखिर तो वह मर्द था और फौज में रह चुका था और मारिया ठहरी स्त्री और वह भी कोमल आराम पसन्द स्त्री।

'यदि शोर मचाने की कोशिश की तो गला दबा दूंगा।' एक मर्दाना स्वर उसके कानों में सुनाई पड़ा और वह तड़पकर रह गई, 'छोड़ दे मुझे, कुत्ते....कौन है तू?' वह फुसफुसाई...कुछ बोल पाना मुश्किल हो रहा था उसके लिए।

दूसरी ओर विल्बर की गर्दन वह नाटा आदमी बाएं हाथ से जकड़े हुए था और उसके दाएं हाथ में पकड़ी पिस्तौल की नाल विल्बर की कनपटी पर लगी थी।

'मैं नहीं चाहता कि तुम दोनों बिना बात के ही अपनी जान गंवा बैठो...चलो दोनों चुपचाप कुर्सियों पर बैठ जाओ।' मैन्युअल मारिया को छोड़कर कमरे की बत्ती जलाता हुआ बोला। मैन्युअल की यह बात सुनकर फुन्टेस ने बिल्बर को भी अपनी गिरफ्त से आजाद कर दिया।

'लगता है लुटेरे हैं।' मारिया विल्बर की ओर देखकर ढिठाई से बोली ओर कुर्सी पर बैठ गई।

विल्बर को उसके इस साहस पर आश्चर्य था। आश्यर्चयकित विल्बर भी उसके बगल वाली कुर्सी पर आकर बैठ गया।

मारिया मैन्युअल की ओर से अपना बैग उछालती हुई बोली, 'बदमाशों यह लो रूपया और यहां से रफूचक्कर हो जाओ, समझे।'

मैन्युअल ने बैग हाथ में लेकर फुन्टेस की ओर फेंक दिया जो बैग खोलकर फटी-फटी नजरों से अंदर ठुंसे नोटों की गड्डियों को घूर रहा था जो मारिया कैसीनों से जीतकर लाई थी।

मैन्युअल फुन्टेस की ओर देखने की बजाए अब तक मारिया को घूरे जा रहा था।

'कुतिया! ज्यादा बकवास करेगी तो मैं तेरी नाक काट लूंगा।' मैन्युअल दहाड़ा।

मारिया पर मैन्युअल की इस धमकी ने खूब काम किया। वह चुपचाप विल्बर का हाथ जोरों से पकड़कर बैठ गई क्योंकि उसे अपनी जान से अधिक अपनी सुन्दरता से प्यार था। बिल्बर ने इस चांडाल को घूरा जिसे देखकर पता नहीं क्यों वह पसीने पीसने हुआ जा रहा था।

'मारिया। ये लोग पैसा नहीं शायद ये हीरे लेने आए हैं... उतारकर फेंक दो इन्हें...चले जाएंगे।' विल्बर हड़बड़ाकर बोला।

मारिया के कांपते हाथ उसके गले तक पहुंचे ही थे कि मैन्युअल चिल्लाया, 'नहीं, मूर्ख औरत, रखे रह तू अपने यह गहने हमें पैसा चाहिए, श्रीमान वारेन्टन हमें पांच करोड़ रुपये चाहिए...जब तक हमें ये रुपये नहीं, मिल जाएंगे हम यहां से जाने वाली नहीं, समझे?...और हां एक बात और ये रुपये हमें सौ-सौ के नोटों में चाहिए।'

'ह-ह-ह-हमारे पास इतने रुपये नहीं हैं ये हीरे ले लो और चले जाओ यहां से।' विल्बर बोला।

कमरे में मैन्युअल की हंसी गूंज गई... 'ह-ह-ह-हा-हा-हा...ठीक है पर तुम्हारे बाप के पास तो हैं, हम... इंतजार कर सकते है और करेंगे।'

बाल्कनी पर अंधेरे में बैठी अनिता ये सारी बातें सुन रही थी उसके हाथ में नंगा चाकू था।

* * *

तिजोरी खोलकर ब्राडी उसमें रखा एक-एक बाक्स बाहर निकालकर उसका ताला खोलता और उसे माइक बैनियान को दे देता जो उसमें रखे हीरे पास पड़ी खुली अटैची में पलट लेता और छोटा बक्स वापस जमीन पर छोड़ देता। ब्राडी अपना काम बला की फुर्ती से कर रहा था। वह अब तक पन्द्रह बक्सों का ताला खोल चुका था और सोलहवें पर लगा हुआ था। सोलहवां बक्स खोलकर माइक के हवाले करने के बाद वह रुक गया और खड़ा होकर अपनी उंगलियां मरोड़ने लगा फिर माइक की ओर देखता हुआ बोला, 'देखा? ...इससे लाभदायक भी काम है कोई दुनिया में .... आधे घंटे में करोड़ों रुपये।'

माइक को पीड़ा उठनी आरंभ हो गई थी और वह बड़ी मुश्किल से स्वयं को संभाले हुए थे। ब्राडी की इस बात पर वह बड़ी कठिनाई से मुस्करा सका।...ब्राडी फिर अपने काम में लग गया।

तिजोरी कक्ष में घुसने के लगभग तीस मिनट पश्चात् ब्राडी सारे बक्सों के हीरे अटैची में रख चुके थे। खाली बक्सों को वापस तिजोरी में रखकर तिजोरी का ताला बन्द कर ब्राडी माइक से बोला, 'आओ, अब वारेन्टन की खबर लेते हैं।' कहकर उसने घड़ी देखी दो बजकर पचास मिनट का समय हो रहा था। 'सोये होंगे, दोनों, आओ...पिस्तौल ठीक ठाक है ना?'

'हां।' माइक बोला।

'आओ, चलते हैं।' कहकर ब्राडी ने छत वाला दरवाजा खोला 'मैं ऊपर चलूंगा।' कहकर वह सीढ़ियां चढ़ता हुआ ऊपर चढ़ गया और उसके पीछे-पीछे माइक भी चढ़ गया। छत पर चढ़कर वे उस स्थान पर आ गए जहां से नीचे वारेन्टन के कमरे की बाल्कनी दिखाई देती थी।

'इनके कमरों की लाइट अभी तक जल रही है... इसका मतलब ये साले अभी तक सोए नहीं है।' ब्राडी आश्चर्यचकित होता हुआ माइक से बोला।

ब्राडी अपने विचारों में धीरे से फुसफुसाया था पर उसकी यह बात अनिता ने सुन ली थी जो बाल्कनी पर बड़े-बड़े गमलों के पीछे अंधकार में अब तक बैठी हुई थी। वह धीरे-से और पीछे अंधकार में हो गई और ऊपर झांकने लगी। ऊपर चांदनी में दो व्यक्तियों का आधा धड़ दिखाई पड़ रहा था।

ब्राडी ने नीचे झांककर चांदनी में बाल्कनी का जायजा लिया।

'हमें समय नहीं नष्ट करना चाहिए...आओ चलकर देखते हैं।' कहकर वह बगल में लगे पाइप के सहारे बाल्कनी पर उतरने लगा। माइक उसके पीछे-पीछे हो लिया।

बाल्कनी पर उतरकर ब्राडी ने माइक को वहीं खड़े रहने का संकेत किया और वह बैठक वाले दरवाजे की ओर छिप-छिपकर जाने लगा। वह अनिता के पास से गुजरा पर अनिता बड़े गमले के पीछे अंधकार में छुपी पड़ी थी, वह देख न सका।

बैठक में झांकने पर जैसे उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। कमरे में दूर वारेन्टन और मारिया डरे-डरे से कुर्सियों पर बैठे थे और सामने पिस्तौल लिए दो गंदे-गंदे व्यक्ति खड़े थे। उसके कानों में स्वर टकराया, 'अच्छा तो, मिस्टर वारेन्टन! आप अपने पापा को फोन कीजिए कि वो जल्द

से जल्द पांच करोड़ रुपया लेकर यहां पहुंच जाएं... समझे।'

ब्राडी को सारी स्थिति समझने में देर न लगी। वह समझ गया कि बदमाशों ने इन दोनों को बन्दी बना लिया है। दूर मारिया के हीरे उसके शरीर पर जगमगा रहे थे। उसका मन ललचा उठा पर स्वयं पर संयम रखते हुए उसने माइक की ओर कुछ संकेत किया जो फौरन ही उसके पास आ गया।

'पहले मोटे-नाटे वाले से निपटना है फिर गंजे से फिर वारेन्टन और उसकी पत्नी समझे?' ब्राडी फुसफुसाया। माइक ने बिजली की सी फुर्ती से जेब से डाट वाला पिस्तौल निकाल लिया। माइक ने निशाना साधकर पिस्तौल चला दी। डाट सीधे जाकर फुन्टेस की गर्दन के पीछे लगा था। वह अपनी गर्दन पर हाथ मारता हुआ बोला, 'ये मच्छर तो...।' वाक्य पूरा भी न हो पाया था कि मैन्युअल ने अपनी गर्दन पर भी हाथ मारा और दोनों एक दूसरे को आश्चर्यचकित निगाहों से घूरते हुए ढह पड़े। उनके हाथ से पिस्तौल छूटकर जमीन पर गिर पड़ी थी। मारिया उठकर मैन्युअल के पास गिरी पिस्तौल पर झपटी पर तुरन्त अपनी बांह पकड़कर वह भी लुढ़क गई और विल्बर जो ये सारा दृश्य आंखें फाड़े देख रहा था, खड़ा हो गया और मारिया के पास चिल्लाकर बढ़ रहा था कि उसका भी यही हश्र हुआ। वह भी अपना माथा पकड़े मारिया के ऊपर लुढ़क चुका था।

'वाह...क्या निशाना है।' ब्राडी माइक को प्रशंसात्मक दृष्टि से घूरता हुआ बोला।

माइक को वहीं खड़े रहने का संकेत कर ब्राडी बैठक में बढ़ गया।

मारिया के पास पहुंचकर उसने उसके ऊपर पड़े विल्बर को खींचकर अलग किया फिर एक-एक कर मारिया के गहने उतारने शुरू किए उसने। पहले बुन्दे फिर नैकलेस और उसके बाद अन्य दूसरे गहने उतार उसने जेबों में ठूंसे और बाल्कनी पर वापस आकर फुसफुसाया। 'आओ माइक, चलें।'

पाइप से चढ़कर वे दोनों वापस ऊपर छत पर पहुंच गए और वहां से तिजोरी वाले कमरे में फिर वापस आ गए जहां उन्होंने हीरों से भरी अपनी अटैची छोड़ रखी थी।

लगभग सात मिनट बाद वे सही सलामत अपने कमरे में मौजूद थे और दस मिनट बाद जब क्लाड केन्डरिक का आदमी आया तो ब्राडी ने हीरों से भरी वह अटैची उसके हवाले कर दी और वह आदमी अटैची लेकर होटल से वापस चला गया।

माइक ने अपना भेष उतार दिया था और वह वापस ड्राइवर के यूनिफार्म में आ चुका था। मैगी सामने कुर्सी पर बैठी आंखें बंद किए अपने ख्यालों में गुम थी। ब्राडी ने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया और हडन को फोन मिलाने लगा।

'सब कुछ बिल्कुल फर्स्ट क्लास रहा, एड। इतनी आसान सफलता की आशा भी नहीं थी मुझे।' ब्राडी चहका।

'बहुत खूब, शाबास।' कहकर हडन ने फोन बंद कर दिया।

बैनियान अटैची लिए बैठक में आता हुआ बोला, 'लू, पांच बजे लास ऐंजिल्स को एक फ्लाइट जाती है मैं उसी से चला जाता हूं।' उसके चेहरे पर संतुष्टि थी।

'ठीक है, दोस्त...जाओ, मेरी ओर से शुभकामनाएं।' कहकर ब्राडी उसके कंधे पर हाथ रखता हुआ बोला, 'मैंने तुम्हें वचन दिया है माइक, तुम्हारा पैसा डाक्टर तक पहुंच जाएगा, विश्वास करो।'

‘क्रिस्सी से मिलने जा रहे हो, माइक?’ मैगी भावुक होती हुई बोली।

‘हां।’

‘बहुत याद आओगे तुम....पत्र वगैरह लिखते रहना माइक...लू, माइक को अपना टेलीफोन नम्बर दे दो।’

‘नहीं...यदि माइक को कुछ हो गया और टेलीफोन नम्बर इसके पास पड़ा रह गया तो ख्वामख्वाह ही कोई मुसीबत खड़ी हो सकती है।’ ब्राडी बोला।

माइक ने ‘हां’ में सिर हिलाकर ब्राडी की बात का समर्थन किया। फिर वह ब्राडी और मैगी से हाथ मिलाकर बाहर चला गया।

बाहर वे दूर उसकी पद्चापें सुनते रहे।

‘क्या हुआ?....इतना दुखी क्यों था माइक?’ मैगी ने पूछा।

‘नहीं, कोई बात नहीं....मैगी...मुझे बहुत नींद आ रही है... काफी थक गया हूं।’

‘कोई विशेष बात तो नहीं हुई ना?’

‘नहीं, वह अपनी बेटी के लिए चिन्तित था बेचारा...आओ सोते हैं।’ ब्राडी बोला।

‘ठीक है, पर आज रात चुपचाप सो जाओ... उस भूखे भेड़िए जोश ने मेरा कचूमर बना दिया है।’ मैगी बोली।

* * *

संतुष्ट होकर कि दोनों हत्यारे पाइप के सहारे ऊपर चढ़कर फरार हो चुके है और वहां इतनी देर ठहरे रहने के बाद भी वे उसे नहीं देख पाए, अनिता गमले के बाहर निकली, धीरे-से ऊपर झांका कि कहीं हत्यारे वहां अभी तक खड़े तो नहीं, फिर बैठक में आ गई। वहां मैन्युअल, फुन्टेस, मारिया और विल्बर ऐसे पड़े थे मानों प्लेग में मर गए हों क्योंकि किसी के भी शरीर से रक्त की एक बूंद भी नहीं निकल रही थी। क्षण भर अनिता खड़ी सोचती रही कि हत्यारे ने किस गोली से मारा कि एक बूंद रक्त तक न निकला। दरअसल, उसे पहले ही से इस पिस्तौल पर आश्चर्य था जिसके चलने से चीं-चूं तक का स्वर न निकला था। पिस्तौल में तगड़े-से-तगड़ा साइलेंसर भी फिट हो तो भी थोड़ी बहुत तो आवाज होती ही है, वह सोच रही थी। उसने मैन्युअल और फुन्टेस के मुंह और नाक के पास हाथ रखा उनकी सांसें चल रही थी। जिसका मतलब था वे मरे नहीं केवल बेहोश हो गए थे।

फुन्टेस के पास पड़ी पिस्तौल उठाकर झट उसने अपने जेब में ठूंस ली फिर मैन्युअल के पास पड़ी पिस्तौल को उसने अपनी कमर में खोस लिया। फुन्टेस...जो यदि न होता तो आज उसका पेड्रो जीवित होता, सोचा उसने, भगवान, तूने फुन्टेस जैसे दरिन्दे से अपने प्यारे पेड्रो का बदला लेने का इतना जल्दी अवसर दे दिया मुझे।’ उसने मन ही मन भगवान का धन्यवाद किया और बुदबुदायी, ‘मैं उन सबसे तेरा बदला लूंगी पेड्रो जो तेरी मौत के जिम्मेदार हैं।’ उसके स्वर में विश्वास झलक रहा था। उसका पूरा शरीर प्रतिशोध की आग में जल रहा था और बला का साहस आ गया था उसमें। बढ़कर उसने फुन्टेस के चेहरे पर दो तीन जोरदार लाते जमाई पर वह वैसे ही पड़ा रहा। उसने उसके

दोनों ढीले पड़े हाथ जमीन से ऊपर उठाए और उसके शरीर को खींचती हुई शौचालय में ले गई। शौचालय का दरवाजा बंद कर वह वापस बैठक में आ गई और मैन्युअल के चेहरे को घूरने लगी।

समाचार सुनते समय उसे विश्वास हो गया था कि मैन्युअल ने उसके संग धोखा किया है। उसे मालूम था कि पेड्रो मर रहा है पर फिर भी वह उससे झूठ बोलकर यहां लाया। पर मैन्युअल के भावुकतापूर्ण भाषण ने उसको यह विश्वास दिला दिया था कि हो सकता है मैन्युअल सच ही बोल रहा हो, उसके डाक्टर मित्र ने फुन्टेस के चढ़ाने पर हो सकता है उससे झूठ बोल दिया हो, खड़ी सोचती रही वह फिर आगे बढ़कर मैन्युअल की जेबें टटोलने लगी। यदि मैन्युअल सच बोल रहा है तो इसकी जेब में बम उड़ाने वाले वे बटन होने चाहिए। सोचा उसने। पर यह क्या, उसकी जेब में कोई बटन-वटन नहीं मिला उसे...अनिता के लिए मतलब स्पष्ट था... कि मैन्युअल झूठ बोल रहा था....पेड्रो की मृत्यु के बारे उसे पता चला था पर पैसे के लालच में वह यह घिनौना काम कर बैठा, 'सच्चाई के पुतले हरिश्चन्द्र।' कहकर अनिता ने उसके मुंह पर थूक दिया। हे भगवान! तो यह आदमी भी मुझे सरासर धोखा दिए जा रहा था, मैंने अपने प्राणों की बाजी लगाकर होटल में बम छुपाया पर सब व्यर्थ...सोचकर वह क्रोध में दांत किटकिटाने लगी, 'कमीने-कुत्ते मैं तुझे ऐसा बना दूंगी कि अपने जीवन में तू कभी किसी मासूम को धोखा नहीं दे पाएगा।' वह बड़बड़ाई और कमर में खोसा चाकू निकालकर उसकी नोंक उसने मैन्युअल की दायीं आंख में धंसा दी। रक्त छर-छरकर बहने लगा और नीचे पड़ी कालीन खून से तर होने लगी। थोड़ी ही देर में मैन्युअल की दोनों आंखों खून से लथपथ कालीन पर बिखरी पड़ी थी। आवेश में वह तेजी से वहां से मुड़ी। शौचालय में पहुंचकर जमीन पर बेहोश पड़े फुन्टेस पर अपनी पूरी शक्ति से प्रहार करने लगी। चन्द क्षणो में ही शौचालय का पूरा धरातल खून से लाल हो चुका था। फुन्टेस का पूरा शरीर चाकू से गोदा हुआ था। चाकू धोकर उसने वापस कमर में खोस लिया और बाहर बैठक में आ गई। कालीन पर मैन्युअल की आंखों से निकला रक्त जम गया था। खड़ी-खड़ी वह बस पुलिस निरीक्षक के बारे में सोचने लगी जिसने पेड्रो पर गोली चलाई थी, 'कमीने तुझे भी नहीं छोडूंगी मैं।' वह क्रोध में हड़बड़ाई पर उसे मारना तो इतना आसान न होगा फिर उसे उस पुलिस वाले का नाम तक याद न था। वह अपने मस्तिष्क पर जोर देने लगी-'क्या नाम था उस पुलिस वाले का।.... लेप्सकी... टाम लेप्सकी।' बहुत देर बाद याद आया उसे।

उसने बैठक से खड़े-खड़े बाल्कनी से बाहर देखा पौ फटने ही वाली थी। पकड़े जाने के ख्याल भर से ही वह कांप गई। उसे जो कुछ भी करना है जल्दी, बहुत जल्दी करना होगा। सोचा उसने और सामने फोन के पास पड़ी डायरेक्टरी की ओर बढ़ गई। टाम लेप्सकी का नाम उसे टेलीफोन डायरेक्टरी में ढूंढने में किसी कठिनाई का समाना न करना पड़ा। उसने डायरेक्टरी का वह पन्ना ही फाड़कर जेब में ठूंस लिया जिस पर लेप्सकी का नाम व पता छपा था। धीरे से दरवाजा खोलकर वह दबे पांव बाहर निकल आई और जिस रास्ते से आई थी उसी रास्ते से होती हुई होटल से बाहर चली गई। यद्यपि सूर्य अभी तक नहीं निकला था पर उजाला काफी हो चुका था।

* * *

सुबह का लगभग साढ़े सात का समय हो रहा था। लेप्सकी डायनिंग टेबल पर बैठा अपना नाश्ता करने में मस्त था। सामने रखे उबले अंडे, पनीर, मक्खन, टोस्ट, हैम, जैम और दलिया की प्लेटें देखकर वह मन ही मन खुश हो रहा था। सामने वाली कुर्सी पर कैरोल बैठी ललचाई नजरों से उसे

खाते देख रही थी। उसका मन कर रहा था कि लेप्सकी के हाथ से अंडे की प्लेट छीनकर अंडे खा जाए। पर एक तो मोटापे के भय से वह अपने खाने-पीने पर नियंत्रण रखे हुए थी। दूसरे अपने इरादों की बड़ी पक्की थी वह। सुबह नाश्ते में वह केवल एक प्याली कॉफी पीती वह भी बिना चीनी की। आखिर जब उससे लेप्सकी का इस प्रकार पेटुओं के समान खाना न देखा गया तो वह बोल उठी, 'नाश्ते में इतना कुछ नहीं खाना चाहिए लेप्सकी तुम्हें।'

लेप्सकी लगातार खाने में मस्त था। नजरें उठाकर उसने कैरोल को घूरा फिर मुस्कराते हुए बोला, 'यदि खाएंगे-पिएंगे नहीं, मेरी जान तो काम कैसे करूंगा, वो भी पुलिस का काम भाग-दौड़, मारा-मारी।'

'मुझे मालूम है, तुम ऑफिस में कितना कोल्हू धकेलते हो...दिन भर बैठे-बैठे नॉवलें पढ़ते रहते हो और काफी पिया करते हो...बड़े आए भाग-दौड़, मारा-मारी करने वाले खटना तो मुझे पड़ता है-झाडू, बर्तन, सफाई, खाना बनाना, कपड़ा धोना क्या आसान है ये सब काम।' कैरोल मुंह बिचकाती हुई बोली।

लेप्सकी के लिए कैरोल के ये ताने-तिनके कोई नए न थे- पचासों बार सुन चुका था वो ये बातें। वह जानता था कि आगे कुछ भी कहा तो बात बिगड़ जाएगी इसलिए मुस्कराकर बात को घुमाने की कोशिश करने लगा वह, 'तुम नाश्ते में अंडा वगैरह क्यों नहीं खाती हो, देखो तो कितनी दुबली हुई जा रही हो।'

कैरोल प्रतिउत्तर में कुछ कहने ही वाली थी कि दरवाजे पर लगी घंटी बज उठी, 'इस समय कौन कमबख्त आ मरा।' कहकर वह कुर्सी खिसकाती हुई उठ गई और दरवाजे की ओर बढ़ने लगी। लेप्सकी भी मुंह चलाता हुआ उधर ही देख रहा था। लेप्सकी को आश्चर्य हुआ कि आज बिना हुज्जत के ही वह दरवाजा खोलने कैसे चली गई। फिर उसे याद आया कि यह डाकिए के आने का समय है इसलिए बड़े चाव से चल दी है वह दरवाजा खोलने। लेप्सकी बैठा नाश्ते में लगा रहा।

कैरोल ने दरवाजा खोला तो डाकिए के बजाए एक काली क्यूबन औरत को खड़ा पाया। उसका मूड आफ हो गया।

'क्या है?' वह मुंह बनाती हुई बोली।

'मुझे श्री लेप्सकी से मिलना है।' अनिता अपने दोनों हाथ पीछे किए खड़ी थी। उसके दाएं हाथ में फुन्टेस वाली पिस्तौल फंसी हुई थी।

'मेरे पति नाश्ता कर रहे हैं और इस समय यह किसी से मिलना पसंद नहीं करते।' कैरोल शुष्कता से बोली।

अनिता ने दरवाजे पर खड़ी इस सुन्दर युवती को नीचे में ऊपर तक देखा....'क्या यह स्त्री मेरी तरह जवानी में अपने पति की मौत बर्दाश्त कर सकती है।' सोचने लगी वह।

'मेरा नाम अनिता सर्टिस है और आपके पति मुझसे मिलने के लिए बहुत दिनों से परेशान है।'

'तो तुमको उनसे ऑफिस में मिलना चाहिए था खैर पूछकर बताती हूं।' कहकर कैरोल अंदर लेप्सकी के पास वापस आ गई। लेप्सकी प्लेटें सफाचट कर अब कॉफी पर नम्बर लगाए हुए था। यह

उसका तीसरा कप था।

'कोई क्यूबन स्त्री है.... अनिता सर्टिस ....तुमसे मिलना चाहती है।' वह आकर मुंह बनाती हुई बोली।

लेप्सकी कॉफी छोड़ अपनी कुर्सी पीछे धकेलता हुआ हड़बड़ाकर उठ गया।

'अरे...इस औरत को ढूंढने में तो मैं समझ रहा था आकाश पाताल एक कर देना पड़ेगा...।' कहकर वह कैरोल को लगभग धकेलता हुआ गलियारे की ओर बढ़ गया जो बाहरी दरवाजे तक जाता था। दरवाजे के पास आया तो बाहर एक तगड़ी सी काली क्यूबन स्त्री खड़ी मिली जो उसे देखते ही फौरन बोल उठी, 'आप टाम लेप्सकी हैं?'

लेप्सकी ने इस स्त्री की काली ठण्डी आंखों को घूरा। पुलिस का इतना लम्बा अनुभव होने के नाते वह आदमी को उसके देखने और बात करने के ढंग से यह ताड़ने में धोखा नहीं खाता था कि वह आदमी इस समय क्या चाहता है। भय से उसके पूरे शरीर में एक ठंडी लहर सी दौड़ गई। उसे याद आया उसकी पिस्तौल तो बैडरूम में पड़ी है।

'आप ही ने मेरे पति पर गोली चलाई थी?' वह शुष्क स्वर में बोली।

प्रतिउत्तर में लेप्सकी इतना ही कह सका, 'आइए अन्दर बैठकर बातें करते हैं।' फिर लेप्सकी ने वह देखा जिसके लिए वह भयभीत था। अनिता के दाएं हाथ में पिस्तौल थी जिसका रुख अब उसकी ओर था। बगल में खड़ी कैरोल की चीख गूंजी और उसी के साथ पिस्तौल चलने का शोर भी। लेप्सकी भय से पीछे हटा और भागने की कोशिश में उसका सिर दरवाजे से टकराया और वह जमीन पर लुढ़क गया। उसके बाद अनिता की पिस्तौल ने दो शोले और उगले और फिर वह सड़क की ओर भाग गई और निरंतर दौड़ती दूर निकल गई।

उसे क्या मालूम था मैन्युअल ने फुन्टेस को नकली पिस्तौल दे रखी थी। मैन्युअल को डर था कि पैसे के लालच में आकर फुन्टेस कहीं उसी को न मार डालें। मैन्युअल और फुन्टेस की जो दो अलग-अलग पिस्तौलो अनिता ने उठाई थी उनमें फुन्टेस वाली नकली पिस्तौल देखने में सुन्दर और बड़ी थी जबकि मैन्युअल वाली असली पिस्तौल छोटी-सी थी इसलिए अनिता ने बड़ी वाली पिस्तौल ही का प्रयोग करना मुनासिब समझा।

इस अकस्मात दुर्घटना से कैरोल ने अपनी आंखें बंद कर ली थी। यद्यपि सामान्य परिस्थितियों में वह निडर और संयमी प्रकृति की स्त्री थी पर इस समय वह बुरी तरह भयभीत थी। काफी देर तक अवाक् रहने के बाद वह अपने स्थान से उठी और साहस कर लेप्सकी के पास आकर बैठ गई और उसका सिर अपनी गोद में रखकर सिसकने लगी।

'थोड़ा और।' कहकर लेप्सकी ने अपनी बांहें उसके गले में डाल दीं।

कैरोल के दोनों हाथ अकस्मात् ही ऊपर उठ गए। वह मन ही मन भगवान की इस कृपा के लिए धन्यवाद दे रही थी। फिर उसने बहते आंसुओं को पोंछ डाला।

'हे भगवान। मैं तो समझी थी भगवान न करे तुम्हें कुछ हो गया है।' कहकर उसने लेप्सकी का माथा अपनी गोद में हटा दिया।

'मैं भी यही सोच रहा था कि मैं मर गया हूं।' लेप्सकी उठकर बैठता हुआ बोला और अपनी गर्दन खुजलाने लगा।

उसकी सफेद कमीज पर जगह-जगह जलने के चिन्ह आ गए थे। कैरोल उन्हें छू-छूकर देखने लगी पर लेप्सकी हड़बड़ाकर उठता हुआ बोला, 'किधर भागी है वह?'

'मैंने उसे यहां से सड़क तक भागते देखा, उसके बाद मुझे कुछ होश ही न रहा।' कैरोल गंभीरतापूर्वक बोली।

लेप्सकी लगभग दौड़ता हुआ शयनकक्ष में गया। वहां से पिस्तौल लेकर होलस्टर में ठूंसता हुआ गलियारे से होकर बाहर जाने लगा। कैरोल ने उसकी बांह पकड़ ली, मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगी। वह बहुत खतरनाक औरत है...नहीं, मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगी।'

लेप्सकी ने पूरी शक्ति से अपनी बांह कैरोल से छुड़ाई और बाहर भागता हुआ बोला, 'पागल न बनो, कैरोल। साहस से काम लो.....यह मेरी ड्यूटी है...अच्छा, तुम बिगलर को फोन कर दो कि वे लोग यहां चले आएं।'

'टाम।' वह चिल्लाई, 'अपना ख्याल रखना टाम, भगवान के लिए मेरे लिए मेरे प्यार के लिए, मेरे टाम।'

'ऐ हे...अभी तो अंडा खाने को मना कर रही थीं और अब कह रही है मेरे टाम अपना ख्याल रखना टाम।' लेप्सकी ने हंसकर उसे चिढ़ाया।

जवाब में कैरोल ने उसे मुक्का दिखाया।

'अच्छा, किवाड़ बन्द कर लो और अन्दर बैठो। मेरी चिन्ता मत करो, अब कुछ भी नहीं होगा मुझे।' कहकर लेप्सकी वहां से एक दो तीन हो गया।

सामने सड़क पर उसे टेड आता दिखाई पड़ा जो घर-घर अखबार बांटता था। उसने चिल्लाकर टेड को अपने पास बुलाया। कोई सत्रह अठारह वर्षीय छोकरा था वह। लेप्सकी को वह भी कभी मिलता, उसके यूनिफार्म, चाल ओर रौबदाब की प्रशंसा अवश्य करता और कहता कि उसे भी पुलिस में भर्ती होने का बहुत शौक है।

टेड साइकिल भागता हुआ ठीक उसके पास आकर फिल्मी स्टाइल में ब्रेक मारकर सीटी बजाता हुआ रुक गया। फिर साइकिल से उतरता हुआ बोला, 'जी पुलिस साहब।' वह लेप्सकी सदैव ही पुलिस साहब कहकर पुकारता और लेप्सकी इस बात पर हंसते-हंसते लोटपोट हो जाता। पर इस समय वह हास्यास्पद वाक्य सुनकर वह खासा गंभीर ही रहा।

'तुमने इधर कोई काले कपड़े पहने क्यूबन औरत को भागते तो नहीं देखा है?'

'क्यूबन स्त्री? काले कपड़े? हों, हों, हों, बिल्कुल देखा है।'

टेड हड़बड़ाता हुआ बोला। वह खासा प्रसन्न था कि आज लेप्सकी को अपराधियों की पकड़-धकड़ में उसकी सहायता लेनी पड़ रही है।

'किधर गई है वह?

'शायद चर्च में।'

लेप्सकी लगभग दौड़ पड़ा। वहां से थोड़ी दूर सड़क के दूसरे किनारे पर सैंट मेरी चर्च था। वह चर्च से अभी लगभग साठ-सत्तर गज की दूरी पर सड़क पर ही था कि उसके पास पुलिस की गाड़ी आकर रुकी। लेप्सकी गाड़ी देखकर भी दौड़ता रहा। उसमें से दो पुलिस वाले बाहर निकले।

'चर्च।....जरा संभलकर...उसके पास पिस्तौल है।' लेप्सकी चिल्लाया और वैसे ही दौड़ता रहा।

दूर टेड खड़ा ये सब देखकर खुश हो रहा था।

दोनों पुलिस वालों ने पिस्तौल खोल से निकालकर हाथ में ले लीं और लेप्सकी के पीछे दौड़ पड़े।

सड़क के दोनों किनारों पर लोगों की अच्छी-खासी भीड़ इकट्ठा हो गयी थी जो इस घटना को बड़ी उत्सुकता से देखने में व्यस्त थी। आसपास के घरों में भी कुछ लोग इस दृश्य को देखने के लिए बाहर आ गये थे। कुछ घरों ही में से देख रहे थे। इतने में पुलिस की दो अन्य गाड़िया आ गयी। एक में से मैक्स जैकोबी लगभग कूदता हुआ बाहर निकला। लेप्सकी पर ही सबकी आंखें केन्द्रित थीं। जैकोबी को देखकर लेप्सकी रुक गया।

'ये सब क्या हुआ 'टाम?' जैकोबी चिन्तित स्वर में चिल्लाया।'

'अनिता सर्टिस...पागल हो गई है वह...मुझ पर गोली चलाई उसने....पर शायद नकली पिस्तौल से..खैर आओ...चर्च में गयी है।'

सारे पुलिस वालों ने चर्च को चारों ओर से घेर लिया। जैकोबी और लेप्सकी हाथ में नंगी पिस्तौलों लिये चर्च के खुले दरवाजे के पास संभलकर दीवार की आड़ लेकर बढ़ने लगे। बड़े दरवाजे के दोनों ओर सटकर खड़े हो गए थे। लोगों की भीड़ सड़क से हटकर अब चर्च के लॉन में आ गयी थी। सभी लोगों की नजरें दोनों पर केन्द्रित थी और विशेषकर लेप्सकी पर क्योंकि वह उनका पड़ोसी था और शहर का जाना-माना पुलिस निरीक्षक था।

लेप्सकी ने अपना सिर आगे कर धीरे- से दरवाजे के भीतर झांका फिर बिजली की सी फुर्ती से सर हटाकर अपनी दायीं ओर दूर खड़ी भीड़ को तकने लगा।

अन्दर मोमबत्तियों के भव्य प्रकाश की एक झलक दिखाई पड़ी उसे और कोई लेटा हुआ दिखाई पड़ा उसे। इसके अतिरिक्त हाल बिल्कुल खाली पड़ा था। उसने फिर झांका। अबकी जैकोबी भी झांक रहा था। काफी देर तक झांकते रहने के बाद लेप्सकी हाल के अंदर घुस गया। जैकोबी भी उसके पीछे-पीछे हो लिया।

हाल में यीशु की प्रतिमा के समक्ष पचासों मोमबत्तियां जल रही थी और सामने पत्थर के चबूतरे पर खून से लथपथ अनिता पड़ी थी। उसके सीने में हृदय के पास चाकू घुसा था।

* * *

कमरे के फर्श पर लुढ़का विल्बर वारेन्टस आंखें मलते हुए उठ बैठा। कमरे में चारों और एक नजर दौड़ाई उसने और रात का भयावह दृश्य याद कर उसका रोया-रोया कांप उठा। सामने खून में लथपथ पड़े मैन्युअल को डरी-डरी दृष्टि से घूरते हुए वह मारिया के पास सरककर पहुंच गया,

'मारिया, मारिया, उठो, उठो, क्या हुआ है तुम्हें?' वह मारिया का सर हिलाया जा रहा था और रह-रहकर मैन्युअल के आंखों में हुए घाव और पास पड़ी आंखों के दोनों ढेलों को भी देख लेता। भय से उसका पूरा शरीर कांप रहा था। लगभग दस-बारह मिनट के बाद मारिया ने आंखें खोली और उठकर बैठ गई। जैसे ही उसकी दृष्टि पास पड़े मैन्युअल पर पड़ी उसे रात घटी सारी घटना याद आ गई। उसने अपना कान टटोला फिर गर्दन और गहने न पाकर वह चिल्लाई और सिसक-सिसककर रोने लगी। विल्बर, उसे चुप कराने लगा, 'रोओ मत, तुम्हारे हीरे, चोरी नहीं हुए वे सुरक्षित रखे है।' उसने दिलासा दिया।

'क्या बकवास कर रहे हो तुम...एक तो मेरे हीरे चोरी हो गए, उस पर से कह रहे हो कि चुप हो जाओ, हीरे चोरी नहीं हुए...पिताजी को क्या मुंह दिखाऊंगी मैं....हाय...मैं लुट गई...मैं बर्बाद हो गई। करोड़ों के हीरे लुट गये, हाय।' वह रो-रोकर बेहाल हुई जा रही थी।

'मैंने कहा था कि हीरे चोरी नहीं हुए।'

'चुप रहो तुम।'

'मैं झूठ नहीं बोल रहा मारिया...जो हीरे तुम पहने हुए थे वे नकली थे।'

'क्या....?' मारिया उसे आश्चर्यचकित नजरों से घूरने लगी।

'हां, मारिया। तुम्हारे पिताजी ने उन असली हीरों के साथ बिल्कुल उसी तरह के नकली हीरे हांगकांग से बनवाकर मुझे दिए थे कि जब तुम उन्हें गलत-सलत जगहों पर पहनने की ज्यादा जिद करो तो मैं तुम्हें नकली हीरों वाला सेट दे दूं।' विल्बर बोला।

'तो फिर असली हीरे कहां है?' मारिया खुशी से आंखें चमकाती हुई बोली।

'तिजोरी में....दिखाता हूं।' कहकर वह शयनकक्ष में चला गया।

सामने पड़े मैन्युअल को देखकर उसे भय भी आ रहा था और घिन भी। उसने आंखें बंद कर लीं। और सोचने लगी कि इसका दूसरा साथी कहां चला गया...'लगता है हीरों पर दोनों में झगड़ा हो गया और इसका साथी इसे मारकर हीरे लेकर फरार हो गया- नकली हीरे।' सोचकर मन ही मन मुस्कराई वह।

विल्बर को पदचाप सुनकर उसने आंखें खोली। सामने विल्बर हीरों का डिब्बा खोले खड़ा था। मारिया खुशी से झूमती हुई उसके गले लग गई, 'मेरे विल्बर....अब मैं तुम्हें कभी नहीं सताऊंगी, तुम वाकई बहुत अच्छे हो।'

'अच्छा....अब मैं जरा पुलिस को तो फोन कर दूं।' कहकर यह फोन के पास बढ़ गया और मारिया मैन्युअल के निढाल पड़े शरीर के एक लात जमाती हुई शौचालय चली गई उसे क्या पता था कि शौचालय में एक और लाश उसका स्वागत करेगी।

* * *